श्‍मা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 250 | गुवाहाटी | गुरुवार, 6 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पूर्बज्योति कृषि पाम निगम के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री पेज 3
रामलीला मैदान में फिर एक जुट हुए किसान और मजदूर पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने 795 अधिकारियों को बांटे नियुक्ति पत्र पेज 5
जयपुर बम ब्लास्ट के आतंकवादियों का बरी कांग्रेस सरकार को पड़ेगा भारी : जोशी पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मालिक का टॉर्चर : 1000 किमी. पैदल चलकर घर लौटे मजदूर

बेंगलुरु। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच ओडिशा के तीन निराश्रित प्रवासी श्रमिक सात दिन में 1,000 किलोमीटर पैदल चलकर बेंगलुरु से ओडिशा के कोरापुट आए और फिर यहां से कालाहांडी स्थित अपने-अपने घर पहुंचे। तीनों रविवार को जब अपने घर पहुंचे तो उनकी जेब खाली और हाथों में केवल पानी की बोतलें थीं। उनके पास कुछ था तो वह था इस लंबी यात्रा के दौरान के संघर्ष, कठिनाइयां, शोषण और अनजान लोगों से मिली मदद की कहानियां। कालाहांडी जिले के तिंगलकन गांव के बुडू मांझी, कटार मांझी और भिखारी मांझी तीनों को बेंगलुरु में उनका नियोक्ता कथित तौर पर वेतन नहीं दे रहा था, जिससे तंग आकर उन्होंने यह कठिन यात्रा करने की ठानी। उनकी मामूली सी बचत

समाप्त हो गई थी उनके पास न तो भोजन था और न ही पैसे। कोरापुट पहुंचने पर, उन्होंने पोतांगी ब्लॉक के पडलगुडा में स्थानीय लोगों को बताया कि उन्होंने 26 मार्च को अपनी यात्रा शुरू की थी और वे इन सात दिन में रात में भी चले। कुछ जगहों पर उन्हें सवारी भी मिली। श्रमिकों की परेशानियों को समझते हुए कई लोग अनायास आगे आए और उनकी मदद की। एक दुकानदार ने उन्हें भोजन की पेशकश की, जबकि ओडिशा मोटर वाहन चालक एसोसिएशन की पोतंगी इकाई के अध्यक्ष भगवान पडल ने उन्हें 1,500 रुपए दिए। साथ ही नबरंगपुर के लिए उनके परिवहन की व्यवस्था की, जो कालाहांडी के रास्ते में पड़ता है। तीनों पुरुष प्रवासी श्रमिकों के उस 12 -शेष पृष्ठ दो पर

हनुमान जयंती पर कानून-व्यवस्था बनाए रखें राज्य : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। रामनवमी के मौके पर देश में कई हिस्सों में हिंसा भड़की थी। रामनवमी पर हुई हिंसा को देखते हुए केंद्र सरकार अलर्ट हो गई है। गृह मंत्रालय ने अब हनुमान जयंती को लेकर एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में सभी राज्यों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया है। मंत्रालय ने हनुमान जयंती की तैयारी को लेकर सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी की है। राज्य सरकारों को कानून और व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया है। इसके अलावा त्योहार का शांतिपूर्ण पालन करने और समाज में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाले लोगों की निगरानी करने को भी कहा है। उधर, पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने सख्त -शेष पृष्ठ दो पर

असम समझौते पर कांग्रेस का हंगामा, सदन से किया वॉकआउट

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा के बजट सत्र के बीच विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को सदन में जमकर हंगामा किया। कांग्रेस विधायकों ने असम समझौते पर नेता प्रतिपक्ष देबब्रत सैकिया के सवाल का उचित जवाब नहीं मिलने पर सदन से वॉकआउट किया। विधायक देबब्रत सैकिया ने पूछा था कि असम सरकार ने असम समझौते के खंड 5 और 6 को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए हैं? क्या विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए असम समझौते के अनुसार अपनाई गई समय सीमा में परिवर्तन किया गया है? खंड 6 के कार्यान्वयन के लिए गठित समिति की सिफारिशों को कब लागू किया जाएगा? सैकिया ने यह भी पूछा कि क्या खंड 6 के कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट असम समझौते के कार्यान्वयन के लिए नोडल विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को सौंप दी गई है। क्या नागरिकता संशोधन अधिनियम ने असम समझौते के खंड 5 का अवमूल्यन किया है, असम सरकार ने असम समझौते के कार्यान्वयन के लिए असमिया को कैसे परिभाषित किया है? विधायक के सवाल के जवाब में असम समझौता कार्यान्वयन मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि राजनीतिक (बी) विभाग के अनुसार असम समझौते के खंड 5 के कार्यान्वयन के लिए विदेशी अधिनियम, 1946 और विदेशी (न्यायाधिकरण) आदेश 1964 के अनुसार उपाय किए जा रहे हैं। मंत्री बोरा ने सदन को यह भी सूचित किया कि असम समझौता कार्यान्वयन विभाग ने विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए समझौते के अनुसार आधार वर्ष में बदलाव नहीं किया है। खंड 6 के कार्यान्वयन के लिए गठित समिति की सिफारिशों का वर्तमान में असम सरकार द्वारा गठित उप-समिति में अध्ययन और समीक्षा की जा रही है। उप-समिति की रिपोर्ट पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। देबब्रत सैकिया के सवाल का जवाब देते हुए बोरा ने यह भी बताया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 केंद्र सरकार ने अधिनियमित किया है, इसलिए राज्य सरकार के पास इस बात पर अपनी राय देने का अधिकार नहीं है कि क्या असम समझौते के खंड 5 का अवमूल्यन किया गया है। मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि विभाग ने अभी तक असमिया की परिभाषा तय नहीं की है। इस बीच, कांग्रेस के विधायकों ने मंत्री के जवाब के विरोध में हंगामा करना शुरू कर दिया। कांग्रेस विधायक जाकिर हुसैन सिकदार ने सदन के पटल पर मंत्री के जवाब पर पूछा कि असम समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद असम गण परिषद ने दो बार असम पर शासन किया है। उसने कुछ भी नहीं किया। असम गण परिषद (अगप) अभी भी भाजपा के साथ सात साल से सत्ता में है। असम समझौते को लागू करने के लिए असम गण परिषद ने क्या किया है? इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने सरकार पर सदन में असम समझौते के बारे में भ्रामक जानकारी देने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। इस बीच विभागीय मंत्री अतुल बोरा ने कांग्रेस के विरोध पर तंज कसते हुए कहा कि अगर कांग्रेस असम समझौते की बात करती है तो यह भूत के मुंह से राम नाम जपने जैसा दिखता है। इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने तंज कसते हुए कहा कि मैं भी कांग्रेस का विधायक था। मैं युवा कांग्रेस का -शेष पृष्ठ दो पर

लोगों को यह खतरनाक बीमारी दे गया कोरोना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हुए एक अध्ययन के अनुसार सार्स-सीओवी-2 वायरस से होने वाला डिमेंशिया से जूझ रहे रोगियों में इस रोग को और बढ़ा सकता है। जर्नल ऑफ अल्जाइमर्स डिसीज रिपोर्ट्स में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि डिमेंशिया के सभी प्रकारों वाले प्रतिभागियों को सार्स-सीओवी-2 के संक्रमण के बाद डिमेंशिया और तेजी से बढ़ा। मानवीय समझ पर कोविड-19 के प्रभाव को लेकर अभी तक विस्तृत जानकारी -शेष पृष्ठ दो पर

केजरीवाल के असम से लौटते ही कई लोगों ने छोड़ी आप

कामरूप (हि.स.)। राज्य में आम आदमी पार्टी (आआप) के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मेहनत पर पानी फिर गया। केजरीवाल के जाने के बाद कई आआप नेताओं ने पार्टी छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।

बुधवार को रंगिया के उत्तर कामरूप भाजपा कार्यालय में कामरूप (ग्रामीण) जिला युवा शक्ति संयोजक अखिल डेका सहित कई नेता और कार्यकर्ता औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता की मौजूदगी में सभी को पार्टी -शेष पृष्ठ दो पर

सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट देना न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ, प्रेस का स्वतंत्र रहना जरूरी : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक मलयालम समाचार चैनल से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए गंभीर टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मीडिया का स्वतंत्र रहना जरूरी है और सरकार की नीतियों की आलोचना करना राष्ट्र विरोधी नहीं करार दिया जा सकता है। वहीं, कोर्ट ने मीडिया को भी नसीहत देते हुए कहा कि प्रेस की जिम्मेदारी बनती है कि वो सच को सामने रखे।

लोकतंत्र मजबूत रहे इसके लिए मीडिया का स्वतंत्र रहना जरूरी है। उससे ये उम्मीद नहीं की जाती है कि वो सिर्फ सरकार का पक्ष रखे। दरअसल मलयालम न्यूज चैनल पर गृह मंत्रालय द्वारा सुरक्षा मंजूरी नहीं मिलने की वजह से केंद्र सरकार ने उसके प्रसारण लाइसेंस का नवीनीकृत करने से केंद्र सरकार ने इंकार कर दिया था जिस को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
प्रत्येक कार्य अपने समय पर होता है, जैसे पौधों में फूल और फल अपने समय पर आते हैं।
- वृंद

न्यूज गैलरी

चार साल बाद हुआ मानव बलि मामले का खुलासा

गुवाहाटी। असम में एक मंदिर में मानव बलि देने का मामला सामने आया है। ये मामला गुवाहाटी का है। पुलिस को 4 साल पहले एक सिर कटा शव बरामद हुआ था। इसके बाद से ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई थी। अब पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये शव किसका है, मानव बलि क्यों और किसने दी? इन सभी सवालों के जवाब जानने के लिए हमें चार साल पहले जाना होगा। दरअसल ये मामला कामाख्या मंदिर का है। -शेष पृष्ठ दो पर

चेन्नई में मंदिर के टैंक में डूबे पांच बच्चे, मौत

चेन्नई। चेन्नई से एक दर्दनाक हादसे की खबर है। जहां के एक मंदिर में पूजा कार्यक्रम के दौरान पांच बच्चे टैंक में डूब गए। सभी की बॉडी को बाहर निकाल लिया गया है। हादासा कैसे हुआ और इसके पीछे क्या वजह रही है इससे जुड़ी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है। वहीं, पीड़ित परिजनों को रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। बताया जा रहा है मंदिर में किसी -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति मुर्मू ने सौंपे पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को दिग्गज समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव और मशहूर चिकित्सक दिलीप महालनाबिस को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया। लेखक सुधा मूर्ति, भौतिक विज्ञानी दीपक धर, उपन्यासकार एस.एल. भैरप्पा और वैदिक विद्वान त्रिदंडी चिन्ना जे. स्वामीजी को भी यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। दीपक धर सांख्यिकीय भौतिकी में अपने लंबे शोध करियर के लिए जाने जाते हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को मरणोपरांत सम्मान दिया गया। वह भारत के रक्षा मंत्री और लंबे समय तक सांसद भी रहे थे। वहीं, 1971 के बांग्लादेश युद्ध शरणार्थी शिविरों में सेवा करने के लिए अमेरिका से लौटे महालनाबिस को मरणोपरांत सम्मान दिया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

एनसीईआरटी ने किताबों से गांधी-आरएसएस और हिंदू-मुस्लिम एकता के पाठ हटाए

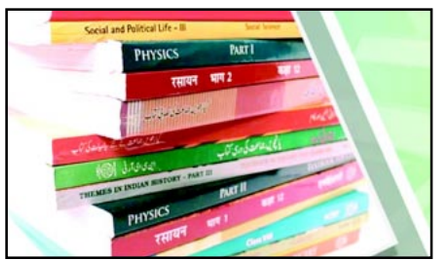

नई दिल्ली। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) ने न्यू एकेडमिक सेशन के क्लास 12 की राजनीतिक विज्ञान की बुक से महात्मा गांधी की मौत से देश में सांप्रदायिक स्थिति पर प्रभाव, गांधी की हिन्दू मुस्लिम एकता की अवधारणा ने हिन्दू कट्टरपंथियों को उकसाया, और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(आरएसएस) जैसे संगठनों पर कुछ समय के लिए बैन को सिलेबस से हटा दिया है। हालांकि मामले पर सफाई देते हुए एनसीईआरटी ने कहा है कि इस साल के सिलेबस में किसी भी प्रकार की काटछांट नहीं की गई है। पिछले साल जून में पाठ्यक्रम को तर्कसंगत बनाया गया था। वहीं कांग्रेस समेत अन्य -शेष पृष्ठ दो पर

किताबों में बदलाव पर असदुद्दीन ओवैसी ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजिलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने एनसीआईआरटी की किताबों में कुछ बदलावों को लेकर सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

रास में चर्चा के दायरे से बाहर कोई मुद्दा या व्यक्ति नहीं : सभापति

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में बुधवार को सभापति जगदीप धनखड़ ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से उठाए गए व्यवस्था के प्रश्न पर अपना निर्णय देते हुए इसे अस्वीकार कर दिया। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने 13 मार्च को व्यवस्था का प्रश्न उठाया था कि राज्य सभा में लोक सभा के किसी सदस्य (यहां राहुल गांधी) पर या उसके बारे में कोई चर्चा नहीं हो सकती। राज्यसभा में नेता सदन पीयूष गोयल ने राहुल गांधी के विदेश में दिए भाषण का मुद्दा उठाया था। राहुल का नाम लिए बिना उन्होंने उनके बयान की आलोचना की थी और कहा था कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए। इसके बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने व्यवस्था का प्रश्न उठाया था। आज इस संबंध में सभापति ने अपना निर्णय दिया है। सभापति धनखड़ ने कहा कि राज्य सभा में चर्चा के दायरे से बाहर कोई मुद्दा या व्यक्ति नहीं हो सकता है और यह विशेष रूप से सदन और सभापति द्वारा विनियमन के अधीन है। इससे राज्यसभा में -शेष पृष्ठ दो पर

चीन के आगे सुपरपॉवर हुआ बेबस

जासूसी गुब्बारे ने जुटाई सेना के बारे में सीक्रेट जानकारी

नई दिल्ली। रूस यूक्रेन जंग के बीच चीन की जासूसी चर्चा में है। वैसे तो हर देश की अपनी खुफिया एजेंसिया हैं जिनका मकसद गोपनिए जानकारी हासिल कर सरकारों तक पहुंचाना है। इसके अलावा कई ऐसे देश हैं जो स्पाई सैटेलाइट के जरिए दूसरे देशों पर निगरानी रखते हैं। लेकिन चीन का जासूसी गुब्बारा चर्चा का विषय बना रहा। इसको लेकर अलग-अलग दावे किए गए। चीन ने भले ही इसे मौसम की जानकारी लेने वाला आम गुब्बारा बताया हो। लेकिन अमेरिका सर्विलांस की संभावना से इनकार नहीं कर

रहा है। लेकिन अब इसको लेकर जो जानकारी सामने आई है उससे अमेरिका की चिंता बढ़ सकती है। एनबीसी की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन के स्पाई बैलून अमेरिका की खुफिया सैन्य ठिकानों की जानकारी एकट्ठा कर बीजिंग भेजने में कामयाब रहा है। एनबीसी न्यूज ने बताया कि बाइडेन प्रशासन द्वारा रोकने के प्रयासों के बावजूद पूरे अमेरिका में उड़ान भरने वाला चीनी गुब्बारा कई अमेरिकी सैन्य स्थलों से खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और वास्तविक समय में -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस अब भी रिमोट कंट्रोल से संचालित हो रही : आजाद

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद का मानना है कि कांग्रेस अब भी *रिमोट कंट्रोल* से संचालित की जा रही है और साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि *अनुभवहीन चापलूसों की नई मंडली* इसका कामकाज संभाल रही है। कांग्रेस के पूर्व नेता ने अपनी पुस्तक *आजाद-ऐन ऑटोबायोग्राफी* के विमोचन से पहले, अपने पूर्व साथी नेताओं के साथ रही समस्याओं पर बात करने से इनकार कर दिया। आजाद ने पिछले साल पार्टी छोड़ दी थी। उन्होंने कहा कि मैं अतीत में जितना जाता हूं, उतनी ही कड़वाहट सामने आती है और पार्टी से बाहर निकलने के बाद से मैं इसमें नहीं पड़ना चाहता। पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

बंगाल में हनुमान जयंती पर केंद्रीय बलों की तीन कंपनियां होंगी तैनात

कोलकाता। रामनवमी की शोभायात्राओं को लेकर बंगाल के हावड़ा, हुगली और अन्य जगहों पर हुई हिंसा को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट ने बुधवार को तीखी टिप्पणी की है। राज्य सरकार को नसीहत देते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की खंडपीठ ने कहा है कि राज्य पुलिस अगर हालात को संभालने में विफल हो रही है, तो केंद्रीय बलों की मदद ली जानी चाहिए। हाई कोर्ट नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी की ओर से हुगली जिले के रिसड़ा में हुई हिंसा पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था। बता दें कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले दिनों हनुमान जयंती पर राज्य में हिंसा की आशंका व्यक्त की थी। वहीं, अब हाई कोर्ट के निर्देश पर राज्य में कोलकाता, हुगली व बैरकपुर में तीन कंपनी केंद्रीय बल की तैनाती होगी। खंडपीठ ने हनुमान जयंती का जिक्र करते हुए कहा कि अतीत की घटनाओं से सबक लेना चाहिए। बीमारी को लेकर अग्रिम बचाव बेहद जरूरी है। न्यायाधीश ने कहा कि उन्होंने आठ-नौ साल पहले गणेश चतुर्थी की शोभायात्रा पर इसी तरह से हिंसा को लेकर सुनवाई की थी। तब उन्होंने ठोस निर्देश दिए थे और तब से गणेश चतुर्थी

पर शांति बरकरार है। उन्होंने कहा कि हनुमान जयंती पर कोई हिंसा न हो, इसके लिए लोगों के मन में भरोसा बहाल करने की जरूरत है। इसके लिए रूट मार्च की जानी चाहिए। मुंबई का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी के समय पुलिस बैरिकेड करके शोभायात्रा करवाती है। कोई हंगामा नहीं होता। इसके अलावा न्यायाधीश ने कहा है कि जहां धारा 144 लगी है, वहां से शोभायात्रा नहीं निकालें। कोई भी राजनीतिक नेता कहीं भी हनुमान जयंती को लेकर कोई बयान नहीं देगा। महाधिवक्ता एसएन मुखर्जी ने अदालत को बताया कि राज्य में हनुमान जयंती रैलियां आयोजित करने के लिए पुलिस को करीब 2,000 आवेदन मिले हैं। इधर, राज्य सरकार ने संवेदनशील इलाकों में धारा 144 लागू करने के साथ रैलियों में 100 से ज्यादा लोगों के शामिल नहीं होने का निर्देश दिया है। इधर गृह मंत्रालय की ओर से भी हनुमान जयंती पर शांति बहाली के लिए राज्यों को ठोस तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं दूसरी ओर हुगली जिले के रिसड़ा में हिंसा प्रभावित इलाकों में अभी भी निषेधाज्ञा लागू है। ज्यादातर दुकानें बंद हैं। इंटरनेट सेवा भी बंद है। बंगाल के बुद्धिजीवियों ने भी हिंसा पर चिंता व्यक्त की है। इसके अलावा हावड़ा में शोभायात्रा में तमंचा लेकर शामिल होने के मामले में पुलिस ने आर्यन गुप्ता नामक एक और युवक को गिरफ्तार किया है। इस मामल में पुलिस ने कल मुंगेर से सुमित साव नामक युवक को गिरफ्तार किया था। बता दें कि हनुमान जयंती पर विश्व हिंदू परिषद प्रदेश में करीब 500 जगहों पर पूजा-अर्चना करने जा रही है। यहां दिन भर हनुमान चालीसा पाठ करने की भी योजना है। दूसरी ओर बंगाल की महिला व शिशु कल्याण मंत्री शशि पांजा ने हनुमान जयंती को लेकर लोगों को सतर्क करते हुए कहा है कि भाजपा इसमें भी अशांति फैला सकती है। न्यायमूर्ति शिवगणनम ने एक महत्वपूर्ण मामले का खुलासा करते हुए कहा कि दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंडहार्बर के एक न्यायाधीश ने हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र लिख कर सुरक्षा मांगी है। न्यायाधीश का परिवार हुगली जिले के श्रीरामपुर में रहता है। उन्होंने खुद ही थाने और पुलिस के उच्च पदस्थ अधिकारियों से मदद मांगी है लेकिन आरोप है कि उन्हें कोई मदद नहीं मिली है।

भास्कर ज्योति महंत ने राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त पद की शपथ ली

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने बुधवार को राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित एक समारोह में भास्कर ज्योति महंत आईपीएस (सेवानिवृत्त) को राज्य मुख्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्य सचिव पवन कुमार बोरठाकुर, राज्य सरकार के शिक्षा सलाहकार प्रो नानी गोपाल महंत, आयुक्त और सचिव, प्रशासनिक सुधार और प्रशिक्षण शांतनु पी गोटमारे, राज्य सूचना आयुक्त समुद्र गुप्त कश्यप, कामरूप (मेट्रो) उपायुक्त पल्लव गोपाल झा, पुलिस आयुक्त दिगंता बोरा, राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

बीएसएफ ने लगाया स्वास्थ्य शिविर, जरुरतमंदों में बांटे सामान

करीमगंज (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सिविक एक्शन प्रोग्राम के माध्यम से भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले छात्रों और ग्रामीणों को लाखों रुपए का सामान वितरित किया। बीएसएफ की 134वीं बटालियन ने बुधवार को करीमगंज जिले के पथारकांदी के सोनातला सीमा पर रहने वाले छात्रों और स्थानीय लोगों को लगभग 2.5 लाख रुपए के आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य शिविर भी लगाया। सीमा सुरक्षा बल के मिजोरम कछार फ्रंटियर के सिलचर सेक्टर अंतर्गत 134वीं बटालियन के डॉक्टर संजीव कुमार ने करीब दो सौ ग्रामीणों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। स्वास्थ्य शिविर में 25 हजार रुपए की आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि सिविक एक्शन प्रोग्राम के छात्रों को वितरित किए गए सामानों में टिफिन बॉक्स, साइकिल, सोलर लाइट, स्कूल बैग आदि का शामिल थे। इसके अलावा निश्चिंतपुर एलपी स्कूल, रॉयल एकेडमी बारीग्राम, यूनिक पब्लिक स्कूल असीमगंज, कटेरगुल एलपी स्कूल, पेछरपार एलपी स्कूल, टुकुरबाजार एलपी स्कूल, लामरगांव एलपी, खासिया बस्ती एलपी स्कूल और बरीग्राम शिशु विद्यापीठ किताबें, खेल सामग्री का वितरण किया।

पुलिस ने अवैध लकड़ी ले जा रहे ट्रक को माल के साथ किया जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक जब्त किया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि मेघालय से गुवाहाटी अवैध रूप से लकड़ी लेकर जा रहे ट्रक (एएस-28सी-9717) को जब्त किया गया। ट्रक में लाखों रुपए कीमत की लकड़ी बरामद की गयी है। पुलिस ने ट्रक और लकड़ी को वन विभाग को सौंप दिया है। इस संबंध में ट्रक के चालक अजीजुल सिकदार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि लकड़ी तस्कर की पहचान जियारुल अली के रूप में की गयी है। बताया जा रहा है कि ये चालक और तस्कर दोनों बरपेटा के रहने वाले हैं।

अवैध लालीगुड़ और चुलाई शराब के विरोध में उतरा असमिया युवा मंच

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर के विभिन्न हिस्सों में चुलाई शराब (देसी शराब) का निर्माण, भंडारण और आपूर्ति के विरोध में असमिया युवा मंच ने आवाज बुलंद की है। मंच का कहना है कि जिला उपायुक्त, अंचल अधिकारी और आबकारी विभाग को ज्ञापन प्रेषित करने के बावजूद स्थानीय लोगों और जातीय संगठनों को इसके विरुद्ध कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है। मंच ने विभागीय अधिकारियों पर इस अवैध कारोबार पर लगाम लगाने को लेकर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। असमिया युवा मंच की मांग है कि मनुष्यों के लिए हानिकारक अवैध लालीगुड़ (गीला गुड़) और अवैध चुलाई शराब को रोका जाए। संगठन ने कहा है कि गत 6 मार्च को असमिया युवा मंच ने इस संबंध में जिला उपायुक्त और आमगुड़ी राजस्व सर्कल अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा था।

नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते ट्रेनें रद्द

गुवाहाटी (हिंस)। उत्तर रेलवे के रसुइया और बनथरा स्टेशनों पर क्षमता वृद्धि के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग और अन्य अवसंरचनात्मक विकास कार्यों को ध्यान में रखते हुए कुछ ट्रेनों को रद्द या मार्ग परिवर्तन किया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बुधवार को बताया कि रद्द ट्रेन सेवाओं में ट्रेन संख्या 15909 (डिब्रुगढ़-लालगढ़

जंक्शन) अवध असम एक्सप्रेस 6 से 10 अप्रैल तक और ट्रेन संख्या 15910 (लालगढ़ जंक्शन- डिब्रुगढ़) अवध असम एक्सप्रेस 9 से 13 अप्रैल तक रद्द रहेगी। मार्ग परिवर्तन: 7 अप्रैल को प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 15654 (जम्मू तवी-गुवाहाटी) वाया सहारनपुर जंक्शन-मेरठ नगर जंक्शन- खुर्जा जंक्शन-कानपुर सेंट्रल- लखनऊ होकर चलेगी।

पृष्ठ एक का शेष

मालिक का टॉर्चर : 1000 ...

सदस्यीय समूह का हिस्सा थे, जो दो महीने पहले नौकरी की तलाश में बिचौलियों की मदद से बेंगलुरु गया था। बेंगलुरु पहुंचने के बाद उन्हें काम मिला लेकिन उनके नियोक्ता ने कथित तौर पर उन्हें दो महीने तक काम करने के बावजूद वेतन नहीं दिया। तीनों ने कहा कि जब उन्होंने वेतन मांगा तो उन्हें पीटा गया। भिखारी माझी ने बताया कि हम अपने परिवार चलाने के लिए पैसा कमाने की उम्मीद से बेंगलुरु गए थे। लेकिन जब भी हमने वेतन मांगा तो कंपनी के कर्मचारियों ने हमें बकाया भुगतान करने के बजाय हमारी पिटाई की। अब और यातना सहन नहीं कर पा रहे थे, इसलिए हम वहां से चले आए। पडल ने कहा कि बेंगलुरू से पैदल कोरापुट पहुंचने पर तीनों प्रवासी श्रमिकों की स्थिति दयनीय थी। हमने उन्हें भोजन दिया, कुछ पैसे एकत्र किए और कुछ लोगों की मदद से उन्हें घर भेज दिया। पिछड़े केबीके (कोरापुट-बोलंगीर-कालाहांडी) से संबंधित रखने वाले कांग्रेस के विधायक संतोष सिंह सलूजा ने कहा कि यह घटना क्षेत्र के प्रवासी श्रमिकों की स्थिति को दर्शाती है। ओडिशा में नवीन पटनायक सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बीजू जनता दल (बीजद) ने 23 साल सत्ता में रहने के बाद भी लोगों को निराश किया है। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सरत पटनायक ने कहा कि सरकार गरीब लोगों की चिंता करने के बजाय निवेश लाने के नाम पर नौकरशाहों और नेताओं की जापान यात्रा के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। मुख्यमंत्री जापान के दौरे पर हैं। ओडिशा के श्रम मंत्री श्रीकांत साहू और श्रम आयुक्त एन थिरुमाला नाइक ने इस मुद्दे पर कोई फोन कॉल या संदेशों का जवाब नहीं दिया।

हनुमान जयंती पर...

रुख अपनाया है। कोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार से पूछा कि हनुमान जयंती को देखते हुए राज्य में शांति सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को हनुमान जयंती के मौके पर शांति बनाए रखने में पुलिस की सहायता के लिए केंद्रीय बलों की मांग करने का निर्देश दिया है। बता दें कि हाईकोर्ट ने मंगलवार को राज्य सरकार को रामनवमी के जुलूस के दौरान हुई हिंसा को लेकर रिपोर्ट मांगी थी। हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवज्ञानम और हिरणमय भट्टाचार्य की पीठ ने राज्य सरकार को इस संबंध में एक पूरक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया, जिसमें रिसड़ा में हिंसा के कारणों के बारे में जानकारी मांगी गई थी।

केजरीवाल के असम...

की सदस्यता दिलाई गई। भाजपा में शामिल होने के बाद इन नेताओं ने मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा और भवेश कलिता की जमकर तारीफ की। इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष कलिता ने अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री हिमंत को बाबू कहकर संबोधित करने नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को माननीय मुख्यमंत्री कहना चाहिए था, लेकिन उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि किसको कैसे संबोधित करना है, उन्हें थोड़ा अध्ययन करके असम आना चाहिए था। इस बीच भवेश कलिता ने पंजाब के मुख्यमंत्री को मदाही कहते हुए संबोधित किया।

लोगों को यह ...

का अभाव है, वहीं विशेषज्ञों ने इसे *ब्रेन फॉग* की संज्ञा दी है। अनुसंधानकर्ताओं ने पहले से डिमेंशिया से जूझ रहे 14 रोगियों में संज्ञानात्मक विकास पर कोविड-19 के प्रभावों का अन्वेषण किया जिन्हें सार्स-सीओवी-2 के संक्रमण के बाद सोच-समझ संबंधी समस्या और बढ़ गई थी। इन रोगियों में चार अल्जाइमर्स रोग, पांच वस्क्युलर डिमेंशिया, तीन पार्किंसन से ग्रस्त थे और दो रोगी फ्रंटोटेंपोरल डिमेंशिया की वजह से व्यवहार में बदलाव के शिकार थे। इन प्रतिभागियों का चयन कुल 550 डिमेंशिया रोगियों में से किया गया जिन्होंने मई 2013 से सितंबर 2022 के बीच पश्चिम बंगाल में बर्द्धमान मेडिकल कॉलेज अस्पताल, बांगड़ इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेस और निजी क्लीनिक में इलाज कराया। उन्होंने कहा कि रोगियों में समस्या तेजी से बिगड़ने का पता चला। मुख्य अध्ययनकर्ता और बांगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेस के सौविक दुबे ने कहा कि ब्रेन फॉग एक अस्पष्ट शब्द है जिसमें कोविड-19 के बाद विभिन्न संज्ञानात्मक आयाम को लेकर कोई विशेष कारक स्पष्ट नहीं किया गया है।

सीलबंद लिफाफे में ...

में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट दायर करना न्याय और उसके सिद्धांतों के खिलाफ है। एक मजबूत लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र प्रेस जरूरी है। याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला हवा में नहीं दिया जा सकता है। इसके पीछे ठोस कारण होने चाहिए। कोर्ट ने कहा कि सरकार मीडिया की की इन्वेस्टिगेटिंग रिपोर्ट के खिलाफ पूरी तरह से छूट का दावा नहीं कर सकती है, जबकि ऐसी रिपोर्ट लोगों और संस्थाओं के अधिकारों से जुड़ा हो। लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं उठाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने चैनल की याचिका पर अपना अंतरिम फैसला सुनाते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को चार सप्ताह के भीतर लाइसेंस रिन्यू करने का आदेश दिया है।

असम समझौते पर ...

अध्यक्ष भी था। जब मैं कांग्रेस में था, तो मैंने कांग्रेस को किसी भी बैठक में असम समझौते पर चर्चा करते नहीं देखा था। सीएए आंदोलन से ही कांग्रेस ने असम समझौते के नाम पर फायदा उठाने की कोशिश की है। इसके बाद विपक्षी कांग्रेस के विधायक नाराज हो गए और आखिरकार विरोध में प्रश्नकाल के दौरान सदन से बाहर चले गए। इस प्रकार आज सदन में असम समझौते को लेकर फिर से एक बार जमकर हंगामा हुआ।

राष्ट्रपति मुर्मू ने ...

उन्हें *ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन* (ओआरएस) पर किए गए कार्य के लिए वैश्विक स्तर पर पहचान मिली थी। यादव के बेटे एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि महालनाबिस का पुरस्कार उनके भतीजे ने प्राप्त किया। फिल्म *आरआरआर* के गीत *नाटू नाटू* के लिए भारत का पहला ऑस्कर जीतने वाले संगीत निर्देशक एम.एम. कीरावानी और बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन को पद्मश्री दिया गया। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और कई केंद्रीय मंत्रियों समेत अन्य अतिथि उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने इस वर्ष के गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 106 पद्म पुरस्कार दिए जाने को मंजूरी दी थी। बुधवार को कुल 53 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिनमें तीन पद्म विभूषण, पांच पद्म भूषण और 45 पद्म श्री शामिल रहे। अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों को 22 मार्च को पद्म पुरस्कार दिए गए थे।

एनसीईआरटी ने किताबों ...

विपक्षों दलों ने एनसीईआरटी के नए सिलेबस से गायब हुए पाठों को लेकर नाराजगी जताई है। सभी दलों ने इसको लेकर मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पिछले साल भी एनसीईआरटी ने अपने सिलेबस से कुछ अंशो को अप्रसांगिक बताकर हटा दिया था। जिसमें गुजरात दंगे, मुगल दरबार, नक्सल आंदोलन आदि चीजें शामिल थी। मामले पर सफाई देते हुए एनसीईआरटी के डायरेक्टर दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि सिलेबस को तर्कसंगत बनाने की कवायद बीते साल की गई थी। इस साल कुछ नया नहीं किया गया है। वहीं उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के कारण बीते साल छात्रों पर काफी दबाव था। जिसके बाद क्लास 6 से 12 तक कि किताबों की विशेषज्ञ समितियों ने जांच की और अनुरोध किया कि इन चीजों को सिलेबस से हटा दिया जाए। इन हटाए गए अंशों से छात्रों के ज्ञान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। और एक तरह से छात्रों से बेवजह का बोझ हट जाएगा। सकलानी ने कहा ये बेकार की बहस है। जिसको किसी भी प्रकार की शंका टेक्स्टबुक्स देख सकते हैं। वहीं एनसीईआरटी ने अपनी वेबसाइट पर एक नोट में लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण छात्रों से सिलेबस का बोझ करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहस इस फैसले को अमल में लिया गया है।

किताबों में बदलाव ...

पर निशाना साधा है। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर किताबों से मुगल इतिहास को मिटाने का आरोप लगाया है। साथ में बच्चों को नफरत सिखाने का आरोप भी लगाया है। वहीं उन्होंने किताबों से 2002 के गुजरात दंगों के बारे में जानकारी हटाने पर भी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इन चीजों के बारे में पढ़ाई करके बच्चे अपने बड़ों की गलती से सीख सकते थे। ओवैसी ने आरोप लगाया कि महात्म गांधी को गोडसे ने इसलिए मारा क्योंकि वो हिंदू मुस्लिम एकता के कायल थे, आरएसएस पर बैन और लोकतंत्र जैसे मामलों पर भाजपा सरकार ने किताबों से बहुत कुछ निकाल दिया। इसके जरिए भाजपा बच्चों को नफरत सिखा रही है। इसी के साथ उन्होंने आने वाले समय में गोडसे को सही ठहराने की बात भी की है। उनके मुताबिक वो दिन दूर नहीं जब किताबों में गोडसे को सही ठहराया जाएगा और कहा जाएगा कि हमें दोनों पक्षों को सुनना चाहिए। उन्होंने ट्वीट करते हुए गोडसे और सावरकर को दोस्त भी बताया। बता दें, पिछले साल जून में एनसीईआरटी की किताबों में कई बदलाव किए गए थे। मकसद था छात्रों के पढ़ाई के बोझ को कम करना। इसके लिए कक्षा 6से 12वीं तक के बच्चों के सिलेबस से कई चीजें हटा दी गई थीं। इनमें 2002 के गुजरात दंगे, कोल्ड वॉर, मुगल कोर्ट, औद्योगिक क्रांति शामल है। इसके अलाा कक्षा 7वीं के सिलेबस से दलित लेखकों को भी हटा दिया गया था।

जासूसी गुब्बारे ने जुटाई...

बीजिंग वापस भेजने में सक्षम हो गया। एनबीसी ने दो वर्तमान वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि बीजिंग द्वारा नियंत्रित उच्च ऊंचाई वाला गुब्बारा 4 फरवरी को गिराए जाने से पहले कुछ साइटों के ऊपर से कई पास बनाने में सक्षम हो गया। एनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, तीनों अधिकारियों ने कहा कि यह एकत्र की गई जानकारी को वास्तविक समय में वापस बीजिंग भेज सकता है। एनबीसी ने अधिकारियों के हवाले से कहा कि चीन ने जो खुफिया जानकारी एकत्र की, वह ज्यादातर इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल से थी, जिसे हथियार प्रणालियों से उठाया जा सकता है या बेस कर्मियों से संचार शामिल किया जा सकता है। चीन के लगातार दूसरे देशों में स्पाई बैलून भेजे जाने की खबर आती रही है। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार जासूसी बैलून कई वर्षों से चीन के दक्षिण तट से आंशिक रूप से हैनान प्रांत से संचालित होता रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन के लिए उभरते रणनीतिक हित के लिए इसने जापान, भारत, वियतनाम, ताइवान और फिलीपींस के क्षेत्रों में सैन्य क्षमताओं के बारे में जानकारी एकत्र की है।

कांग्रेस अब भी ...

विपक्ष के नेता रह चुके आजाद ने कहा कि वह जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, संजय गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी का काफी सम्मान करते हैं, लेकिन स्वीकार किया कि राहुल गांधी के साथ उनके राजनीतिक मतभेद हैं। डेमोक्रेटिक प्रोगेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) प्रमुख आजाद ने कहा कि ... एक व्यक्ति के तौर पर, मैं यह नहीं कह रहा कि राहुल गांधी एक खराब व्यक्ति हैं। व्यक्ति के तौर पर वह एक अच्छे इंसान हैं। हमारे कुछ राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन वे राजनीतिक मुद्दे हैं, जो मेरे कांग्रेस में रहने के समय उनके साथ थे। उन्होंने कहा कि चूंकि अब मैं कांग्रेस में नहीं हूं, इसलिए उनके लिए सही और गलत क्या है उस बारे में कहने का मुझे कोई अधिकार नहीं है। आजाद ने कहा कि मैं सिर्फ उनके अच्छे स्वास्थ्य और उनके राजनीतिक रूप से सफल होने की कामना कर सकता हूं। आगे कैसे बढ़ना है यह उन पर निर्भर करता है। वह एक अच्छे तैराक हैं और वह जानते हैं कि विषम परिस्थितयों से कैसे बाहर निकलना है। राजनीति, मुश्किल हालात से गुजरने की एक कला है। यहां तक कि अच्छे से अच्छे कैप्टन के पास भी यदि अनुभव नहीं है...तो वह पूरा जहाज डूबा सकता है। उन्होंने कहा कि भले ही अभी राहुल गांधी के पास कोई पद नहीं हो, लेकिन हर कोई जानता है कि वह जहाज (कांग्रेस) के कैप्टन हैं। उन्होंने कहा कि ...प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि पार्टी में फैसले कौन ले रहा है। उन्होंने कहा कि यदि कल (कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे) जी बेंगलुरु में सीडब्ल्यूसी(कांग्रेस कार्य समिति) की बैठक करना चाहेंगे, तो कोई नहीं जाएगा...इसलिए मैं सिर्फ यह कामना करता हूं कि राहुल गांधी जहाज(पार्टी) का परिचालन करें। अपनी पुस्तक में उन्होंने ऐसे कई दृष्टांतों को रेखांकित किया है, जिनमें राहुल के साथ उनके मतभेद रहे थे, विशेष रूप से अगस्त 2020 में कांग्रेस के 23 नेताओं द्वारा पार्टी की तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखे जाने के बाद। आजाद ने कहा कि मुझे अब भी हैरानगी होती है कि यदि हम भाजपा समर्थक होते, तो हम संगठन को मजबूत करने की सलाह क्यों देते। उन्होंने कहा कि संगठन (कांग्रेस) को मजबूत करने के लिए एक पत्र लिखने की मुझे भारी कीमत चुकानी पड़ी। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी के नेतृत्व ने कांग्रेस के सलाहकारी तंत्र को न केवल पूरी तरह से नष्ट करने में भूमिका अदा की बल्कि इसने पार्टी का कामकाज संभालने के लिए अनुभवहीन चापलूसों की एक नई मंडली को भी बढ़ावा दिया।

रास में चर्चा के ...

संसद के किसी सदस्य के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक विशेषाधिकार से समझौता होगा और लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास में बाधा आएगी। इसी बीच राज्यसभा में आज सभापति जगदीप धनखड़ सदन के कामकाज का संचालन करने के लिए डिजिटल हो गए। पहली बार चेयर ने पूरी तरह से पेपरलेस होकर एक नई परंपरा की स्थापना की। सभापति ने टेबलेट का इस्तेमाल कर सदन की कार्यवाही संचालित की। उन्होंने इसी का उपयोग कर एक व्यवस्था के प्रश्न पर अपना निर्णय भी सुनाया। उधर, आज लोकसभा में आज हंगामे के बीच तटीय जलीय प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक, 2023 लोकसभा में पेश किया गया। काले कपड़ों में विपक्ष का जेपीसी की मांग को लेकर हंगामा जारी रहा। इसके चलते 2 बजे दोबारा शुरू हुई लोकसभा की कार्यवाही कुछ ही मिनटों में दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही भी ज्यादा समय नहीं चली और दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

चार साल बाद...

पुलिस को जो शव चार साल पहले बरामद हुआ था वो एक महिला का था। महिला 64 साल की थी, जिसकी पहचान शांति शॉ के रूप के हुई है। पुलिस को ये शव 19 जून 2019 को मंदिर की सीढ़ियों पर कंबल से ढका मिला था। जानकारी के मुताबिक साल 2019 में महिला की हत्या कर दी गई थी और बाद में उसका सिर कलम कर दिया गया था। पुलिस ने इस मामले में स्वत: संज्ञान लेकर मामले की जांच शुरू की थी। इस घटना को 12 लोगों ने मिलकर अंजाम दिया था, जिसमें से अब 5 लोगों को पुलिस ने धर दबोचा है। पुलिस बाकी 7 लोगों की तलाश में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया है उन्होंने ने ही महिला की हत्या की योजना बनाई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि इस हत्याकांड के मास्टरमाइंट ने अपने भाई की आत्मा की शांति के लिए इस वारदात को अंजाम दिया। उसकी पहचान 52 साल के प्रदीप पाठक के रूप में हुई है। उसने अपने भाई की पुण्यतिथि पर महिला की हत्या की। उसका मानना था कि ऐसा करने से उसके भाई की आत्मा को शांति मलेगी। पुलिस ने फिलहाल जिन 5 लोगों को गिरफ्तार किया है उनमें पाठक भी शामिल है। इन सभी को 25 मार्च से एक अप्रैल के बीच में गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक महिला के शव की पहचान जनवरी में ही हुई थी।

चेन्नई में मंदिर ...

कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी, इसी बीच पांच बच्चे परिसर में स्थित टैंक में डूब गए। बता दें कि दो दिन पहले राजस्थान के चूरू में भी एक दर्दनाक घटना सामने आई थी। जहां, सरदारशहर थाना इलाके में एक मां ने अपने दो बच्चों को पानी से भरे कुंड में धक्का देकर मार डाला। इनमें एक तीन साल की लड़की जबकी दूसरा उसका सात महीने का भाई शामिल रहा। पानी में डूबने की वजह से दोनों की मौत हो गई। इस घटना से पहले हरियाणा के गुरुग्राम में स्थित एक फार्महाउस में दोस्तों के साथ पार्टी करने गए एक युवक की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गई थी। युवक के साथ उसके दोस्त भी जो पार्टी करने के लिए फार्महाउस गए हुए थे। घटना के बाद दोस्तों ने कहा कि जब वो स्विमिंग पूल में आराम कर रहे थे तो उन्हें आसपास ईशान नजर नहीं आया। इसके बाद उन्होंने पूल में आसपास देखा तो ईशान का शव पानी में तैर रहा था। आनन-फानन में दोस्त ईशान को लेकर अस्पताल पहुंचे थे लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत हो गई थी।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

माया चाल कुचाल है, रूप अनेक प्रकार।
भक्त सोय व्यापे नहीं, पूरण कला सम्हार॥ 17॥

शब्दार्थ : (व्यापो) प्रभाव (पूरण कला) पूर्ण योग-विधान, सद्गुरुयुक्ति (सम्हार) रोक।

भाष्य : माया की चाल उलटी आत्मा-विरुद्ध है एवं उसके अनेक प्रकार के स्वरूप बनते हैं। प्रभु-भक्त योग-विधान द्वारा अपने को संभाल कर चतेन शब्दाधार पर स्थित रहता है इसलिए इस माया का प्रभाव उस पर नहीं पड़ता।

माया गति निज चाल में, भक्त चाल निज चाल।
फिर पीछे दासी बने, माया बड़ी बेहाल॥ 18॥

शब्दार्थ : (दासी) सेविका (बेहाल) अचेत, निर्बल।

भाष्य : माया अपनी चाल से चलती है और भक्त अपनी चाल से चलता है। आगे चलकर माया निर्बल हो कर भक्त की दासी बन जाती है। आत्मा की विज्ञानावस्था में जब वह अपने शब्दस्वरूप में आकर प्रकृति के बंधन से मुक्त हो कर परमानंद को प्राप्त कर लेता है, तब वह जीवन्मुक्त योगी, माया को अपने अनुकूल रख, उससे जगत के कल्याण करता है और माया उसके वशीभूत हो कर रहती है।

पूर्वज्योति कृषि पाम निगम के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

बिश्वनाथ (हिंस)। शहीद कनकलता बरुवा के नाम पर राज्य विश्वविद्यालय का काम सितंबर-अक्तूबर से गहपुर में शुरू होगा। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा ने गहपुर में इसकी घोषणा की। मुख्यमंत्री पूर्वज्योति कृषि पाम निगम के गौरवशाली 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित स्वर्ण जयंती महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। असम कृषि पाम निगम कानून के तहत गहपुर में 17 जनवरी, 1973 में स्थापित किया गया था। पूर्बज्योति खेल संघ के बिष्णु

बोरा मैदान पर तीन दिवसीय कार्यक्रमों का शुभारंभ मंगलवार से शुरू हुआ था। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा ने स्थानीय विधानसभा क्षेत्र में शुरू हुए विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में बताया। इस समारोह में असम सरकार के पूर्व मंत्री और बिहाली के विधायक रंजीत दत्ता, गहपुर के विधायक उत्पल बोरा, शोणितपुर जिला उपायुक्त देब कुमार मिश्रा समेत अन्य कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्बज्योति कृषि पाम निगम के छात्र कुकिल सैकिया ने अपने हाथ से बनाए एक चित्र को मुख्यमंत्री को भेंट किया। मुख्यमंत्री ने पूर्वज्योति कृषि पाम निगम के मैदान के विकास के लिए दो करोड़ रुपए देने की भी घोषणा की और पूर्बज्योति कृषि फार्म के जरूरतमंद लोगों को जमीन का पट्टा देने का भी आश्वासन दिया।

पश्चिम नगांव के आठ तिवा परिवारों के 45 सदस्यों ने फिर अपनाया हिंदू धर्म

मोरीगांव (हिंस)। तिवा जनजाति लोगों के अस्तित्व और धर्म-संस्कृति पर ईसाई धर्म के कुत्सित प्रयास राज्य में गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। ईसाई मिशनरी दुष्चक्र और लालच देकर जनजाति समाज को मतांतरित करवाने लगी रहती है। इसके प्रभाव को कम करने के लिए क्षेत्र के जनजाति के लोगों की घर वापसी भी करवाई जा रही है। इसी क्रम में ईसाई धर्म अपनाने वाले जागीरोड पश्चिम नगांव के आठ परिवारों के करीब 45 सदस्यों को बुधवार को तिवा जनजाति के धार्मिक परंपराओं के जरिए हिंदू धर्म में वापसी करायी गयी। इसके लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। ईसाई मिशनरी के दुष्चक्र के खिलाफ आदिवासी धर्म सुरक्षा समिति ने सख्ती

बरतना और तिवा जनजाति को जागरूक करने का कार्य आरंभ किया है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन पश्चिम नगांव में आदिवासी धर्म सुरक्षा समिति ने इन तिवा लोगों के अनुष्ठानों, धार्मिक परंपराओं और पूजा-पाठ के माध्यम से जागीरोड पश्चिम नगांव के आठ परिवारों के करीब 45 सदस्यों को हिंदू धर्म में वापस लाया गया। इस अवसर पर तिवा स्वायत्तशासी परिषद के सदस्य खगेन दास, असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका के निजी सहायक अपूर्व डेका समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

ग्वालपाड़ा में दो हादसों में चार की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिलांतर्गत दुधनोई में बुधवार को हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वह रेलवे का कर्मचारी था। इससे पहले आज तड़के हुए एक अन्य सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में एक किशोर और एक महिला गंभीर रूप से घायल भी हो गए। स्थानीय पुलिस के मुताबिक दुधनोई रेलवे स्टेशन पर कार्यरत दीपांकर ग्वाला की आज तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। रेलवे पुलिस की सूचना पर दुधनोई पुलिस मौके पर पहुंची और रेलवे पुलिस की मदद से शव को बरामद कर दुधनोई थाने ले आई। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए शव को जिला सदर अस्पताल भिजवाया गया।

एसएसबी ने लेवरा डॉग गिनी को दी सम्मानजनक सेवानिवृत विदाई

कोकराझार (हिंस)। कोकराझार जिला के रानीगुली में स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 6वीं वाहिनी के कार्यवाहक कमांडेंट लोकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में आज वाहिनी मुख्यालय के एक लेवरा डॉग को सम्मानजनक सेवानिवृत्त किया गया। उपस्थित वाहिनी के कमांडेंट (पशु चिकित्सा अधिकारी) डॉ. ई चौबा सिंह ने लेवरा डॉग गिनी के जीवनी के बारे में बताते हुए कहा कि गिनी एक कुत्ते के रूप में जन्म लिया और एक सैनिक के रूप में सेवानिवृत हुई। गिनी का जन्म 10 जनवरी 2015 को हुआ और इसे गिनी नाम दिया गया। 10 अगस्त 2015 को इसे प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण केंद्र डेरा अलबर राजस्थान भेजा गया। वहां इसे विस्फोटक सामग्री पहचान हेतू प्रशिक्षण देकर तैयार किया गया। 31 जनवरी, 2016 से आज तक एसएसबी की छठीं वाहिनी में अपनी निष्ठापूर्वक सेवा देती आई।

सम्मेलन व मंच के पदाधिकारियों ने की राज्यपाल से मुलाकात

होजाई (निसं)। असम के महामहिम राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से बुधवार को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन एवम् पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, महामंत्री विनोद लोहिया, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, महामंत्री सुभाष सुराना, भाजपा के प्रांतीय कार्य समिति सदस्य रामप्रसाद शर्मा ने महामहिम से मिलकर उनका अभिनंदन चुनरी, फुलाम गमछा, भारत माता के चित्र को भेंट कर किया। आगामी 9 अप्रैल रविवार को प्रात 9.30 बजे से फैंसी बाजार स्तिथ महावीर स्थल में सम्मेलन एवम् मंच की और से महामहिम राज्यपाल का नागरिक अभिनंदन तथा मंच एवम् सम्मेलन के प्रांतीय पदाधिकारियों, समिति, कार्यकारिणी का शपथ विधि समारोह आयोजित किया गया है। महामहिम ने निमंत्रण स्वीकार कर कार्यक्रम में पधारने की स्वीकृति दी है। कैलाश काबरा एवम् पंकज जालान ने बताया की वह संपूर्ण समाज को आमंत्रित करते हैं की वह इस कार्यक्रम में उपस्थित रहकर समाज की और से महामहिम के अभिनंदन कार्यक्रम एवम् शपथ विधि समारोह को आशीर्वाद प्रदान करें। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी सैंकी अग्रवाल ने दी।

धुबड़ी में बस से लाई जा रही ब्रॉयलर मुर्गियां जब्त, तीन गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। राज्य में दूसरे राज्यों से लाई जाने वाली ब्रॉयलर मुर्गियों पर रोक लगाये जाने के बावजूद तस्कर गिरोह नए-नए तरीकों का इस्तेमाल कर मुर्गियों को लाने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में बस के द्वारा मुर्गियों की आपूर्ति का मामला सामने आया है। गोलकगंज पुलिस ने मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात को बस के जरिए लाई जा रही ब्रॉयलर मुर्गी को जब्त किया। धुबड़ी के नंदनिपारा में राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर अभियान चलाते हुए बस से बड़ी मात्रा में ब्रायलर मुर्गियां बरामद की गईं। सूत्रों ने बताया कि अंतरराज्यीय यात्री बस (एएस-01एलसी-9900) गुवाहाटी जा रही थी। ब्रॉयलर मुर्गियों को बोरियों में भरकर बस के ऊपर और बस की डिग्गी में डालकर ले जाया जा रहा था। घटना के संबंध में चालक, खलासी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बस को भी जब्त किया है।

सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका की प्रतिमा की चार दीवारी का निर्माण-कार्य संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चाराली में रेलवे गेट पर सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका की प्रतिमा के चार दीवारी का निर्माण कार्य आज पूरा हो गया। विश्वनाथ विधायक प्रमोद बारठाकुर के फंड से बना यह निर्मित प्रतिमा के किनारे पक्का दीवार का निर्माण कार्य विश्वनाथ विकास कर्तृपक्ष द्वारा संपादित किया गया है। प्रतिमा का अनावरण विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष व प्रमुख समाजसेवी मोहन महंत ने किया। कार्यक्रम का संचालन उत्तर चाराली सम्मिलित मंच के सहायक सचिव पुलक हजारिका द्वारा हुआ जिसमें मंच के कार्यकारी अध्यक्ष निरंजन हाजरिका ने विकास कर्तृपक्ष के इस तरह के सहयोगिता के विशेष धन्यवाद दिया और आगामी दिन में भी मंच और भी विकासमूलक कामों में महत्व देगा बोलकर अपना वक्तव्य दिया। बाल कलाकार ज्योतिष्मान बोरा और दिलीप पोरेल ने डॉ. भूपेन हजारिका के गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विकास प्राधिकरण के इंजीनियर कोसेश्वर बोरा, अरिजीत दास, उत्तर चारली सम्मिलित मंच के महासचिव बसंत बोरा, सचिव भास्कर ज्योति बोरा, सहायक सचिव बिचित्र भुइयां, रेल गेट युवक संघ के अध्यक्ष महेश हजारिका, सचिव निपेन दाधारा, शिक्षक टिकेंद्र जीत बोरा, बापन विश्वास उपस्थित थे।

हनुमान जन्मोत्सव पर होजाई में निकली भव्य कलश यात्रा

होजाई (होसं)। हनुमान जयंती के मौके पर आज होजाई जिले में हिंदीभाषी समाज की ओर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान शहर के बीचोंबीच स्थित शंकर पट्टी, पंचमुखी हनुमान मंदिर से जल भरकर सैकड़ों महिलाओं ने यात्रा में शामिल हुई। सिके अलावा पुरुष व बच्चे भी कलश यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लिया। हनुमान जयंती महोत्सव समिति के बैनर तले निकाली गई इस यात्रा में कई कार्यक्रमों का आयोजन किए गए। जिसमें भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, हनुमान की सुंदर झांकी की प्रस्तुत दी गई। जुलूस में वानर सैना के साथ आगे-आगे जय श्री राम के नारे लगाते रहे। वहीं होजाई शहर के हनुमान भक्तों ने बड़े हनुमान जी को नमस्कार कर जयकारा लगाया। जातीय संगठन सर्व हिंदुस्तानी परिषद ने भक्तों के बीच शर्बत से उनका स्वागत किया। परिषद द्वारा आयोजित शर्बत कार्यक्रम को होजाईवासियों निवासियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में परिषद के राज्यस्तरीय अध्यक्ष राज गुप्ता, जिला सचिव दिनेश कुमार गुप्ता, बिजय शंकर चौहान, राजकिशोर भगत, समाजसेवी विंदा प्रशाद गुप्ता, समाजसेवी शिव नारायण गुप्ता समाजसेवी श्याम देव हरिजन, विष्णु भगत आदि शामिल रहे।

सीआरपीएफ 175 बटालियन की डी कंपनी ने किया प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

अमिनगांव। गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं महानिदेशालय केरिपु बल, नई दिल्ली के दिशा निर्देश तथा रिजनल डायरेक्टरैटर आर्ट ऑफ लीविंग प्रशिक्षण, आसाम के सौजन्य से डी/175 बटा., केरिपु बल में 6 दिन के तनाव प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ अभयपुर, अमिनगांव, गुवाहाटी में पिंकी हजारिका, रिजनल डायरेक्टर व उनकी टीम द्वारा किया गया। 6 दिवसीय इस कार्यक्रम में जवानों को सिखाया जाएगा कि कठिन हालात व आज की लंबी ड्यूटी की वजह से तनाव को कैसे कम किया जाए व कैसे तनाव का प्रबंधन व्यायाम, प्राणायाम, मेडीटेशन के माध्यम से किया जाए ताकि हम मानसिक व शारिरिक रुप से स्वस्थ रह सकें व हमारी सोच सकारात्मक रहे। पिंकी हजारिका ने अपने संबोधन में यह भी बताया कि उनकी आर्ट ऑफ लिविंग संस्था, न

केवल सीआरपीएफ में बल्कि अन्य पुलिस बलों, सिविल विभागों, संस्थानों में यह कार्यक्रम आयेजित कर लोगों को तनाव से मुक्ति व शारिरिक मानसिक स्वस्थता हेतु प्राशिक्षित कर लाभान्वित करती हैं। उन्होंने बताया कि यकीनन यह 6 दिवसीय कार्यक्रम इसमें भाग लेने वाले कार्मिकों की मानसिकता पर गहरा सकारात्मक प्रभाव लायेगा उन्होने 6 दिवसीय इस कार्यक्रम की रुपरेखा पर प्रकाश डालते हुए सभी को इसमें तत्परता से भाग लेने हेतु बताया। श्रीमति पिंकी हजारिका व उनकी टीम का श्री राजीव रंजन सिंह (सहा.कमा.) व निरीक्षक/जीडी राम कुमार, 175 बटालियन, केरिपु बल द्वारा आसामी परंपरा के अनुसार गमछा पहनाकर स्वागत व सम्मानित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डी/175 बटा. व एफ / 175 बटा. अभयपुर के करीब 80 कार्मिक भाग ले रहे हैं।

राजेंद्र चमड़िया प्रतिष्ठित क्षेत्रीय गोलियत अवॉर्ड से सम्मानित

गुवाहाटी (विभास)। स्टार सीमेंट के वाइस चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर राजेंद्र चमड़िया को प्रतिष्ठित क्षेत्रीय गोलियत अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। हालही में प्रतिष्ठि फोर्ब्स इंडिया (नेटवर्क 18 समूह का हिस्सा) द्वारा आयोजित फोर्ब्स इंडिया लीडरशिप अवॉर्ड्स, 2023 के दौरान प्रदान किया गया। अपनी इस

उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री चमड़िया ने कहा कि क्षेत्रीय गोलियत अवॉर्ड के रूप में यह यात्रा और सफलता परिवार, मेरे पार्टनर्स, मेरे स्टार सीमेंट परिवार, दोस्तों और सभी शुभचिंतकों के समर्थन के बिना संभव नहीं थी। हर एक ने स्टार सीमेंट को आज यहां तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और मैं सभी के समर्थन के लिए विनम्रतापूर्वक धन्यवाद देता हूं। फोर्ब्स इंडिया लीडरशिप अवॉर्ड 12 श्रेणियों में कॉर्पोरेट विशिष्टता और दूरदर्शिता को मान्यता देता है। अन्य विजेताओं में सुश्री ईशा अंबानी (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड), जेन नेक्स्ट एंटरप्रेन्योर, ए.एम नाइक (गैर कार्यकारी अध्यक्ष एलएंडटी), लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और सीके वेंकटरमन (एमडी और सीईओ, टाइटन) आदि शामिल थे।

(THE HIGH COURT OF ASSAM, NAGALAND, MIZORAM AND ARUNACHAL PRADESH)
No. HC. VIII-103/2021/1001-1004/AC

SHORT TENDER NOTICE

Sealed tenders are invited affixing Court Fee Stamp of Rs. 8.25 (Non-refundable) from accredited dealers/suppliers situated at Guwahati for supply of 2 (two) nos. of 20 KVA Online UPS to the Gauhati High Court with the specifications enclosed at **Annexure-A**

Terms and Conditions of Tender

1. The firm/supplier must be an authorized dealer of the OEM and submit a copy of the certificate for the process.
2. Rate quoted should be inclusive of GST.
3. Copies of GST registration certificate and PAN card must be submitted alongwith the tender.
4. Tenders once submitted will not be allowed to withdraw till finalization of the whole matter.
5. Technical and financial bids should be submitted separately.
6. Delivery Conditions:
   a. Quantity of order: - 2 (Two) nos.
   b. Place of delivery: - Gauhati High Court, Guwahati
   c. Contact Person: - Project Manager, Gauhati High Court at New Block.
7. The Registry in its discretion, reserves the right to accept or reject any or all the tenders, wholly or partly, without assigning any reason.
8. The decision of the Registrar General, Gauhati High Court, Guwahati in all respect shall be final and binding.
9. In case of any technical queries, the Project Manager, Gauhati High Court, may be contacted.

Quotations/tenders in sealed covers, complete in all respect should reach the undersigned on or before 12th April, 2023 during office hours.

Annexure - A

Rating	2 × 20 KVA
Technology	True On-Line Double Conversion Rack Mountable Online UPS suitable for 19U racks. DSP controlled with IGBT rectifier and Inverter. Both UPS should be Installed In parallel redundant technology with individual battery bank, such that both UPSs share the load equally and battery backup is provided from both banks In case of mains failure.
Physical	UPS should be able to be converted to both tower and rack mode. UPS cabinet should have Ingress protection of minimum IP-21 grade
Input Voltage	320VAC — 475VAC, 415V three phase 4 wire at 100% load
Input Power Factor	0.99
Input Frequency	40Hz2 — 70Hz (Auto sensing)
Power Walk-in	0 to 100% over 10 seconds
Output system	380/400/415 VAC Three Phase (Should be configurable to single phase also)
Output Voltage Regulation	±1%
Nominal Frequeny	50/60 Hz ± 0.05 Hz
Over Load Capacity	125% for 5 mins & 150% for 5 secs, then on bypass
Output Waveform	Pure Sinewave
Toal Harmonic Distortion	<3% at linear load, <5% at non-linear load
Efficienty (AC to AC)	96% on double conversion mode
Crest Factor	3.1
Transfer time	Utlity to battery : 0ms, Utility to bypass : 0ms
Battery Type	Sealsed Maintenance Free Lead Acid Batteries
Backup time	30 mins with 10000 VAH +/- 1% on each UPS. Bidder to mention the rating and no. of batteries offered to match the VAH.
	Batter make : Exide/Quanta/Panasonic only
	Suitable battery rack for housing of batteries needs to be provided
Protection	Short circuit, overheat, Low battery, Overload
Indicators / Display	User friendlyMimic panel, LCD Display for monitoring UPS status, Battery Level, Load Level, Fault Line, IP and OP Parameters
Operating temp	0 to 55 deg C
Acoustic Noise	< 60 DB at 1 meter distance
Communication Port	SNMP card with software for remote monitoring, fault alarms, event log and graceful shutdown of files in case of emergency.
OEM Certification	ISO 9001, ISO 14001, ISO 27001, ISO 45001, ISO 50001
	IEC 62040-1, IEC 62040-2, IEC 62040-3, IEC 62040-4
	RoHS, CE
Service Setup and Capabilities	OEM should have fully owned service centre/office in Assam for the last 5 years for prompt service support. Documentry evidence to be submitted.
Warranty	5 years on UPS and 2 years on battery

NB: The price of the battery and battery rack should be shown separately.

Administrative Officer (J)
Gauhat High Court
GUWAHATI

-- Janasanyog /C/411/ 23

No. EE/BCD(1)/NIT-1/2022-23/05

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing non-refundable court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only in prescribed form subsequently to be drawn in A.P.W.D. F2 form of Tender Agreement are hereby invited separately for each group from the bonafide registered contractors of Irrigation Department, Assam for the following works and will be received up to 2.00 PM on 18/04/2023 and will be opened at 3.00 PM in the same place and date by the undersigned or officers authorized to open in presence of the intending tenderers or their authorized agents who wish to be present.

In the event of closure of office on the date due to some reason, the next working day of office will be the date of receiving and opening of the tenders.

Name of work :-
1. M & R to Ajalasuti LIS (2 Pts) for the year 2022-23 for Rs. 7.00000 L
2. M & R to New Ghiladhari LIS (2 Pts) for the year 2022-23 for Rs. 7.50000 L
3. M & R to Kauribeel LIS for the year 2022-23 for Rs. 5.00000 L
4. M & R to Chalia Chapori Kawoimari LIS (Pt.No. 3) for the year 2022-23 for Rs. 9.14245 L

Approx value :- **28.64245 L**

Earnest money : 2% for General & 1% for ST/SC/OBC/MOBC

Details NIT particulars may be seen in the office of the Biswanath-Behali Division (Irrigation), Biswansth Chariali, on ali working days. Tender paper may be obtained on written request from the aforesaid office on payment of Rs. 100.00 (Rupees one hundred) only for E.E.'s Group as mentioned in the group list in the form of 1.P.0. only pledged to the Executive Engineer, Biswanath-Behall Division (Irrigation), Biswanath Chariali up to 1-00 PM on 18/04/2023

Tender paper must be filled up addressing to all points/terms specified with the tender form, otherwise tender will be treated as cancelled.

The undersigned reserves the right to accept or reject any or all of the tenders without assigning any reason thereof.

Executive Engineer,
Biswanath-Behat Division (Irrigation),
Biswanath Chariali

-- Janasanyog /C/376/23

रामलीला मैदान में फिर एक जुट हुए किसान और मजदूर

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में एक बार फिर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों के किसान और मजदूर इक्ट्ठा हुए हैं। किसान सभा सहित विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता बीते दिन दिल्ली पहुंच गए थे। वहीं इस महारैली में शामिल हो रहे संगठनों का कहना है कि भाजपा सरकार की ओर से मजदूरों के श्रम कानूनों को समाप्त कर चार श्रम संहिताएं बनाई गई हैं, जो कि पूर्ण रूप से पूंजीपतियों व मालिकों के पक्ष में हैं। इनका कहना है कि आज मजदूर वर्ग पर सरकार की ओर से लगातार हमला किया जा रहा है। जिस-ाका मजदूर वर्ग पूरी तरह से जवाब देगा। उन्होंने कहा कि ऐसी श्रम साहिताएं लागू की जा रही हैं जिसके अंतर्गत मजदूरों से कंपनी या कार्यस्थल पर 12 घंटे काम कराया जा सकता है। ऐसे में कार्यस्थल पर किसी मजदूर की मौत हो जाती है तो उसके मालिक की गिरफ्तारी नहीं की जा सकेगी। इस तरह के प्रवाधान पूरी तरह से गलत हैं। ये नियम कहीं से भी मजदूरों के पक्ष में नहीं हैं बल्कि मालिकों के पक्ष में है। संगठनों ने कहा कि भाजपा सरकार मजदूर और किसान विरोधी है। किसान नेताओं ने कहा किसान आंदोलन के बाद तय किया गया था कि एमएसपी पर कानून बनाया जाएगा, लेकिन अभी तक एमएसपी पर कानून नहीं बनाया गया है। जिस कारण किसानों को अपनी फसल का लागत मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही संयुक्त किसान मोर्चा की महारैली इस मैदान में आयोजित की गई थी, लेकिन बुधवार को रामलीला मैदान में मजदूर किसान संगठन रैली में बड़ी संख्या में देश के अलग-अलग राज्यों से किसान और मजदूर दिल्ली पहुंच चुके हैं। वहीं दिल्ली के रामलीला मैदान पहुंच रहे किसान और मजदूर की रैली को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की तरफ से कई रूटों को डायवर्ट किया गया है और ट्रैफिक एडवा-इजरी जारी की गई है। जिसमें कई रास्ते बंद किए गए हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार लोगों से यह भी अपील की गई है कि जो लोग पहाड़गंज चौक, केजी मार्ग, मिंटो रोड, बा-राखंबा और जनपद की तरफ जा रहे हैं, वो इस रास्ते पर जाने से बचे, क्योंकि यहां पर जाम की समस्या रह सकती है। साथ ही जेएलएन मार्ग कमला मार्केट, और हमदर्द चौक, भूमिगत मार्ग , महाराजा रणजीत सिंह मार्ग , और अजमेरी गेट, दिल्ली गेट की तरफ जाने वाले रास्तों पर भी पुलिस की तरफ से एडवाइजरी जारी की गई है। इसके साथ ही रामलीला मैदान के आसपास भारी संख्या में अर्धसैनिक बल, दिल्ली पुलिस के जवान और ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया है, ताकि लोगों को असुविधा ना हो।

प्रोजेक्ट टाइगर के 50 सालः 9 अप्रैल को मैसूर में तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जारी करेंगे सिक्का

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने पर केन्द्र सरकार 9 अप्रैल को मैसूर में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसमें शामिल होकर देश में बाघों की संख्या का ताजा आंकड़ा जारी करेंगे। इसके साथ ही प्रोजेक्ट को याद करते हुए एक सिक्का भी जारी किया जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक भारत में इस समय 3000 बाघ हैं, जो दुनिया में बाघों की आबादी का 70 फीसदी है। बाघों की ये आबादी हर साल 6 फीसदी की दर से बढ़ रही है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के सदस्य सचिव एसपी यादव ने बताया कि मौजूदा समय में बाघों की आबादी हर साल 6 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। प्रोजेक्ट टाइगर बाघों को विलुप्त होने के कगार से वापस लाने में सफल रहा है। एक अप्रैल 1973 में शुरू किए गए इस प्रोजेक्ट के तहत 18278 वर्ग किमी में फैले 9 टाइगर रिजर्व को शामिल किया गया था। इस दिशा में सार्थक सफलता हासिल हुई है। आज 50 साल बाद यह टाइगर रिजर्व की संख्या 53 हो गई है जो 75,500 वर्ग किमी में फैला हुआ है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय सभी संभावित बाघ आवासों को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के कवरेज के तहत ला रहा है ताकि बाघों की आबादी को स्थायी आधार पर संरक्षित किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट से विपक्ष को बड़ा झटका, केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग की याचिका पर सुनवाई से इनकार

अजय कुमार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच एजेंसियों ईडी और सीबीआई द्वारा विपक्ष के नेताओं की गिरफ़्तारी के मामले पर दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि वो ईडी और सीबीआई की गिरफ्तारियों और जमानत को लेकर सामान्य दिशा-निर्देश जारी नहीं कर सकता है। कोर्ट ने कहा वो किसी भी मामले के तथ्य के आधार पर दिशा-निर्देश जारी कर सकता है। बिना तथ्य को जाने कोर्ट दिशा-निर्देश कैसे जारी कर सकता है। 14 राजनीतिक दलों ने विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया था। याचिका दायर करने वाली पार्टियों में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, उद्धव ठाकरे गुट वाली शिवसेना, बीआरएस, जेडीयू, झारखंड मुक्ति मोर्चा, सीपीआई, सीपीएम, नेशनल कांफ्रेंस और समाजवादी पार्टी शामिल हैं। याचिका में ईडी और सीबीआई द्वारा गिरफ्तारियों और जमानत को लेकर दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि कहा कि लगातार विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। 95 फीसदी केस विपक्ष के नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किये जा रहे हैं।

मनी लांड्रिंग मामले में सिने तारिका जैकलीन फर्नांडीज पटियाला हाउस कोर्ट में पेश हुई

- ईडी 6 अप्रैल को पूरक चार्जशीट दाखिल करेगा, अगली सुनवाई 18 अप्रैल को

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ की मनी लांड्रिंग के मामले में आज फिल्म अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज पटियाला हाउस कोर्ट में पेश हुईं। ईडी ने बताया कि वो कल यानी 6 अप्रैल को पूरक चार्जशीट दाखिल करेगा। मामले की अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी। ईडी ने कहा कि वह मामले से जुड़ी फोरेंसिक रिपोर्ट जल्द ही कोर्ट में दाखिल करेगा। 23 मार्च को सुनवाई के दौरान कई आरोपितों की तरफ से कहा गया था कि अभी तक उनको फोरेंसिक रिपोर्ट नहीं मिली है। इस पर कोर्ट ने ईडी को अगली सुनवाई तक फोरेंसिक रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया था। 14 फरवरी को कोर्ट ने ईडी को निर्देश दिया था कि वो इस मामले में जांच के दौरान जब्त 26 गाड़ियों की नीलामी करे। बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने 13 जनवरी को और 3 जनवरी को बॉलीवुड एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने इस मामले में अपना बयान दर्ज कराया था। इस मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने चाहत खन्ना को गवाह बनाया है। आर्थिक अपराध शाखा के मुताबिक चाहत खन्ना तिहाड़ जेल में सुकेश चंद्रशेखर से मिलने जाती थी। चाहत खन्ना को सुकेश ने दो लाख रुपये और एक महंगी घड़ी दी थी। इस मामले में ईडी ने कोर्ट को बताया था कि सुकेश ने स्वीकार किया था कि 57 करोड़ रुपये अदिति सिंह से लिये लेकिन जांच में पाया गया कि उसने 80 करोड़ रुपये लिये थे। ईडी ने कहा था कि सुकेश ही इस मामले का मास्टरमाइंड है। इस मामले में उसने अदिति सिंह को पहला फोन लैंडलाइन से किया था। ईडी ने कहा कि सुकेश ने बताया कि इस पैसे से गाड़ी, लग्जरी आइटम और गिफ्ट खरीदे गए। कोर्ट ने 15 नवंबर, 2022 को जैकलीन को जमानत दी थी। 31 अगस्त, 2022 को कोर्ट ने जैकलीन फनार्डीज के खिलाफ दायर पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। 17 अगस्त, 2022 को ईडी ने पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। ईडी ने पू-रक चार्जशीट में जैकलीन को आरोपित बनाया है। ईडी अप्रैल में जैकलीन की सात करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुका है। ईडी की चार्जशीट के मुताबिक इस मामले के मुख्य आरोपित सुकेश चंद्रशेखर ने पांच करोड़ 71 लाख रुपये से ज्यादा के गिफ्ट दिए थे। सुकेश अपनी सहयोगी पिंकी ईरानी के जरिए जैकलीन को गिफ्ट पहुंचाने का काम करता था। इन गिफ्टों में 52 लाख रुपये का घोड़ा और 9 लाख रुपये की एक पारसी बिल्ली भी शामिल है। ईडी के मुताबिक सुकेश चंद्रशेखर ने जैकलीन के लिए उपहार खरीदने के लिए उस अवैध धन का इस्तेमाल किया, जो उसने शिवेंद्र सिंह की पत्नी अदिति सिंह समेत दूसरे हाई-प्रोफाइल लोगों से धोखाधड़ी कर वसूला था। ईडी के मुताबिक इस पूरे अपराध के लिए सुकेश ने ढांचा तैयार किया और अपराध को अंजाम दिया। दिल्ली पुलिस ने सुकेश चंद्रशेखर पर मकोका लगाया है।

हनुमान जयंती को लेकर केंद्र ने राज्यों को जारी की एडवाइजरी, बिगड़े न माहौल

नई दिल्ली, (हि. स.)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हनुमान जयंती से पहले बुधवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें गुरुवार को मनाई जाने वाली हनुमान जयंती में राज्यों को सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाले तत्वों पर निगरानी रखने को कहा गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार हनुमान जयंती की तैयारी को लेकर सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी की गई है। सरकारों को कानून और व्यवस्था बनाए रखने, त्योहार का शांतिपूर्ण पालन करने और समाज में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने वाले किसी भी कारक की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते रामनवमी के मौके पर बिहार, बंगाल और महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में हिंसा की घटनाएं सामने आई थीं।

राहुल गांधी लोकतंत्र के मंदिर को बाधित कर रहे हैंः भाजपा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भाजपा ने एक बार फिर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे संसद, लोकतंत्र के मंदिर को बाधित कर रहे हैं। बुधवार को केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि उस पार्टी के लिए कुछ लोग ह्यफर्स्ट क्लास सिटीजनह्न हैं और हम-आप थर्ड क्लास सिटीजन हैं। जिस कांग्रेस पार्टी ने पिछड़े वर्ग को कलंकित और अपमानित करने का काम किया है, सैनिकों की पिटाई हुई जैसा वक्तव्य दिया है, ऐसी कांग्रेस पार्टी की कोई विचारधारा नहीं बची है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर समय एक नए निचले स्तर पर जा रही है। वह 'राजनीतिक रूप से प्रासंगिक' बने रहने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उनकी यह स्वार्थी लड़ाई है और इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि किसी को संसद सदस्यता से अयोग्य घोषित किया गया है, लेकिन अयोग्यता पर अभी जो हंगामा किया जा रहा है, वह 'अद्वितीय' है। यह शर्मनाक है। राहुल गांधी देश की न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई जुलाई तक टली

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई जुलाई तक के लिये टाल दी है। आज सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस मामले पर अभी तक अपना रुख साफ नहीं किया है। कोर्ट ने 9 सितंबर, 2022 को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने जमीयत उलेमा ए हिंद की कानून के समर्थन में दाखिल याचिका पर भी नोटिस जारी किया था। 8 सितंबर को काशी नरेश विभूति नारायण सिंह की बेटी कुमारी कृष्ण प्रिया ने प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट को चुनौती देने वाली नयी याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि काशी रियासत के पूर्व शासक काशी में सभी मंदिरों के मुख्य संरक्षक थे, इसलिए काशी शाही परिवार की तरफ से उनके पास इस अधिनियम को चुनौती देने का अधिकार है। एक याचिका वकील करुणेश कुमार शुक्ला ने दायर की है। करुणेश कुमार शुक्ला अयोध्या के हनुमान गढ़ी मंदिर में पुजारी भी रह चुके हैं। करुणेश शुक्ला कृष्ण जन्मभूमि मामले में मुख्य याचिकाकर्ता हैं और उन्होंने राम जन्मभूमि मामले में भी मुख्य भूमिका निभा चुके हैं। करुणेश शुक्ला के पहले प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट को कई याचिकाकताओं ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। एक याचिका 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध लड़ने वाले रिटायर्ड कर्नल अनिल कबोत्रा ने दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध को अपने धार्मिक स्थलों पर पूजा करने से रोकता है।

इसके पहले मथुरा के धर्मगुरु देवकीनंदन ठाकुर ने भी याचिका दायर कर प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 को चुनौती दी है। 26 मई को वकील रुद्र विक्रम सिंह ने भी याचिका दायर कर कहा है कि 15 अगस्त 1947 की मनमानी कटऑफ तारीख तय कर अवैध निर्माण को वैधता दी गई। याचिका में कहा गया है प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट की धारा 2, 3 और 4 असंवैधानिक है। ये धाराएं संविधान की धारा 14, 15, 21, 25, 26 और 29 का उल्लंघन करती हैं। ये धाराएं धर्मनिरपेक्षता पर चोट पहुंचाती हैं, जो संविधान के प्रस्तावना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वाराणसी के स्वामी जितेंद्रानंद ने 25 मई को याचिका दायर कर इस एक्ट को चुनौती दी है। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा है स-रकार को किसी समुदाय से लगाव या द्वेष नहीं रखना चाहिए लेकिन उसने हिंदू, जैन, बौद्ध, सिख को अपना हक मांगने से रोकने का कानून बनाया है। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट को चुनौती देने वाली एक याचिका बीजेपी नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने भी दायर की है। 12 मार्च, 2021 को मामले में अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर नोटिस जारी हुआ था। याचिका में कहा गया है 1991 का प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट धार्मिक स्थलों की स्थिति 15 अगस्त, 1947 वाली बनाए रखने को कहता है। यह हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन समुदाय को अपने पवित्र स्थलों पर पूजा करने से रोकता है। इस एक्ट में अयोध्या को छोड़कर देश मे बाकी धार्मिक स्थलों का स्वरूप वैसा ही बनाए रखने का प्रावधान है, 15 अगस्त, 1947 को था। हिंदू पुजारियों के संगठन विश्व भद्र पुजारी महासंघ ने भी इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। विश्व भद्र पुजारी महासंघ की याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। विश्व भद्र पुजारी महासंघ की याचिका का विरोध करते हुए जमीयत-उलेमा-ए-हिंद ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। एक याचिका सुब्रमण्यम स्वामी ने भी दायर की है।

भाजपा ने जारी किया नया पोस्टर 'आप' के करप्ट 'चोर मचाएं शोर'

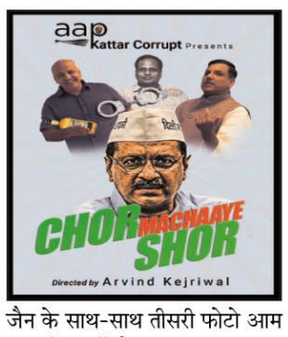

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी आप और भाजपा के बीच पोस्टर वॉर लगातार जारी है। भाजपा ने एक बार फिर आम आदमी पार्टी के खिलाफ पोस्टर जारी किया है। भाजपा ने मंगलवार को भी पोस्टर जारी कर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला था। अब फिर भाजपा ने आप के खिलाफ फिल्मी पोस्टर लगाए हैं। जिस पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बड़ी तस्वीर लगाई गई है। साथ ही बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा है चोर मचाए शोर। पोस्टर के बीच में अर-विंद केजरीवाल की तस्वीर है तो वही ऊपरी हिस्से में मनीष सिसोदिया, सतेंद्र जैन के साथ-साथ तीसरी फोटो आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की बनाई गई है। मनीष सिसोदिया और सतेंद्र जैन की तरफ इशारा करते हुए हथकड़ी की तस्वीर बनाई गई है, जिस पर यह दर्शाया गया है कि वह दोनों जेल में हैं। इसके अलावा मनीष सिसोदिया के हाथ में शराब की बोतल दिखाई गई है। पोस्टर के ऊपरी हिस्से में आप कट्टर करप्ट प्रेजेंट्स लिखा गया है, जबकि निचले हिस्से में डायरेक्टेड बाय अर-विंद केजरीवाल। यहां साफ तौर पर लिखा गया है कि आप कट्टर करप्ट प्रेजेंट्स, चोर मचाए शोर। इस पोस्टर को फिल्मी पोस्टर के रूप में पेश किया गया है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि देश के प्रधानमंत्री को एक ही दिन में बहुत सारे फैसले करने होते हैं। ऐसे में क्या भारत के प्रधानमंत्री को पढ़ा लिखा नहीं होना चाहिए।

दोहरे मानदंड अपना रही केंद्र सरकार : खड़गे

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को केंद्र सरकार पर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अयोग्य घोषित करने में सरकार ने जरा भी देरी नहीं की, जबकि एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराए गए गुजरात के एक स-ांसद पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। खड़गे ने कहा कि यह मोदी सरकार के पाखंड और दोहरे मापदंड की पर-ाकाष्ठा है। गुजरात के एक भाजपा स-ांसद को एक स्थानीय अदालत, सत्र न्यायालय और उच्च न्यायालय द्वारा तीन साल के कारावास की सजा दी गई है, लेकिन 16 दिनों तक उन्हें अयोग्य नहीं ठहराया गया। एक दलित डॉक्टर को मारने के केस में गुजरात के अमरेली से भाजपा सांसद नारनभाई भीखाभाई कच्छड़िया को एक अदालत ने तीन साल की सजा सुनाई थी। कछाड़िया की सजा को बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी थी। उल्लेखनीय है कि मोदी सरनेम प्र-करण में राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत ने दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई गई थी। इसके एक दिन बाद उनकी लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी गई।कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि गुजरात के सांसद को संसद में भाग लेने की अनुमति दी गई थी, लेकिन सच बोलने वाले व्यक्ति को संसद से बाहर रखा गया है।

तीर्थयात्रियों से भरी बस दिल्ली के रजोकरी में पलटी

नई दिल्ली, (हि.स.)। अजमेर से दिल्ली लौट रही एक प्राइवेट बस बुधवार सुबह यहां रजोकरी के पास पलट गई। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। इनमें से 2 यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। घटना सुबह 7:00 बजे की बताई जा रही है। दमकल विभाग के अतुल गर्ग ने बताया कि यह प्राइवेट बस अजमेर से दिल्ली लौट रही थी। अजमेर से आने वाले तीर्थयात्रियों ने इस बस को बुक किया था। बस में सभी तीर्थयात्री ही सवार थे। रजोकरी के पास आजकल ट्रैफिक डायवर्सन चल रहा है। यहां पहुंचने पर डायवर्सन के तहत बस मुड़ने के क्रम में अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में सवार एक महिला और एक बच्चा घायल हो गए। दोनों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बस में सवार अन्य यात्री सुरक्षित हैं। बस पलटने से इस मार्ग पर थोड़ी देर तक यातायात प्रभावित हुआ था लेकिन बाद में यातायात पुलिस ने बस को सड़क से हटा दिया। बस का चालक फरार है। दरअसल, बस में 50 यात्रियों के अलावा बड़ी संख्या में सौंफ के कट्टे रखे थे।

ओबीसी महासभा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भेजा लीगल नोटिस

- सात दिन में माफी नहीं मांगने पर दी मानहानि का केस करने की चेतावनी

ग्वालियर, (हि.स.)। मध्य प्रदेश की ओबीसी महासभा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को लीगल नोटिस भेजा है। नोटिस में राहुल गांधी के मुद्दे पर जेपी नड्डा ने ट्वीट में ओबीसी महासभा का अपमान किए जाने की बात कही है। इसी ट्वीट को आधार मानकर ओबीसी महासभा राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य की ओर से जेपी नड्डा को नोटिस भेजा गया है। दरअसल, बीते 24 मार्च को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किए एक ट्वीट में कहा गया था कि राहुल गांधी का अहंकार बहुत बड़ा और समझ बहुत छोटी है, अपने राजनीतिक लाभ के लिए उन्होंने पूरे ओबीसी समाज का अपमान किया, उन्हें चोर कहा। इस मामले पर ओबीसी महासभा की कोर कमेटी के सदस्य धर्मेंद्र कुशवाह की ओर से भाजपा अध्यक्ष नड्डा को भेजे गए नोटिस में कहा गया कि उन्होंने लगातार ओबीसी समाज की भावना को ठेस पहुंचाई है। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील वरुण ठाकुर ने बताया कि नोटिस में ये भी कहा गया है कि अगर 7 दिन के अन्दर नड्डा ओबीसी समाज से माफी नहीं मांगते हैं, तो उनके खिलाफ कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा। भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि ना तो गुजरात और न केंद्र स-रकार की सूची में ओबीसी वर्ग में मोदी सरनेम दर्ज है।

राहुल गांधी ने सिर्फ मोदी शब्द का इस्तेमाल किया है, न कि ओबीसी वर्ग का, इसलिए राहुल गांधी के मुद्दे पर ओबीसी विवाद में मोदी सरनेम के नाम पर ओबीसी वर्ग को नहीं घसीटा जाए। ओबीसी महासभा राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य धर्मेंद्र कुशवाह का कहना है कि मैं जेपी नड्डा से पूछना चाहता हूं कि केंद्र की ओबीसी की सूची में मोदी जाति का उल्लेख नहीं है। गुजरात में भी मोदी जाति का कोई उल्लेख नहीं है तो क्या कारण है कि आप ओबीसी को एक ढोलक की तरह हर तरफ से बजा रहे हैं। इसलिए हमने उनको नोटिस देकर कहा है कि अगर वह माफी नहीं मागेंगे, तो हम आगे केस फाइल करेंगे।

प्रथम वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन 20-21 अप्रैल को नई दिल्ली में होगा

आशीष वर्मा

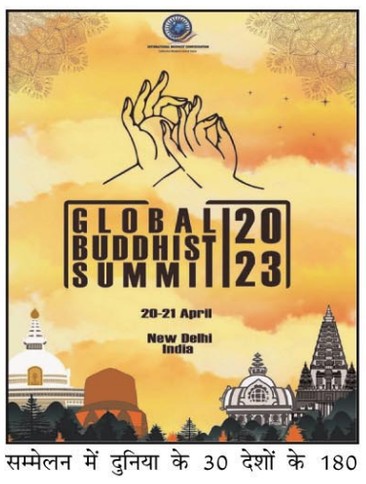

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) 20-21 अप्रैल को दिल्ली में प्रथम वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। इस बौद्ध सम्मेलन का उद्देश्य वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में मानवता के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों पर विचार करना और इसी परिप्रेक्ष्य में उसका समाधान तलाशना है। आईबीसी के महासचिव वेन. डॉ. धम्मपिया ने बताया कि बुद्ध की शिक्षा में समानांतर विश्व की कई समस्याओं का समाधान है। दिल्ली आधारित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ की कोशिश है कि बौद्ध समुदाय को एकजुट लाकर इन वैश्विक समस्याओं पर चिंतन किया जाए और एक सामूहिक प्रयास के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए। उन्होंने बताया कि 20 और 21 अप्रैल को दिल्ली के अशोका होटल में इस संबंध में विचार विमर्श किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया में दो चरम विचारों के बीच एक द्वंद है, जिसका समाधान बुद्ध के मध्यम मार्ग और संतुलन में हैं। यह चरम विचार एक तरफ मनुष्य को संघर्ष और दूसरी ओर भोग विलास की ओर आकर्षित करते हैं। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के महानिदेशक अभिजीत हलदर ने बताया कि वर्तमान में दुनिया युद्ध, हिंसा, प्राकृतिक आपदा और जलवायु परिवर्तन जैसी बड़ी चुनौतियों से जूझ रही है। मानव निर्मित इन समस्याओं का समाधान भी मनुष्य ही कर सकता है। इसी संबंध में दुनिया भर के श्रेष्ठतम बौद्ध विचारकों को एक मंच पर लाकर समाधान तलाशने का एक प्रयास किया जा रहा है। इसका मकसद दुनिया को संदेश पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में दुनिया के 30 देशों के 180 प्रतिभागी जुड़ने वाले हैं। इसके अलावा देशभर से भी विचारकों और बौद्ध धर्मगुरुओं की इसमें सहभागिता होगी। इसमें मेक्सिको और ब्राजील जैसे दूरस्थ देशों से भी प्रतिभागी शामिल होंगे। इस सम्मेलन के बाद एक बुकलेट प्रकाशित की जाएगी, जिसमें विचार-विमर्श का सार होगा। शिखर सम्मेलन का विषय ह्यरिस्पांस टू कांटेंपरी चैलेंजेस फ्राम फिलॉसफी टू प्रैक्सिसह्न है। इसमें दुनियाभर के प्रख्यात विद्वान, संघ नेता, और धर्म के अनुयायी वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे और बुद्ध धर्म में उत्तर तलाशेंगे, जो सार्वभौमिक मूल्यों को बढ़ावा देता है। इसमें बुद्ध धर्म और शांति; पर्यावरणीय संकट, स्वास्थ्य और स्थिरता; नालंदा बौद्ध परंपरा का संरक्षण तथा बुद्ध धर्म तीर्थयात्रा, जीवित विरासत और बुद्ध अवशेष जैसे विषयों पर विचार किया जाएगा।

सांसद खेल स्पर्धा और कौशाम्बी महोत्सव को लेकर प्रधानमंत्री से मिले सांसद विनोद सोनकर

--मोदी वैन के बारे मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दी जानकारी

प्रयागराज/कौशाम्बी, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री व कौशाम्बी सांसद विनोद सोनकर बुद्धवार को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने कौशाम्बी मे केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा कराये गये विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कौशाम्बी विकास परिषद के तत्वावधान मे आयोजित सांसद खेल स्पर्धा व कौशाम्बी महोत्सव मे होने वाले सांस्कृतिक एवं समाजिक कार्यक्रमो की विस्तृत जानकारी दी। प्रधानमंत्री द्वारा मोदी वैन की जानकारी मांगने पर सांसद ने बताया कि मोदी वैन लगातार अपने-अपने विधानसभाओं के गॉव-गॉव जाकर आमजन मानस के स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाओं का वितरण किया जा रहा है। मोदी वैन में मोबाइल ओपीडी के साथ ही हाई स्पीड इण्टरनेट व मेडिकल उपकरणों से लैस है तथा बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेन्स है। एक ब्लड सेम्पल से 39 प्रकार की जॉच करके मात्र 10 मिनट में मरीज को रिपोर्ट दे रही है। मोदी वैन मोबाइल फोन (टेलीमेडिसीन) के द्वारा भारत के विख्यात डाक्टरों द्वारा उपचार हेतु सलाह दी जाती है। इसके साथ ही गॉव-गॉव में मोदी वैन टीकाकरण का कार्य भी करती है। साथ ही मोदी वैन भारत सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करती है। इसके साथ ही पर्यावरण व स्वच्छता के प्रति जागरूक करती है तथा कौशाम्बी महोत्सव मे प्रख्यात कवि डॉ कुमार विश्वास द्वारा तीन दिवसीय रामकथा व सांस्कृतिक कार्यक्रम व सामूहिक विवाह व मेंहदी प्रतियोगिता एवं दिव्यांगजनो को ट्राई मोटरसाइकिल वितरण सहित प्रदेश सरकार व केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल लगाये जाते हैं। उक्त जानकारी सांसद के मीडिया प्रभारी राजेन्द्र पाण्डेय ने दी।

मुख्यमंत्री योगी ने 795 अधिकारियों को बांटे नियुक्ति पत्र

-विभिन्न विभागों में चयनित अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने सच्चे मार्ग पर चलने की दी सीख

-उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री एके शर्मा, अनिल राजभर समेत अन्य मंत्री मौजूद रहे

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न विभागों में उत्तरप्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से चयनित 795 अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उप्र में काम करने वाले अधिकारियों के बारे में माना जाता है कि वे कहीं भी झण्डा गाड़ सकते हैं। प्रदेश की 25 करोड़ जनता तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने का अनुभव बहुत महत्वपूर्ण रहता है। आप सब सौभाग्यशाली हैं जो इस सरकार में नौकरी के लिए आवेदन किये। पूरी पारदर्शिता के साथ आपका चयन हुआ है। कहीं भी आपको घूस नहीं देना पड़ा। इससे पहले की स्थिति के बारे में सब जानते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले पद खाली थे। एक लाख 64 हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती हमारी सरकार में हुई। जब पुलिस ही नहीं होगी तो कानून व्यवस्था कैसी होगी। पीएसी की 54 कम्पनियां समाप्त कर दी गयी थीं। भर्ती नहीं हो पा रही थी। सभी आयोग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए थे। युवाओं को आंदोलन करना पड़ रहा था। भाई-भतीजावाद व्याप्त था। पैसे का बोलबाला था। कुछ लोगों के घरों से सूची भेजी जाती थी। अयोग्य लोगों को चयन बोर्डों की जिम्मेदारी दी जाती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अधिकारियों से स्पष्ट कहा था कि यदि उप्र के युवाओं के भविष्य के साथ किसी ने खिलवाड़ किया तो उनके खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी कि उनकी पीढ़ियां याद रखेंगी। अब मुन्ना भाई परीक्षा देने से पहले ही उठा लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र का 1984 में आईएएस में चयन हुआ। 39 वर्षों से सेवा दे रहे हैं। पूरी ईमानदारी और निष्ठा से सेवा दे रहे हैं, तब वह आज सर्वोच्च पद पर बैठे हैं। वह अधिकारियों के लिए रोल मॉडल हो सकते हैं। आप लोग भी ऐसे ही कार्य करें। ट्रांसफर के लिए सिफारिश करने के बजाए पूरी निष्ठा से कार्य करें। शासन आपको अच्छी जगह खुद तैनाती देगा। मुख्यमंत्री ने जिन अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए हैं, उनमें चिकित्साधिकारी, आबकारी निरीक्षक, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक, विपणन निरीक्षक, अधिशासी अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, सहायक चकबंदी अधिकारी, सहायक उद्यान निरीक्षक (वर्ग-3), अपर जिला सूचना अधिकारी एवं कनिष्ठ सहायक शामिल हैं। इस अवसर पर चयनित युवाओं ने अपने विचार भी रखे। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शी व्यवस्था को लागू करने के लिए योगी सरकार की तारीफ की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री एके शर्मा, अनिल राजभर, लक्ष्मीनारायण चौधरी, नितिन अग्रवाल के अलावा मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह समेत शासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चंबल क्रिकेट लीग सीजन-2 के छठे मुकाबले में बरसे रन, बेनीपुरा टीम ने दिखाया बल्ले का दम

औरैया, (हि.स.)। चंबल विद्यापीठ के तत्वावधान में आयोजित 14 दिवसीय चंबल क्रिकेट लीग सीजन-2 के पांचवें दिन सीरीज का छठा मैच खेला गया। चंबल आश्रम हुकुमपुरा ग्राउंड पर बेनीपुरा और कंजौसा की टीमों के बीच क्रिकेट मैच हुआ। कंजौसा टीम ने टास जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी बेनीपुरा टीम ने निर्धारित 12 ओवर में सात विकेट के नुकसान से 122 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। बेनीपुरा टीम के खिलाड़ियों ने बल्ले से खूब रन बरसाए। गौरव ने सर्वाधिक 33 रन और यशवंत ने 31 रन बनाए। यशवंत ने विरोधी टीम के पांच विकेट भी चटकाए। बेनीपुरा के जवाब में उतरी कंजौसा टीम शुरूआत से ही लड़खड़ाती दिखी। पूरी टीम निर्धारित 12 ओवर भी नहीं खेल सकी और दो गेंदें शेष रहते 11.4 ओवर में 71 रन बनाकर सिमट गई। कंजौसा टीम के अवनीश ने सर्वाधिक 20 रन बनाए और एक विकेट भी लिया। छठे मुकाबले में बेनीपुरा टीम के यशवंत मैन ऑफ द मैच रहे। उन्हें मैन ऑफ द मैच ट्राफी जनवेद सिंह के हाथों दी गयी। इस अवसर पर चंबल परिवार से जुड़े वीरेंद्र सिंह सेंगर, लेखपाल रंजीत सिंह चौहान, डॉ. शाह आलम राना, दीपू सिंह ने सहयोग दिया।

सप्त ऋषियों के कारण सृष्टि का चलन आगे बढ़ा : शिवकुमार

-कश्यप मुनि के विचार एवं संस्कार को आत्मसात करे वैश्य समाज

-केशरवानी समाज ने मनाई महर्षि कश्यप मुनि की जयंती

प्रयागराज, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश केसरवानी वैश्य सभा के बैनर तले केसर विद्यापीठ इंटर कॉलेज में महर्षि कश्यप की जन्म जयंती मनाई गई। अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महासभा के संरक्षक शिव कुमार वैश्य ने कहा कि सप्त ऋषियों के कारण सृष्टि का चलन आगे बढ़ा और उन्हीं सप्तर्षियों में सबसे श्रेष्ठ ब्रह्मा जी की वरद संतान ऋषि कश्यप मुनि रहे, जो वैश्य समाज के गोत्राचार्य हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी वैश्य समाज के लोग उनकी संतान हैं। आज वैश्य समाज के लोग महर्षि कश्यप के विचार और संस्कार को आत्मसात कर समाज को आगे बढ़ाएं। अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महासभा के कोषाध्यक्ष सतीश चंद्र केसरवानी ने कहा कि केसरवानी समाज के लोग आज शिक्षित होकर विभिन्न पदों पर रहकर देश और समाज की सेवा कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष तीरथराज गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय वैश्य ने कहा कि हमें महर्षि कश्यप के आदर्श मार्ग पर चलकर धर्मपूर्वक राष्ट्र को एकता के सूत्र में जोड़ने का कार्य करना है और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ संगठन को और मजबूत करना होगा। इसके अलावा कन्हैया लाल गुप्ता, श्रीकांत केसरवानी, मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, राधेश्याम केसरवानी, कन्हैया लाल गुप्ता, ओपी गुप्ता, गोपाल केसरवानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री प्रमिल केसरवानी ने किया। उक्त अवसर पर जयकृष्ण गुप्ता, राजेंद्र केसरवानी, राजेश केसरवानी, लक्ष्मण केसरवानी, सुरेश केसरवानी, धर्मेंद्र केसरवानी, छेदीलाल केसरवानी, अभय कुमार वैश्य, लालजी केसरवानी, सुमित केसरवानी, अभिलाष केसरवानी आदि ने महर्षि कश्यप को पुष्प अर्पित करते हुए नमन किया।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए एयरपोर्ट और बस अड्डे पर शुरू की गई सैंपलिंग

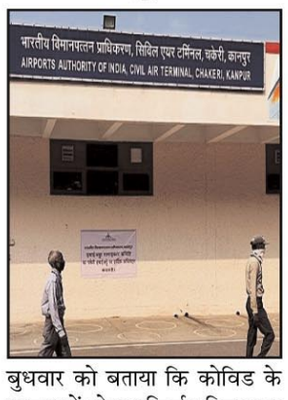

कानपुर, (हि.स.)। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए कानपुर का स्वास्थ्य महकमा सक्रिय हो चुका है। एयरपोर्ट, बस अड्डे और स्वास्थ्य केंद्रो पर सैंपलिंग फिर से शुरू कर दी है। कोविड पोर्टल में नगर के नौ संक्रमित दिखाए जा रहे हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि दो संक्रमितों की रिपोर्ट किसी चूक की वजह से दो बार दर्ज कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने कानपुर वासियों से अपील किया है कि सभी लोग कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें। जिला अस्पताल उर्सला के सीएमएस डॉ. शैलेन्द्र तिवारी ने बुधवार को बताया कि कोविड के उपचार में थोड़ा परिवर्तन किया गया है। अब कोविड के उपचार से एंटीबायोटिक दवा को हटा दिया गया है। कोविड से संक्रमित होने वाले गंभीर और कम गंभीर मरीज है तो उनको मेडिकल भेजा जाएगा। इसके साथ ही यदि मरीजों की संख्या बढ़ती है तो कांशीराम अस्पताल में उपचार की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कानपुर वासियों समेत सभी से अपील किया है कि कोविड का यदि लक्षण उभरते है तो जांच अवश्य करा ले, जिससे समय से उपचार किया जा सके। सभी लोग कोविड प्रोटोकॉल का पालन अवश्य करें।

पुलिस के खिलाफ महिलाओं ने खोला मोर्चा, खुलासा न होने पर चूड़ियां पहनाने की दी चेतावनी

झांसी, (हि. स.)। इन दिनों जनपद में लगातार बढ़ रहे अपराधों में पुलिस अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। वहीं आपराधिक घटनाओं से क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। घटनाओं का खुलासा न कर पाने से नाराज महिलाओं ने पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। बुधवार को दर्जनों महिलाओं ने पुलिस क्षेत्राधिकारी के माध्यम से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भेजकर कार्यवाही किए जाने व खुलासा न होने पर पुलिस को थाने में जाकर चूड़ियां पहनाने की चेतावनी भी दे डाली। मऊरानीपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम रेवन निवासी राजेश कुमारी पत्नी करन सिंह किसान नेता ने दर्जनों महिलाओं के साथ पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय पहुंचकर जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को संबोधित ज्ञापन पुलिस क्षेत्राधिकारी को देकर बताया कि टोडी फतेहपुर थाना क्षेत्र में एक सप्ताह में दो लूट की घटनाएं हुई हैं। पुलिस अभी तक खुलासा नहीं कर पा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि घटनाओं का खुलासा एक सप्ताह में नहीं हुआ तो सैकड़ों की संख्या में महिलाएं थाने में पहुंचकर पुलिस के जवानों को चूड़ियां पहनाएंगी।

सत्यानंद भोक्ता ने कम्युनिटी पार्क और स्टेडियम समेत 14 योजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

रामगढ़, (हि.स.)। हेमंत सोरेन की सरकार में रामगढ़ जिले में विकास की बयार बह रही है। यहां खेलकूद का क्षेत्र हो या शिक्षा का क्षेत्र। हर जगह लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर योजनाओं का चयन किया गया है। यह बातें बुधवार को रामगढ़ पहुंचे जिले के प्रभारी मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कही। यहां उन्होंने कुल 14 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें कम्युनिटी पार्क और स्टेडियम भी शामिल हैं। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग सह प्रभारी मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने सर्वप्रथम मौलाना अबुल कलाम आजाद पार्क (मॉडल कम्युनिटी पार्क), छत्तरमांडू का उद्घाटन किया। इसके उपरांत उन्होंने बहुप्रतीक्षित बिरसा बस स्टैंड, रामगढ़ के जीर्णोद्धार कार्यों का शिलान्यास किया। मंत्री ने रामगढ़ स्थित नवनिर्मित सिदो-कान्हू स्टेडियम का उद्घाटन भी किया। साथ ही कस्तूरबा गांधी बालिका उच्च विद्यालय मांडू में 16 शौचालयों एवं 16 बाथरूम का उद्घाटन किया। मंत्री ने कुल 14 योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। मंत्री ने पतरातू डैम के कटुवा घाट का सुंदरीकरण और सुकरीगढ़ा में निमार्णाधीन सामान्य केंद्रों में चारदीवारी एवं अप्रोच रोड के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। दुलमी प्रखंड के सिकनी दुर्गा मंदिर से चितरपुर रेलवे ब्रिज तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास, ग्राम उकरिद मोड़ (सोसो मोड़) से चामरोम मोड़ तक पथ मरम्मती कार्य का उद्घाटन किया। इसके अलावा पतरातु रांची मुख्य पथ (पतरातू डैम) पलानी झरना तक जाने वाले पथ के निर्माण कार्य का शिलान्यास, प्रखंड गोला के साडम में स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य का शिलान्यास, मांडू के बसंतपुर पश्चिमी अंतर्गत चुटुवा नदी के केंदूबार में पुल निर्माण कार्य का उद्घाटन, पतरातू प्रखंड के सुथरपुर में स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कार्य का शिलान्यास, मांडू प्रखंड के जोड़ाकरम में स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं दुलमी प्रखंड के सोसो में स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया गया। पार्क के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान पंजाब रेजीमेंटल सेंटर की बैंड टीम ने राष्ट्रीय गान सहित अन्य देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। साथ ही बच्चों ने सूर्य नमस्कार सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए। इस मौके पर विधायक सुनीता चौधरी, डीसी माधवी मिश्रा, एसपी पीयूष पांडे, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी, नगर परिषद अध्यक्ष युगेश बेदिया, सांसद प्रतिनिधि रणंजय कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

कोडरमा में आवासीय विद्यालय की छात्राओं को मुंह एवं दांतों के रख-रखाव की दी जानकारी

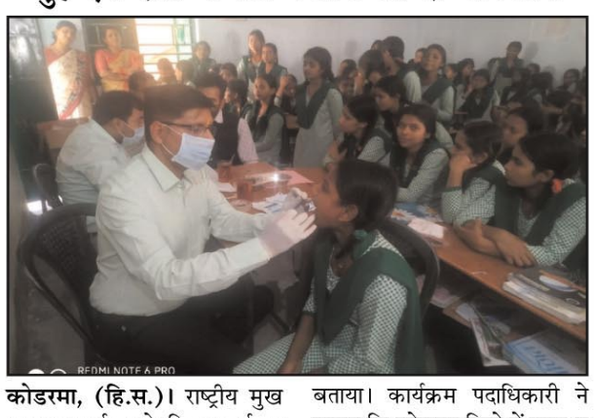

कोडरमा, (हि.स.)। राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ शरद कुमार के नेतृत्व में बुधवार को एनओएचपी की जिला स्तरीय टीम ने मरकच्चो के झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की कक्षा छह से कक्षा आठ तक की छात्राओं को मुंह एवं दांतों के रख-रखाव की जानकारी दी गयी। साथ ही दोनों विद्यालयों की 250 छात्राओं की ओरल स्क्रीनिंग भी की गई। डॉ शरद कुमार ने छात्राओं को बताया कि रात में सोने से पहले ब्रश अवश्य करें। साथ ही ब्रश करने का तरीका भी बताया। कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि कोडरमा जिले में स्वास्थ्य कार्यक्रम के मानकों के अनुसार बेहतर कार्य हो रहा है। 20 मार्च से अब तक जिले में लगभग 14 हजार लोगों का ओरल स्क्रीनिंग किया जा चुका है। यह सिलसिला 20 अप्रैल तक जारी रहेगा। दोनों स्कूलों की छात्राओं को टूथ ब्रश, टूथ पेस्ट एवं हाथ धोने की साबुन दिया गया। इस मौके पर झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की शिक्षिकाओं सहित विद्यालय के लिपिक, लेखापाल एवं कई कर्मी मौजूद थे।

अपने को असुरक्षित महसूस कर रहा आम आदमी : रघुवर दास

मेदिनीनगर, (हि.स.)। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि तीन साल तक हम लोगों ने इंतजार किया अब इंतजार की घड़ी घड़ी खत्म हो गई है। हम सभी अब जन चौपाल में जाकर जनता के साथ सीधा संवाद करेंगे। रघुवर दास बुधवार को पि-रसदन में पत्रकारों से कहा कि जन चौपाल में अधिकांश महिलाएं यह कहती हुई सुनी गई की उन्हें पांच माह से पेंशन की राशि नहीं मिली है, जो स्थिति सामने में दिख रही है उसके अनुसार यहां पर जमीनी हकीकत बिल्कुल शून्य है।

उन्होंने कहा कि भाजपा 11 अप्रैल को राज्यव्यापी आंदोलन की शुरूवात करने जा रही है। इस आंदोलन के माध्यम से वर्तमान राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए लोगों से आह्वान किया जाएगा। रघुवर ने कहा कि आम आदमी अपने को असुरक्षित महसूस कर रहा है। लोग अब चुनाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं ।वर्तमान राज्य सरकार जनता को बड़े-बड़े सपने दिखाकर तीन वर्ष पांच महीनों के अंदर सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने पलामू के बारे में कहा की यहां की मुख्य समस्या सिंचाई और पेयजल की है।

हमारी सरकार जब थी तो सिंचाई और जल की समस्या को देखते हुए कनहर सिंचाई योजना पर काफी हद तक काम कराने का कार्य किया था। मंडल डैम का पुनर्निर्माण के लिए काम शुरू कराया गया लेकिन वर्तमान राज्य सरकार ने अडंगा डालकर बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध बालू का धंधा चरम पर है। वर्तमान सरकार ने आज तक बालू की नीलामी नहीं होने दी है। उन्होंने कहा कि पलामू और गढ़वा में बालू की अधिकता है यहांबअवैध कारोबार किसके संरक्षण में चल रहा है लोग जानते हैं। इसके विरोध में बोलने पर फर्जी मुकदमा किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य का दुर्भाग्य रहा है कि जब जब यहां गठबंधन की सरकार बनी तब तब झारखंड का नुकसान हुआ है। मौके पर जिला विधायक आलोक चौरसिया, अध्यक्ष विजयनंद पाठक, महिला अध्यक्ष सीटू गुप्ता समेत कई नेता उपस्थित थे।

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

किशनगंज, (हि.स.)। देश के विभिन्न राज्यों एवं सूबे में कोरोना संक्रमण के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ रहे हैं। लिहाजा जिला स्वास्थ्य विभाग भी संक्रमण के संभावित खतरों से निपटने के लिये जरूरी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट चुका है। संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निर्देशक संजय कुमार सिंह ने कोरोना संबंधी जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया है। बुधवार को सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने सदर अस्पताल परिसर में जानकारी देते हुए बताया कि संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। संक्रमण से सुरक्षा व बचाव को लेकर विभागीय स्तर से जरूरी आदेश प्राप्त हुए हैं। राज्य में बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए जिला अस्पताल सहित अन्य प्रमुख अस्पताल को पूर्णतः व्यवस्थित रखने को कहा गया है। अस्पताल में इलाज व अन्य जरूरी कार्यों से आने वाले लोगों के लिये बिना मास्क के प्रवेश की अनुमति पर रोक लगाने के साथ आरटीपीसीआर जांच की संख्या बढ़ाने का निर्देश प्राप्त है। इसके साथ ही पीएसए ऑक्सीजन प्लांट व इससे जुड़े उपकरण को तत्काल प्रभाव से दुरुस्त करने का आदेश मिला है। प्राप्त दिशा निर्देश के आलोक में जिला स्वास्थ्य विभाग संबंधित तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने कहा की जिले में स्वास्थ्य विभाग मरीजों को गुणवत्तापूर्ण तथा सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को निरंतर प्रयासरत है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ हीं नर्स, पारा मेडिकल स्टाफ, आशा, आदि स्वास्थ्य सुविधा बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। संसाधन के साथ-साथ मानव बल भी बढ़ाए गये हैं। स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन संक्रमण काल की सभी चुनौतियों से लड़कर स्वास्थ्य सेवाओं को जन जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा हैं। सिविल सर्जन ने कहा कि डीएम एवं विभागीय निर्देश के शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने को लेकर संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये गये हैं। स्वास्थ्य विभाग कोरोना संक्रमण की प्रभावी जांच को लेकर आरटीपीसीआर जांच की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रहा है। पूर्व में प्रतिदिन जिले में 500 लोगों की जांच हो रही थी। इसे बढ़ाकर 01 हजार करने के लिये निर्देशित किया गया है। ताकि अधिक से अधिक व्यक्तियों की जांच कर संक्रमण को रोकने में ठोस उपाय किये जा सकें। स्वास्थ्य अधिकारियों को बाहरी राज्यों से गृह जिला लौट रहे लोगों की जांच हर हाल में सुनिश्चित कराने के लिये निर्देशित किया गया है। सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने कहा कि सदर अस्पताल के 80 बेड में ऑक्सीजन सीधे पाइप लाइन से पहुंचाई जा रही है। सदर अस्पताल परिसर में हवा से ऑक्सीजन बनाने की अनूठी टेक्नोलॉजी पर आधारित पीएसए ऑक्सीजन प्लांट में पांच सौ (एलपीएम) लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन उत्पादन हो रहा है। जो पाइप लाइन से सदर अस्पताल के हर बेड तक पहुंचायी जा रही है जिससे सदर अस्पताल आत्म-निर्भर हो गया है। इसके अलावा सभी सीएचसी एवं पीएचसी में भी ऑक्सीजन सिलेन्डर की उपयुक्त व्यवस्था की गयी है।

सासाराम-बिहारशरीफ में माहौल खराब करने की कोशिश हुई, जल्द ही सच सामने आएगा : नीतीश

पटना, (हि.स.)। पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम की जयंती पर आयोजित राजकीय समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सासाराम-बिहारीशरीफ हिंसा में माहौल खराब करने की कोशिश की गई। नीतीश ने कहा कि कभी यहां कुछ होता ही नहीं है।

सब लोग यहां अलर्ट रहते हैं। अगर अचानक कहीं कुछ किया गया है तो उसको लेकर प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। हमलोग भी पूरी नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन ने सही तरीके से सबकुछ संभाला है। सब कुछ जानबूझकर कराया गया। हिंसा की जांच जारी है। जल्द ही सच सामने आएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भाजपा का दरवाजा हमेशा के लिए बंद हो जाने वाले बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी बातों का नोटिस नहीं लेते हैं। उनका कौन दरवाजा है? कोई दरवाजा है। उनका तो एकतरफा छपता ही है और हमलोगों की कोई बात नहीं छपेगी तो हमको क्या जरूरत है नोटिस लेने का। हम लोगों के बीच में हैं।

मीडियाकर्मी बंधुओं से आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आपसे हमें काफी उम्मीद है। आप जरा लोगों से अंदर से जाकर बात कीजिए, तब आपको सही बातों का पता चल जाएगा। नालंदा जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नालंदा तो मेरी जगह ही है। हम यहीं से सभी से बात कर लेते हैं। कुछ खास नहीं है। अब तो सब नॉर्मल हो गया है। हम तो ऐसे जाते ही रहते हैं। सबको पता है कि वहां हम कितना काम करवाए हैं। भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी के इफ्तार वाले बयान पर नीतीश ने कहा कि सुशील कुमार मोदी को बोलना ही है। नहीं बोलेंगे तो उनको पार्टी से ही निकाल दिया जाएगा। विपक्षी एकता के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम प्रयासरत हैं।

बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन के लिए मील का पत्थर साबित होगा महाविद्यालय प्रवास : कन्हैया

बेगूसराय, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के महाविद्यालय प्रवास कार्यक्रम के तहत आज जिला संयोजक पुरुषोत्तम कुमार, नगर मंत्री दिव्यम कुमार, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनीष कुमार एवं राज दीपक गुप्ता आरसीएस कॉलेज मंझौल पहुंचे। वहां राज्य विश्वविद्यालय प्रमुख कन्हैया कुमार के नेतृत्व में प्रवासी कार्यकताओं ने महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं से समस्या संग्रह किया। इसके साथ ही महाविद्यालय की शिक्षा व्यवस्था एवं उसमें होने वाले सुधार के लिए बातचीत भी किया। राज्य विश्वविद्यालय कार्य प्रमुख कन्हैया कुमार ने कहा कि आरसीएस कॉलेज मंझौल राजनीतिक दल का अखाड़ा बनते जा रहा है। प्राचार्य महीना में दो से चार दिन महाविद्यालय आते हैं और सभी प्रकार कार्यों को जल्दी निपटा कर पुनः चले जाते हैं। इससे महाविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं में रोष है। विद्यार्थी परिषद इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन के लिए प्रवास कार्यक्रम लाई है। जिला संयोजक पुरुषोत्तम कुमार एवं नगर मंत्री दिव्यम कुमार ने कहा कि विद्यार्थी परिषद राजभवन को दिए जाने वाले ज्ञापन के लिए महाविद्यालय में प्रवास कर रही है। इससे बिहार की शिक्षा व्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन आने वाले समय में जरूर दिखाई देगा। क्योंकि राज्यपाल का सख्त निर्देश है कि उच्च शिक्षा व्यवस्था में छात्र हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। प्रभारी प्राचार्य विजय मल बैठा एवं भूगोल विभागाध्यक्ष रविकांत कुमार ने कहा कि विद्यार्थी परिषद का यह कार्य सराहनीय है। कार्यकर्ता समस्या संग्रह करने महाविद्यालय आए हैं एवं राजभवन को ज्ञापन देने का कार्य करेंगे। कॉलेज इकाई अध्यक्ष रवि कुमार एवं कॉलेज खेल प्रमुख अर्जुन कुमार ने कहा कि जिस प्रकार महाविद्यालय बगैर चारदीवारी के है। अर्ध निर्मित छात्रावास जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पड़ा हुआ है। इससे स्पष्ट है कि प्राचार्य महाविद्यालय के पैसे का गलत तरीके से इस्तेमाल करते हैं जो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा। इसके लिए हम आने वाले समय में जोरदार आंदोलन करेंगे।

संपादकीय

भ्रष्टाचार के 300 दिन शेष!

प्रधानमंत्री मोदी ने सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को हरी झंडी दे दी है कि भ्रष्ट लोगों के खिलाफ जांच और कार्रवाई रुकनी नहीं चाहिए। भ्रष्टाचार का इकोसिस्टम 300 दिन में खत्म करना है। जिनके खिलाफ सीबीआई के केस चल रहे हैं, वे बहुत ताकतवर लोग हैं और संस्थाओं की छवि भी बिगाड़ने का काम करेंगे, लेकिन हमें भ्रष्टाचार को समाप्त करना है। आपको फोकस भी आपके काम पर होना चाहिए। भ्रष्टाचार गरीब के हक छीनता है। प्रतिभाएं बलि चढ़ जाती हैं। भ्रष्टाचार भाई-भतीजावाद और परिवारवाद को पैदा करता है। भ्रष्टाचार न्याय और लोकतंत्र के रास्ते का सबसे बड़ा रोड़ा है। भ्रष्टाचार की कार्रवाई किसी भी बड़े व्यक्ति के खिलाफ हो, आपको उसे अंजाम देना है। भ्रष्टाचार के खिलाफ यह देश की इच्छा है और कानून तथा संविधान आपके साथ हैं। आपको डरना और हिचकिचाना नहीं है। ताकतवर लोग सालों-साल सत्ता में रहे हैं और सिस्टम का हिस्सा भी रहे हैं, आज भी कुछ राज्यों में वे सत्ता में हो सकते हैं, लिहाजा वे इस भ्रष्ट इकोसिस्टम के हिस्से रहे हैं। अब यह सीबीआई की जिम्मेदारी है, क्योंकि उसमें जनता का विश्वास बढ़ा है। जांच एजेंसियों के नाम कई उपलब्धियां हैं। प्रधानमंत्री के इस संबोधन और आह्वान से स्पष्ट है कि अभी सीबीआई, ईडी आदि के छापे बढ़ेंगे, संपत्तियां जब्त की जाएंगी और संभव है कि प्रधानमंत्री ने 2024 का आम चुनाव भ्रष्टाचार के प्रमुख मुद्दे पर लड़ना तय कर लिया है! सीबीआई की 60वीं सालगिरह के अवसर पर अधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह आह्वान किया है, लेकिन भ्रष्टाचार का समग्रता में नाश करना है, यह उनका मन्तव्य रहा है। प्रतिक्रिया में विपक्ष का चिलचिलाना स्वाभाविक है, क्योंकि जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं या आरोप-पत्र अदालत में दाखिल किए जा चुके हैं अथवा न्यायाधीशों ने आरोप भी तय कर दिए हैं या जो राजनेता जेल की सलाखों के पीछे हैं, वे कमोबेश 2024 के चुनाव तक 'मुक्त' नहीं हो सकेंगे, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के खिलाफ आक्रामक होकर चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। कुछ केस ऐसे भी संभव हैं कि उन्हें 2 साल या अधिक की सजा हो और वे चुनाव के अयोग्य ही करार दे दिए जाएं। प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार को सामान्य अपराध नहीं मानते और सीबीआई को सत्य और न्याय का 'ब्रांड' मानते हैं, लिहाजा जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी ज्यादा मान रहे हैं। कांग्रेस, एनसीपी, तृणमूल, बीआरएस, द्रमुक, शिवसेना (उद्धव गुट) और 'आप' आदि विपक्षी दलों के नेता जेल में हैं या भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी के कालखंड के दौरान 124 नेता सीबीआई के शिकंजे में फंस चुके हैं। ईडी के भी हजारों मामले विचाराधीन हैं। जांच एजेंसियों ने 2014-22 के दौरान 1.10 लाख करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की हैं, जबकि 2004-14 के दौरान कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार में यह आंकड़ा 5346 करोड़ रुपए था। कई गुना का फासला है। स्पष्ट है कि जांच एजेंसियों ने ज्यादा छापे मारे हैं और ज्यादा संपत्तियां जब्त की हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को खुलासा किया है कि करीब 2.25 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचाए गए हैं और लाभार्थियों को सीधा लाभ मिल रहा है। इसमें जन-धन खातों, आधार और मोबाइल का बहुत बड़ा योगदान है। सरकार ने 8 करोड़ से ज्यादा फर्जी लाभार्थियों के नाम सिस्टम से मिटा दिए हैं। यह भी भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यापक कार्रवाई है। बेशक सीबीआई, ईडी के दुरुपयोग को लेकर विपक्ष ने, मोदी सरकार के खिलाफ, एक सुनियोजित अभियान जारी रखा है, उसके बावजूद प्रधानमंत्री ने जांच एजेंसियों को 'हरी झंडी' दी है कि जांच और कार्रवाई ठंडी नहीं पडऩी चाहिए। प्रधानमंत्री ने यह आंकड़ा भी देश के सामने रखा कि कुछ भगोड़े अपराधियों की 20,000 करोड़ रुपए की संपत्तियां कानूनन जब्त की जा चुकी हैं। अब अहम सवाल यह है कि प्रधानमंत्री के इतने बड़े कदम से भ्रष्टाचार बहुत कुछ समाप्त होगा अथवा चुनावी तुरुप बनकर रह जाएगा? अगले चुनाव रोचक होने वाले हैं।

> भ्रष्टाचार न्याय और लोकतंत्र के रास्ते का सबसे बड़ा रोड़ा है। भ्रष्टाचार की कार्रवाई किसी भी बड़े व्यक्ति के खिलाफ हो, आपको उसे अंजाम देना है। भ्रष्टाचार के खिलाफ यह देश की इच्छा है और कानून तथा संविधान आपके साथ हैं। आपको डरना और हिचकिचाना नहीं है। ताकतवर लोग सालों-साल सत्ता में रहे हैं और सिस्टम का हिस्सा भी रहे हैं, आज भी कुछ राज्यों में वे सत्ता में हो सकते हैं, लिहाजा वे इस भ्रष्ट इकोसिस्टम के हिस्से रहे हैं। अब यह सीबीआई की जिम्मेदारी है, क्योंकि उसमें जनता का विश्वास बढ़ा है। जांच एजेंसियों के नाम कई उपलब्धियां हैं। प्रधानमंत्री के इस संबोधन और आह्वान से स्पष्ट है कि अभी सीबीआई, ईडी आदि के छापे बढ़ेंगे, संपत्तियां जब्त की जाएंगी और संभव है कि प्रधानमंत्री ने 2024 का आम चुनाव भ्रष्टाचार के प्रमुख मुद्दे पर लडऩा तय कर लिया है!

कुछ अलग

कैग रिपोर्ट में शहरीकरण

हिमाचली शहरों के प्रबंधन पर आई कैग रिपोर्ट ने शहरी निकायों की वित्तीय कमजोरियों और प्रशासनिक दिक्कतों की ओर सचेत करते हुए सरकार से तुरंत सुधार की अपेक्षा की है। रिपोर्ट के हवाले से जो विश्लेषण सामने आया, उसके अनुसार न तो माकूल पद भरे गए और न ही आवश्यक बैठकों के जरिए नागरिकों का पक्ष ठीक से सामने आया है। लगभग सभी नगर निकाय सरकार से ही वित्त पोषण पर निर्भर हैं, फिर भी ऑडिट में लिए गए 14 निकायों का 32 करोड़ अभी बकाया है। विडंबना यह है कि अधिकांश निकाय वित्तीय अनुशासनहीनता में बुरी तरह डूबे हैं और इसका सबसे बड़ा प्रमाण शहरी संपत्तियों से होने वाली आय के प्रति दिखाई गई अगंभीरता है। वर्षों से ऐसी संपत्तियों पर बैठे प्रभावशाली लोग आज भी आय की संभावनाओं को कुंद कर रहे हैं। आश्चर्य यह कि नगर निकायों की संपत्तियों के आबंटन में हुई मिलीभगत में कई पार्षद भी शरीक रहे हैं। हिमाचल में शहरीकरण को या तो नजरअंदाज किया गया या इसे समझने के बजाय, राजनीतिक नफे नुकसान में देखा गया। ऐसे में शहरों की सीमा के बाहर शहर तो बढ़ गए, लेकिन इस दबाव को संबोधित करने की शक्तियां निकायों को नहीं मिलीं। आधी सदी गुजरने के बाद भी ग्राम एवं शहरी योजना कानून को केवल सजावटी बनाकर औपचारिकता ही पूरी की जा रही है, जबकि इसके तहत ही अगर शहरी क्षेत्रों की सुध ली गई होती तो आज स्थितियां इतनी विकराल न होतीं। टीसीपी कानून के तहत शहरी विकास योजनाएं केवल कागजों में ही बनीं, जबकि विकास के दायरे में हर शहर की सीमाएं बढ़ी हैं और चुनौतियां भी नागरिक सुविधाओं की शून्यता की ओर इशारा कर रही हैं। हिमाचल में नागरिक क्षमता व विकास की उत्कंठा ने पूरे प्रदेश को शहरी मानसिकता से भर दिया है, लेकिन सुविधा के बदले ऐसी कर प्रणाली नहीं बनी जो शहरीकरण के मायनों में वित्तीय प्रबंधन को बल देती। आश्चर्य यह भी कि शिमला के बाद चार अन्य नगर निगमों का गठन तो कर दिया, लेकिन इनके प्रारूप में न शहरी व्याख्या हुई और न ही शहरीकरण के समाधान दिखाई दिए। कमोबेश एक ही जैसी व्यवस्था में कहीं नगर पंचायत, कहीं नगर परिषद तो कहीं नगर निगमों का अस्तित्व घिसट रहा है। होना तो यह चाहिए था कि शहरों का वर्गीकरण करते हुए इन्हें आर्थिक विकास के एसईजेड की तरह पेश किया जाता। यहां जन प्रतिनिधियों के साथ-साथ नागरिक समाज भी कम दोषी नहीं, क्योंकि हर कहीं बहस यह होती है कि शहरीकरण के दायरे में गांवों को अलग रखा जाए। जो नागरिक समाज चूल्हा कर देने को न नुकर कर रहा हो, उसे गांव से शहर की नियमावली में कैसे जवाबदेह बनाएंगे। हिमाचल के शहरों में सुविधाओं की चहलकदमी में वही विभाग देखे जा रहे हैं, तो योजनाओं के खाते में ताजगी कैसे आएगी। यदि पूरे प्रदेश को नगर नियोजन के दायरे में लाते हुए विकास के मॉडल को विभिन्न विकास प्राधिकरणों में बांट दिया जाए, तो गांव और शहरों की पहचान में नागरिक सुविधाओं का उत्थान व निर्माण की भविष्यगामी योजनाएं बन पाएंगी। हिमाचल में शहरी व ग्रामीण योजनाओं में साझापन तभी पैदा होगा यदि कम से कम आधा दर्जन विकास प्राधिकरण बनाए जाएं। इसके अलावा निर्माण की आचार संहिता तय करते हुए राज्य स्तरीय प्रारूप बनाना होगा ताकि सडक़ों के किनारे दृश्यावलियां, खेत व घाटियां बची रहें। शहरों के आसपास के गांवों में निर्माण की शर्तें अगर अमल में आएंगी, तो शहरी आर्थिकी के इर्द-गिर्द ही शहरों के प्रबंधन की मर्यादा व वित्तीय संसाधन विकसित होंगे। शहरीकरण के हिमाचली मायनों की अफरातफरी को सुधारते हुए,निकायों को साहसिक फैसले लेने पड़ेंगे।

भारत में युवाओं के बीच, नशा समाजशास्त्रीय संदर्भ मेंआदत बनाने वाला पदार्थ है जो शरीर पर प्रभाव डालता है

नशे का बढ़ता प्रयोग चिंता का विषय

प्रो. मनोज डोगरा

> आज देखने और सुनने को मिलता है कि स्कूल और कॉलेजों में पढऩे वाले छात्र भी नशे की चपेट में आ चुके हैं। यही नहीं कहीं-कहीं बड़े संस्थानों में तो लड़कियां भी इसकी चपेट से अछूती नहीं हैं जो समाज के लिए बहुत बड़ा कलंक है। स्कूल और कॉलेजों के बाहर मादक पदार्थों को बेचने के लिए प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन फिर भी देखने को मिलता है कि इसके सौदागर चोरी छुपे स्कूल या कॉलेजों के बच्चों को इस्तेमाल करके इस नशे की खेप को संस्थान और हॉस्टल तक पहुंचा रहे हैं जो एक गंभीर समस्या उभर रही है। आज अगर हम आंकड़े देखते हैं, तो 17-20 वर्ष आयु वर्ग की शुरुआत में अधिकांश किशोरों को अनैतिक पदार्थ के दुरुपयोग या नशे की लत के लिए गंभीरता से आदी पाया गया है और ये ज्यादातर कॉलेज हैं।

भारत में नशे की लत युवाओं के बीच में इतनी बढ़ चुकी है जिसका अंदाजा आए दिन समाचार पत्रों में पढऩे को मिलता है कि युवाओं से नशीले पदार्थ पकड़े गए और कुछ नशे की लत के लिए पैसे न मिलने पर मां-बाप के ऊपर हमला कर दे रहे हैं जिसके कारण मां-बाप मृत्यु की आगोश में समाए जा रहे हैं और वे नशे से चूर होते जा रहे हैं। यह नशा समाज के प्रत्येक वर्ग को खोखला कर रहा है, लेकिन अकेली सरकारें कुछ नहीं कर सकती हैं। जब तक जन सहयोग समाज में नहीं मिलता है, तब तक समाज नशामुक्त नहीं हो सकता है। नशे के सौदागरों को समाज और पुलिस मिलकर समाप्त कर सकती है। जब तक समाज के बुद्धिजीवी लोग पुलिस और प्रशासन का सहयोग नहीं देंगे तब तक यह नशा बढ़ता ही रहेगा। आज देखने और सुनने को मिलता है कि स्कूल और कॉलेजों में पढऩे वाले छात्र भी नशे की चपेट में आ चुके हैं। यही नहीं कहीं-कहीं बड़े संस्थानों में तो लड़कियां भी इसकी चपेट से अछूती नहीं हैं जो समाज के लिए बहुत बड़ा कलंक है। स्कूल और कॉलेजों के बाहर मादक पदार्थों को बेचने के लिए प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन फिर भी देखने को मिलता है कि इसके सौदागर चोरी छुपे स्कूल या कॉलेजों के बच्चों को इस्तेमाल करके इस नशे की खेप को संस्थान और हॉस्टल तक पहुंचा रहे हैं जो एक गंभीर समस्या उभर रही है। नशे की लत एक ऐसी गंभीर और विनाशकारी समस्या है जिसने हमारे देश की युवा पीढ़ी को कठोर रूप से फंसा लिया है। आज अगर हम आंकड़े देखते हैं, तो 17-20 वर्ष आयु वर्ग की शुरुआत में अधिकांश किशोरों को अनैतिक पदार्थ के दुरुपयोग या नशे की लत के लिए गंभीरता से आदी पाया गया है और ये ज्यादातर कॉलेज हैं। यहां तक कि स्कूल जा रहे बच्चे भी इसमें शामिल हैं। यहां तक कि गरीब बच्चे भी नशीली दवाओं के दुरुपयोग या व्यसन में शामिल हुए हैं। इसे भारत सरकार के सामने एक खतरनाक मुद्दे के रूप में सामने रखा गया है क्योंकि युवा पीढ़ी देश के भविष्य के लिए संभावित शक्ति है और यदि उनके वर्तमान जीवन इस तरह के व्यसनों के तहत डूब गए हैं तो देश का भविष्य निश्चित रूप से अंधेरे में बदल जाएगा। यह वास्तव में भारतीय समाज के लिए भी एक गंभीर मामला है और इस मामले को समाज के लोगों के सामूहिक प्रयासों के साथ हल किया जाना चाहिए। समाज का वर्तमान परिदृश्य पहले के

मुकाबले पूरी तरह से बदल गया है। अब शहरी क्षेत्रों में परिवार एकल हो रहे हैं। माता-पिता दोनों कामकाजी हैं। इसलिए वे अपने बच्चों को गुणात्मक समय नहीं दे पा रहे हैं। नैतिक मूल्यों का महत्व और विश्वास परिवारों में भी कम हो गया है। बड़ों की उपेक्षा हो रही है। बच्चे ज्यादातर समय अपने घरों से बाहर किसी को साझा करने और खुद को अभिव्यक्त करने के लिए देखते हैं और यह भी कभी-कभी उन्हें गलत साथियों के समूह में शामिल करने के लिए प्रेरित करता है। परिवार के सदस्यों के बीच संचार, बातचीत, समझ धीरे-धीरे कम हो रही है और आधुनिक शिक्षा प्रणाली ने भी छात्रों पर बहुत दबाव डाला है। गरीब परिवारों में अत्यधिक गरीबी के कारण माता-पिता और बच्चे सभी आजीविका के लिए कमाने में लगे हुए हैं। शिक्षा प्राप्त करने के लिए पैसा और समय नहीं है और इस प्रकार अशिक्षा अनैतिक कार्यों और दोस्तों की बुरी संगत में शामिल होती है। ऐसी परिस्थितियों में युवा वास्तव में अलग-थलग महसूस करते हैं। वे अपनी बुद्धि खो देते हैं और अपनी चिंताओं, तनावों और अवसाद से छुटकारा पाना चाहते हैं जो अंततः उन्हें ड्रग्स या मादक द्रव्यों के सेवन का रास्ता दिखाता है। उनका मानना है कि ड्रग्स लेने से वे सभी तनावों और दबावों को भूल जाते हैं और उन्हें स्वतंत्र और किसी भी उथल-पुथल से रहित महसूस कराते हैं। वे अपने व्यावहारिक जीवन के कारण किसी भी तनाव को सहन करने के बजाय ड्रग्स के कारण होने वाली सुन्नता में बेहतर महसूस करते हैं। प्रारंभिक अवस्था में किसी को यह एहसास नहीं हो सकता है कि नशीली दवाओं का उपयोग कब एक लत में बदल सकता है और जिस क्षण यह एक लत बन जाती है, बहुत देर हो चुकी होती है। इसलिए माता-पिता, बड़ों और दोस्तों को हमेशा सावधान और सतर्क रहना चाहिए। शायद सबसे गंभीर चिंता 14-15 वर्ष की आयु के युवाओं की भागीदारी है। रिपोर्ट कहती है कि मादक द्रव्यों के सेवन रोकने तथा विकारों के इलाज के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की क्षमता पूरी तरह से अपर्याप्त है। रिपोर्ट स्थापित करती है कि शराब सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला साइकोएक्टिव पदार्थ है। इसके बाद भांग और ओपिओइड हैं। भांग के सर्वाधिक प्रचलन वाले राज्य उत्तर प्रदेश, पंजाब, सिक्किम, छत्तीसगढ़ हैं। दस अन्य चिकित्सा संस्थानों और 15 एनजीओ के नेटवर्क के सहयोग से देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राष्ट्रीय सर्वेक्षण किया गया था। भारत में नशीली दवाओं और मादक द्रव्यों के सेवन में शामिल 13 प्रतिशत से अधिक लोग 20 वर्ष से कम उम्र के हैं, जो किशोरों को लक्षित करने वाले सामुदायिक हस्तक्षेप और निवारक तंत्र को आगे बढ़ाने की आवश्यकता का सुझाव देते हैं। नशीली दवाओं और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने कहा है कि कई बच्चों को अपने खराब मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के कारण नशीली दवाओं और शराब के दुरुपयोग का खतरा बढ़ जाता है, जो स्वयं हिंसा, शोषण और यौन शोषण का परिणाम है। भारतीय निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि सख्त दवा नियंत्रण कानूनों के अस्तित्व और दवा आपूर्ति नियंत्रण की दिशा में काम करने वाली एजेंसियों की एक बड़ी संख्या के बावजूद अवैध दवाओं की एक विस्तृत विविधता प्रचलन में है। नशीले पदार्थों की लत वाले 10 में से नौ लोग 18 साल की उम्र से पहले पदार्थों का उपयोग करना शुरू कर देते हैं। अपनी 2021-25 की रणनीति में, एक संस्थान ने अपनी तीन क्रॉस-कटिंग प्रतिबद्धताओं में से एक के रूप में युवाओं और बच्चों की परिवर्तनकारी शक्ति का उपयोग करने को परिभाषित किया है। अवैध ड्रग एब्यूजर्स के जोखिम कारकों में ड्रग एब्यूज व्यक्तित्व लक्षणों के लिए जैविक पूर्व-प्रवृत्ति हो सकती है जो सामाजिक बंधन की कमी, परिवार की निम्न स्थिति, पारिवारिक संबंध, माता-पिता की देखभाल, उपेक्षित दोषपूर्ण भावनात्मक और मानसिक समस्याओं, तनाव और अन्य समस्याओं को दर्शाती है। दुनिया में और विशेष रूप से भारत जैसे देश में युवाओं के बीच, समाजशास्त्रीय संदर्भ में नशा आदत बनाने वाला पदार्थ है जो सीधे मानव शरीर पर प्रभाव डालता है।

खनिज की खातिर खत्म होती खेती

> पिछले दिनों जब ईसीएल खनन का अपना क्षेत्र बढ़ा रही थी और तलझारी गाँव की सीमा के पास पहुँच गई थी, उसी समय संथाल समुदाय के हजारों आदिवासी अपने परंपरागत हथियारों के साथ वहां पहुँच गए और अपनी जमीनों पर जबरदस्ती खनन का विरोध किया। गाँव वालों का कहना था कि हम 'जान दे देंगे, लेकिन जमीन नहीं देंगे।' आदिवासी समाज के लोगों का कहना था कि 'हमें मत उजाड़ो, हमारी जमीनें चली जायेंगी तो हम जीते जी मर जायेंगे। यहां खदान से कोई फायदा नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण और प्रकृति का नुकसान कर रही है इसके साथ-साथ आदिवासी संस्कृति और आजीविका भी संकट में है।' इसके बावजूद प्रशासन ईसीएल के लिए जबरदस्ती जमीन अधिग्रहीत करने की जोर-आजमाइश करता हुआ कंपनी के एजेंट के रूप में खिदा। जब आदिवासी पुरुष थक गए तो आदिवासी महिलाओं ने मोर्चा संभाला। सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों के बीच टकराव ने हिंसक रूप ले लिया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन और टीयर गैस का इस्तेमाल किया गया। इस संघर्ष में महगामा के एसडीओपी सहित सुरक्षा बलों के पांच जवान और लगभग एक दर्जन ग्रामीण घायल हुए तथा एक दर्जन से ज्यादा ग्रामीणों को हिरासत में लिया गया।

खनन के लिए यदि पांचवीं अनुसूची के क्षेत्रों में जमीनें ली जायेंगी, तो सबसे पहले ग्रामसभा की मंजूरी जरूरी है, अन्यथा यह गैर-कानूनी हो जायेगा। संविधान की पांचवीं अनुसूची और छठवीं अनुसूची ने आदिवासियों को उन इलाकों की सारी भूमि का मालिक बनाया है। संथाल परगना टेनेंसी एक्ट के अनुसार इस इलाके की जमीन को न तो बेचा जा सकता है और न ही इसका हस्तांतरण किया जा सकता है, चाहे वह आदिवासियों की जमीन हो या गैर-आदिवासियों की, लेकिन विकास का मॉडल दूसरे की ज़मीन छीनकर ही बनता है। झारखंड में ढेर सारी कोयला खदानें हैं, लेकिन वे आदिवासियों के लिए अभिशाप हैं। गोड्डा जिला में कोयला निकालने के लिए राजमहल परियोजना के अंतर्गत ईसीएल (ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) लगातार कई गांवों को विस्थापित कर रही है। गोड्डा जिला के लालमटिया प्रखंड के कई गांव देखते ही देखते नक्शे से गायब होकर विकास की भेंट चढ़ गए हैं। पहले कुछ गाँवों को लालच देकर और बाद में कई गाँवों को जबरदस्ती, दमन करके विस्थापित किया गया और खदान बनाकर कोयला निकाला गया। बसडीहा, लोहन्डिया, डकैटा सहित कई गाँव आज हैं ही नहीं या फिर थोड़ा बहुत बचे हैं जो कुछ दिनों में खत्म हो जायेंगे। इसी क्रम में तालझारी गाँव भी है जहाँ आदिवासी समुदाय के संथाल जनजाति के लोग बहुसंख्यक हैं। बेहद शांत और पहाड़ी के किनारे बसे इस गाँव में बहुफसली खेती होती है, लेकिन आज यह गाँव अपने अस्तित्व के लिए सरकारी तंत्र से लड़ रहा है। ऐसा नहीं है कि झारखंड के खतियानी लोगों का यह गाँव गैर-कानूनी तरीके से बसा है। सभी के पास जमीनों के दस्तावेज हैं जो कानूनन वैध भी हैं, लेकिन फिर भी इसे जबरदस्ती खनन के नाम पर विस्थापित करने के लिए गोड्डा का जिला प्रशासन हर हथकंडा अख्तियार कर रहा है। पिछले दिनों जब ईसीएल खनन का अपना क्षेत्र बढ़ा रही थी और तलझारी गाँव की सीमा के पास पहुँच गई थी, उसी समय संथाल समुदाय के हजारों आदिवासी अपने परंपरागत हथियारों के साथ वहां पहुँच गए और अपनी जमीनों पर जबरदस्ती खनन का विरोध किया। गाँव वालों का कहना था कि हम 'जान दे देंगे, लेकिन जमीन नहीं देंगे।' आदिवासी समाज के लोगों का कहना था कि 'हमें मत उजाड़ो, हमारी जमीनें चली जायेंगी तो हम जीते जी मर जायेंगे। यहां खदान से कोई फायदा नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण और प्रकृति का नुकसान कर रही है। इसके साथ-साथ आदिवासी संस्कृति और आजीविका भी संकट में है।' इसके बावजूद प्रशासन ईसीएल के लिए जबरदस्ती जमीन अधिग्रहीत करने की जोर-आजमाइश करता हुआ कंपनी के एजेंट के रूप में दिखा। जब आदिवासी पुरुष थक गए तो आदिवासी महिलाओं ने मोर्चा संभाला। सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों के बीच टकराव ने हिंसक रूप ले लिया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन और टीयर गैस का इस्तेमाल किया गया। इस संघर्ष में महगामा के एसडीओपी सहित सुरक्षा बलों के पांच जवान और लगभग एक दर्जन ग्रामीण घायल हुए तथा एक दर्जन से ज्यादा ग्रामीणों को हिरासत में लिया गया। संघर्ष, तनाव और ग्रामीणों की नारेबाजी के बीच ईसीएल के अफसरों ने तालझारी गांव में अधिग्रहित जमीन पर बुलडोजर और जेसीबी की मदद से सीमांकन और समतलीकरण शुरू करा दिया। इस क्षेत्र में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ईसीएल ने अपनी राजमहल कोल परियोजना के विस्तार के लिए बीते पांच सालों में बोआरीजार प्रखंड के तालझारी गांव की 125 एकड़ जमीन अधिग्रहित की है। वर्ष 2018 से ही वहां ईसीएल की ओर से खदान विस्तार की प्रक्रिया शुरू करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन तालझारी के रैयतों सहित आसपास के गांवों ने कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि आदिवासी बहुल क्षेत्र में पांचवीं अनुसूची के अनुसार कोई भी कार्य बिना ग्रामसभा की सहमति के शुरू नहीं किया जा सकता। वर्ष 2018 में तालझारी गाँव के ग्रामीणों ने ग्रामसभा के माध्यम से निश्चय किया था कि गाँव और गाँव की बाकी जमीनों को किसी भी हाल में कोयला खनन के लिए ईसीएल को नहीं दिया जायेगा। फिर भी जबरदस्ती कई प्रयास किये गए कि जमीन हथिया ली जाए, लेकिन यह नहीं हो सका। ग्रामीण लगातार विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि ईसीएल प्रबंधन ने पूर्व में लोगों को ठगने का काम किया है जिसका नतीजा है कि पूर्व में हुए विस्थापित लोगों में कइयों को आज तक मुआवजा, नौकरी और पुनर्वास नहीं मिला है। वहीं रैयतों की जो जमीन ली गयी है, वह ग्रामसभा की सहमति की बजाय कुछ लोगों को प्रबंधन द्वारा अपने पक्ष में करके ली गई है। ऐसे में, बगैर ग्रामसभा के भूमि-अधिग्रहण को वे नहीं मानते। आज से करीब सात-आठ साल पहले गोड्डा में अडानी कंपनी का प्रवेश हुआ था। परसपानी गाँव में पॉवर प्लांट लगना था, वो भी बंजर जमीन पर, लेकिन राजनीति के कारण वहाँ जमीन अधिग्रहण नहीं हो पाया। बाद में मोतिया गाँव के लोगों ने अडानी का स्वागत किया, हालांकि कुछ लोगों द्वारा विरोध भी हुआ। इस विरोध में शामिल कुछ लोगों का जमीन से मोह था, तो कुछ राजनीति से प्रेरित थे। उस समय केंद्र में भाजपा सरकार चला रही थी, तो राज्य में भी रघुवरदास की भाजपा सरकार थी। आदिवासियों की कुछ एकड़ जमीन लेने के लिए सरकार को नाकों चने चबाना पड़े और खबर बहुत दूर तक गयी, लेकिन राजनीति का ये भी एक रंग था। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी, जो आदिवासियों की हिमायती होने का दंभ भरती है, मोतिया आकर पीड़ित परिवारों का दर्द जानने का प्रयास नहीं किया। गोड्डा जिले की राजमहल परियोजना ईसीएल के लिए जमीन अधिग्रहण फिर से किया जा रहा है, लेकिन इस बार कोई राजनीतिक दल उनके साथ नहीं है। ग्रामीण पूर्व में भी ठगे जा चुके हैं, इसीलिए इस बार जमीन देने का विरोध करने को उतारू हैं, लेकिन परियोजना को जमीन चाहिए, वरना ईसीएल का काम बाधित हो जाएगा। केंद्र सरकार और कोल इंडिया मजबूर हैं, क्योंकि इसी खदान के कोयले से दो-दो विद्युत परियोजनाओं को कोयला दिया जा रहा है। आजकल केंद्र में भाजपा है और राज्य में महागठबंधन की सरकार, लेकिन आदिवासियों की आवाज किन्हीं के कानों तक नहीं जा रही। जिस क्षेत्र में जमीन अधिग्रहण करने के लिए झारखंड पुलिस ग्रामीणों पर बल प्रयोग कर रही है, वहाँ के विधायक लोबिन हेम्ब्रम हैं। सरकार पर हमेशा तल्ख टिप्पणी करने में कोई कसर नहीं छोड़ते, लेकिन इस मुद्दे पर मौन हैं।

देश दुनीया से

प्रकाश की गौरवगाथा है ब्रह्माण्ड

तैत्तिरीय उपनिषद में लिखा हैः यह ब्रह्मांड, वास्तव में, प्रारम्भ में कुछ भी नहीं था। न स्वर्ग था, न पृथ्वी, न वातावरण। यह जीव, जो पूरी तरह से गैर-अस्तित्व था, ने एक इच्छा की कल्पना कीः 'मैं हो सकता हूं।' ब्रह्मांड, वास्तव में, ल्यूमेनोस्फीयर या फोटोस्फीयर है, अर्थात प्रकाश का घर, या प्रकाशालय। करोड़ों (संभवतः अरबों) आकाशगंगाओं में प्रत्येक में अरबों सितारे हैं, सभी अनंत सीमाओं में अपने प्रकाश को उड़ेलते-उलीचते-बिखेरते। ब्रह्मांड प्रकाश की रचनात्मकता का रौचकताओं से भरा एक 'उत्पाद' है। प्रकाश परिमित सीमाओं में नहीं रह सकता। इसलिए, उसने अपने लिए विराटतम घर बनायाः असीमित सीमाओं वाला ब्रह्माण्ड। पृथ्वी ग्रह सौर परिवार का अब तक ज्ञात एकमात्र जीवित सदस्य है जो पूरे परिवार के संतुलन में योगदान देता है। यह प्रकाश ही है जो पूरे सौर परिवार को एकजुट और एकीकृत रखता है। सौरमंडल में अपने मूल स्रोत सूर्य से उत्सर्जित होकर प्रकाश अपनी रचनात्मक यात्रा करता है और ब्रह्मांड को विकासवादी पथ पर स्थापित करने के लिए वह सब करता है जो उसे करने की आवश्यकता होती है। इसे जो कुछ भी करना पसंद है और जो कुछ भी करना है, यह सब इसकी विकासोन्मुख रचनात्मकता का एक गुण है। प्रकाश कभी स्थिर नहीं होता, कभी सुस्त नहीं होता, कभी निष्क्रिय नहीं होता, कभी धीमा नहीं होता, कभी विश्राम में नहीं होता। यह अनवरत क्रियाशील रहता है। यह सबसे तेज गति से यात्रा करता है। प्रकाश से तेज गति से कोई यात्रा नहीं कर सकता। यह सदैव क्रियाशील रहता है। यह सदैव सृजनात्मक रहता है। प्रकाश से अधिक गतिशील कुछ भी नहीं हो सकता। प्रकाश अंतरिक्ष में तरंगों के रूप में यात्रा करता है। लेकिन जब यह किसी ग्रह से टकराता है, तो यह अपने फोटोन कणों के माध्यम से क्रिया करके अपना व्यवहार बदल देता है। फोटॉन अपनी ऊर्जा को पदार्थ में स्थानांतरित करते हैं। प्रकाश की ऊर्जा से आवेशित पदार्थ में परिवर्तन होता है। कोई भी कुछ भी प्रकाश से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। प्रकाश के संपर्क में आने पर कुछ भी शांत, निष्क्रिय और अपरिवर्तित नहीं रह सकता। ब्रह्मांड प्रकाश की रचनात्मकता के लिए एक घर प्रदान करता है। प्रकाश अपने घर को अपनी ऊर्जा से भर देता है और उसे एक करिश्माई क्रम में संचालित रखता है जो एक आश्चर्यजनक संतुलन प्रदान करता है। संपूर्ण ब्रह्माण्ड प्रकाश द्वारा प्रलोभित है। ब्रह्मांड में प्रकाश ही सबकुछ रचता है। ब्रह्मांड का नियम कहता है कि कुछ भी अपरिवर्तित नहीं रहना चाहिए। ब्रह्मांड के लिए जो प्रकाश से आवेशित है, गतिशील रहता है। यह विकासोन्मुखी (ऐवोलुशनरी) होता है। इस परिवर्तन में एक लय होती है, एक क्रम होता है, एक संगीतात्मकता होती है। सब कुछ स्वयं को नवीनीकृत करता है, क्योंकि नवीनीकरण ब्रह्मांड का एक विधान है। नवीकरणीयता ब्रह्मांड के नियमों में से एक है, क्योंकि ब्रह्मांड प्रकाशालय है। प्रकाश से दमकता ब्रह्मांड निरंतर अपनी रचनात्मक यात्रा करता रहता है और ब्रह्मांड में सब कुछ – इसके आकाशीय पिंडों, ग्रहों, चंद्रमाओं और उल्कापिंडों में सबकुछ – अनिवार्य रूप से रहस्यभरी रचनात्मकता की इस यात्रा में भाग लेता है। सार्वभौमिक रचनात्मकता की अपनी भव्य यात्रा में प्रकाश ने ब्रह्मांडीय पदार्थ को जीवन-प्रक्रियाओं में रूपांतरित कर जैवमंडल का निर्माण किया। जैवमंडल में प्रकाश की असाधारण भूमिका होती है। प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से यह जीवन चक्र रचता है और जीव-धाराओं में प्रवाहित होता है। यह विशाल, अथाह और अद्भुत जैव विविधता बनाता है। यह अपनी रचनात्मकता के सभी रंगों को सभी जीवित प्रजातियों में, उनकी रज में, विविध परिदृश्यों में फैले विविध पारिस्थितिक तंत्रों में, जल में, भूमि पर, मिट्टी में और वातावरण में फैलाता है।

> प्रकाश परिमित सीमाओं में नहीं रह सकता। इसलिए, उसने अपने लिए विराटतम घर बनाया : असीमित सीमाओं वाला ब्रह्माण्ड। पृथ्वी ग्रह सौर परिवार का अब तक ज्ञात एकमात्र जीवित सदस्य है जो पूरे परिवार के संतुलन में योगदान देता है। यह प्रकाश ही है जो पूरे सौर परिवार को एकजुट और एकीकृत रखता है। सौरमंडल में अपने मूल स्रोत सूर्य से उत्सर्जित होकर प्रकाश अपनी रचनात्मक यात्रा करता है और ब्रह्मांड को विकासवादी पथ पर स्थापित करने के लिए वह सब करता है जो उसे करने की आवश्यकता होती है। इसे जो कुछ भी करना पसंद है और जो कुछ भी करना है, यह सब इसकी विकासोन्मुख रचनात्मकता का एक गुण है। प्रकाश कभी स्थिर नहीं होता, कभी सुस्त नहीं होता, कभी निष्क्रिय नहीं होता, कभी धीमा नहीं होता, कभी विश्राम में नहीं होता।

नागरिक बोध

यूपी के निकाय चुनाव में मतदाताओं को बसपा सुप्रीमो मायावती रिझाने की बनाई रणनीति

डेढ़ दशक से राजनीति से दूर बसपा सुप्रीमो इस बार निकाय चुनाव में फूंक फूंक के कदम रख रही है। हाथी की मस्त चाल में मतदाता आगे निकल कर हाथी को पीछे छोड़ दिया। इस बार सभी दल अपने अपने मतदाताओं से मुखर हो रहे है। दलितों को मुट्ठी में समझने वाली मायावती की झोली कई वर्षों से खाली हो गई है। दलितों को बेहतरी और बराबरी का सपना दिखाने वाली मायावती मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने वाली माया का मंसूबा प्रधानमंत्री बनने का था। मायावती का सपना पूरा नही हुआ।लेकिन तब विधानसभा चुनाव में अस्तित्व बचाने की चुनौती थी। हालांकि अब निकाय चुनाव में मायावती ने कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर दिशा निर्देश दिए। 2024 के पहले मायावती को दलित पिछड़ा और मुस्लिम वोट जोड़ने का है। कांशीराम को इस बार याद किया गया है। मायावती की हार की बौखलाहट हर समय ईवीएम की तरफ रहती है।इस बार निकाय चुनाव में कौन पार्टी किस तरह का प्रदर्शन करती है। यह समय की मांग है। लेकिन मायावती की हार के बाद अनर्गल बयानबाजी रहती ही है। मायावती को इस बार निकाय चुनाव में दलितों,पिछड़ा और मुस्लिम वोटरों को रिझाने निकली है। तीन दशक पूर्व मायावती जिन मुद्दों,नारो,रणनीति सामाजिक समीकरण और नेता के सहारे संसदीय राजनीति में उतरी थी। तीन दशक बाद भी उसी के सहारे खड़ी है। जबकि सच्चाई यह है कि तीन दशक से ज्यादा समय होने के बाद राजनीति और समाज मे ढेर सारे परिवर्तन हो चुके है। जिन दलितों और पिछड़ा वर्ग की बात की जा रही है इन दलों में भी शैक्षणिक और आर्थिक प्रगति हुई है। लेकिन मायावती ने अपनी रणनीति में कोई ठोस बदलाव नही किया है।वो उसी ढर्रे से चल रही है। जो बदलाव किए वो महज सत्ता पाने के लिए किए गए । पार्टी और संगठन के आंतरिक ढांचे में उन परिवर्तनों का कोई खास असर नही पड़ा।

इजराइली पुलिस ने अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंके : नमाजियों को गिरफ्तार किया; जवाब में हमास ने 9 रॉकेट दागे, कहा- कीमत चुकानी पड़ेगी

येरूशलम।

इजराइल में येरूशलम के अल-अक्सा मस्जिद में पुलिस और फिलिस्तीनियों की बीच झड़प हो गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार किया है और उन पर पवित्र मस्जिद को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक, कुछ फिलिस्तीनियों ने खुद को पटाखों, लाठी और पत्थरों के साथ मस्जिद में बंद कर लिया था और बाहर बैरिकेडिंग लगा दी थी। इसके बाद पुलिस फोर्स को उन्हें रोकने के लिए मस्जिद में घुसना पड़ा। पुलिस ने बताया कि मस्जिद में प्रवेश करते से ही नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने उन पर पत्थर और पटाखों से हमला कर दिया। इस दौरान एक पुलिसकर्मी घायल भी हुआ। फिलिस्तीनी गवाहों ने कहा कि रमजान के महीने में इजलाइल पुलिस ने उन पर ग्रेनेड और आंसू गैस से हमला किया, जिससे उनका दम घुटने लगा। झड़प में 14 लोग घायल हुए हैं।

इजराइली सेना ने गाजा में की जवाबी कार्रवाई - हमले के कुछ देर बाद गाजा स्ट्रिप से इजराइल में 9 रॉकेट दागे गए। इजराइली आर्मी के मुताबिक उन्होंने 5 रॉकेट को मार गिराया, जबकि बाकी खुले मैदान में गिरे। किसी भी ग्रुप ने अभी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन माना जा रहा है कि अटैक आतंकी संगठन हमास की तरफ से किया गया था। इजराइली सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा में कई लड़ाकू विमानों से हमला किया। इस दौरान ट्रेनिंग कैंप्स को निशाना बनाया गया।

हमास बोला- मस्जिद की रक्षा के लिए एकजुट हों

फिलिस्तीनी - अल-अक्सा मस्जिद में हुए हमले की हमास ग्रुप ने निंदा की है। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई को गंभीर अपराध बताया। उन्होंने फिलिस्तीनियों से मस्जिद की रक्षा के लिए एकजुट होने को कहा। हमास के डिप्टी हेड सालेह अल-अरौरी ने कहा- इजराइल को इस्लाम के पवित्र स्थानों पर हमले की बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। मस्जिद में हमले का विरोध करते हुए गाजा में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। उन्होंने मस्जिद की रक्षा करने के नारे लगाए और कई टायरों को आग लगा दी। अल-अक्सा मस्जिद हरम अल-शरीफ के परिसर में बनी है, जिसकी देखरेख जॉर्डन करता है। हमले के बाद जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने इजराइल को मस्जिद में मौजूद लोगों पर जुर्म करने के लिए जिम्मेदार ठहराया।

न्यूज ब्रीफ

ईरान ने यूएई में तैनात किया राजदूत: 2016 के बाद पहली बार, तेहरान में दूतावास पर हमले के बाद खराब हुए थे रिश्ते

तेहरान। ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच एक बार फिर से रिश्ते बेहतर करने की कोशिशें शुरू हो गई हैं। यही कारण है कि ईरान ने 2016 के बाद पहली बार संयुक्त अरब अमीरात में राजदूत नियुक्त किया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने 2016 के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपना पहला राजदूत नियुक्त किया। ईरान के नवनियुक्त राजदूत रेजा अमेरी ने विदेश मंत्रालय में ईरानी प्रवासी कार्यालय के महानिदेशक के रूप में कार्य किया था। पिछले साल अगस्त में, यूएई ने ईरान के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने और तेहरान में अपने राजदूत की वापसी की घोषणा की थी। जनवरी 2016 में ईरानी प्रदर्शनकारियों ने रियाद में एक प्रमुख शिया धर्मगुरु को फांसी दिए जाने के बाद तेहरान में सऊदी दूतावास पर हमला किया था। इसके बाद सऊदी अरब ने ईरान के साथ संबंध तोड़ लिया था। ईरान और सऊदी अरब के बीच दुश्मनी ने पहले खाड़ी में स्थिरता और सुरक्षा को खतरा पैदा कर दिया था। इसने यमन से लेकर सीरिया तक मध्य पूर्व में संघर्ष को बढ़ावा दिया था। हालांकि, पिछले महीने एक महत्वपूर्ण सफलता में, रियाद ने घोषणा की कि वह चीनी ब्रोकर्ड डील में तेहरान के साथ संबंधों को फिर से स्थापित करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब और ईरान के शीर्ष दूत बीजिंग में मुलाकात भी करेंगे।

तुर्की ने भारत के दुश्मन पाक को दिया घातक लड़ाकू ड्रोन अकिंसी , ड्रोन पर लगे पैच पर कश्मीर को दिखाया पाकिस्तान का हिस्सा!

अंकारा। भारत के दुश्मन पाकिस्तान के बीच तुर्की के रक्षा संबंध लगातार मजबूत होते जा रहे हैं। तुर्की ने पाकिस्तान की वायुसेना को अपना सबसे अत्याधुनिक और घातक ड्रोन अकिंसी दिया है। यह ड्रोन विमान हवा में वार करने में माहिर है और क्रूज मिसाइलों से लैस है। पाकिस्तान को तुर्की ने जो ड्रोन दिया है, उस पर नया पैच लगाया गया है, जिस पर कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया है। मीडिया के अनुसार इस ड्रोन के पायलटों के लिए खास पैच को पाकिस्तानी एयर फोर्स ने डिजाइन किया है। पिछले साल पाकिस्तानी पायलटों को तुर्की की ड्रोन कंपनी बायकर के अंदर इन अकिंसी ड्रोन को उड़ाने की ट्रेनिंग दी गई थी। इस तरह का पहला ड्रोन पाकिस्तान की सेना को पहले ही दिया जा चुका है, बाकी के ड्रोन विमानों को जल्द ही आपूर्ति कर दी जाएगी। इस पैच पर कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताया गया है। इस पैच में पाकिस्तान को हरे और तुर्की को लाल रंग में दिखाया गया है। दोनों देशों के नक्शे के बीच में एक लाल चांद और सितारा दिखाया गया है। इस पैच पर गेम ऑफ ड्रोन लिखा है। जो लोकप्रिय टीवी सीरिज गेम ऑफ थ्रोन से लिया गया है। इस पैच पर इसी टीवी सीरिज से लिखा है, डर तलवार से भी ज्यादा गहरा घाव देता है। तुर्की ने इस ड्रोन को अभी 5 देशों को सप्लाइ किया है, जिसमें पाकिस्तान, अजरबैजान और किर्गिस्तान शामिल हैं।

भारत ने कहा- यूएन सुरक्षा परिषद में सिर्फ अस्थायी श्रेणी में विस्तार करने से नहीं होगा समस्या का समाधान

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी स्थायी सीट के लिए भारत के दावे का बचाव करते हुए कहा कि अस्थायी सदस्यता का विस्तार करने से दोनों श्रेणी के सदस्यों के बीच मतभेद बढ़ जाएगा। यूएनएससी को संबोधित करते हुए कंबोज ने कहा, भारत स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता के विस्तार के पक्ष में है लेकिन सिर्फ अस्थायी श्रेणी में विस्तार करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यह स्थायी और अस्थायी सदस्यों के बीच के अंतर को और भी अधिक बढ़ा देगा और यह चीज वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों के लिए उचित नहीं है। सुरक्षा परिषद की वर्तमान संरचना समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती है। इसमें सुधार की तत्काल आवश्यकता है। कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र के 2015 के फ्रेमवर्क दस्तावेज का हवाला देते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के 122 में से 113 सदस्य दोनों मौजूदा श्रेणियों में विस्तार का समर्थन करते हैं। इसका अर्थ यह है कि दस्तावेज में 90 प्रतिशत से अधिक लिखित प्रस्तुतियां दोनों श्रेणियों की सदस्यता के विस्तार के पक्ष में हैं। फिर स्थायी सदस्यता का भी विस्तार क्यों किया जाना चाहिए।

नाटो का नया मेंबर बना फिनलैंड

अब इस मिलिट्री अलायंस में 31 देश; रूस ने कहा- ये हमारी सिक्योरिटी पर हमला

ब्रसेल्स।

फिनलैंड नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन का नया मेंबर बन गया है। वो इस मिलिट्री अलायंस में शामिल होने वाला 31वां देश है। नाटो के सेक्रेटरी जनरल जेन्स स्टोलनबर्ग ने ऐलान किया कि फिनलैंड अब नाटो का मेंबर बन गया है। दूसरी तरफ, रूस को नाटो का विस्तार सख्त नागवार गुजरा। क्रेमलिन से जारी बयान में कहा गया- फिनलैंड को नाटो में शामिल करना एक तरह से रूस की सिक्योरिटी पर हमला है। हम इससे निपटेंगे।

ऐतिहासिक सप्ताह - नाटो का हेडक्वॉर्टर ब्रसेल्स में है। माना जा रहा है कि बहुत जल्द स्वीडन भी नाटो का हिस्सा बन जाएगा। स्टोलनबर्ग ने मीडिया से बातचीत में कहा- हमारे लिए यह हफ्ता ऐतिहासिक होने जा रहा है। नाटो देश एक प्लेटफॉर्म पर आ रहे हैं। फिनलैंड हमारी नाटो फैमिली का नया मेंबर बन चुका है। बहुत जल्द स्वीडन भी इसका हिस्सा बनेगा। स्टोलनबर्ग नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा- नाटो हेडक्वॉर्टर पर पहली बार फिनलैंड का झंडा फहराया गया। अब उसकी सिक्योरिटी का जिम्मा नाटो देशों का होगा। फिनलैंड के प्रेसिडेंट साउली निनीस्तो और डिफेंस मिनिस्टर एंत्ती काइकोनेन भी सेरेमनी का हिस्सा बने।

रूस को दिक्कत - फिनलैंड के नाटो में शामिल होने का रूस ने विरोध किया है। उसके डिप्टी प्राइम मिनिस्टर एलेक्जेंडर ग्रूस्को ने कहा- नाटो की हर हरकत पर नजर रखी जा रही है। हम भी अपने सिक्योरिटी सर्कल को बढ़ाने जा रहे हैं। अगर फिनलैंड में नाटो फोर्स तैनात होती है तो हम कुछ और कदम उठाएंगे। फिनलैंड की नाटो में एंट्री ऐसे वक्त में हुई है, जबकि देश में इसकी डिमांड की जा रही थी। इसकी वजह रूस से खतरा बताया जा रहा है। यहां 3 दिन पहले ही प्रधानमंत्री सना मारिन की पार्टी चुनाव हारी है। हालांकि वो भी नाटो मेंबर बनने के लिए काफी वक्त से मेहनत कर रही थीं।

अब स्वीडन पर नजर - तुर्किये और हंगरी दो ऐसे देश हैं, जो फिनलैंड और स्वीडन को नाटो में शामिल किए जाने में परेशानियां पैदा कर रहे थे। उन्होंने कई शर्तें भी थोपी थीं। इसी वजह दोनों देशों को मेंबर बनाए जाने में दिक्कत हो रही थी। बहरहाल, फिनलैंड तो इस ग्रुप में शामिल हो गया है, अब स्वीडन पर नजर है। पिछले हफ्ते स्वीडन को मेंबर बनाने के मामले में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने तुर्किये के विदेश मंत्री से बातचीत की थी। नाटो में किसी नए मेंबर को शामिल करने के लिए सबसे जरूरी शर्त ये है कि ग्रुप का हर मेंबर इस पर सहमत हो। नाटो ने एक बयान में कहा- स्वीडन को किसी कीमत पर अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।

क्या है नाटो - नाटो का पूरा नाम नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन है। यह यूरोप और उत्तरी अमेरिकी देशों का एक सैन्य और राजनीतिक गठबंधन है। नाटो की स्थापना 4 अप्रैल 1949 को हुई थी। इसका हेडक्वार्टर बेल्जियम के ब्रसेल्स में है। नाटो की स्थापना के समय अमेरिका समेत 12 देश इसके सदस्य थे। अब 31 सदस्य देश हैं, जिनमें 29 यूरोपीय और दो उत्तर अमेरिकी देश हैं। इस संगठन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी नाटो देशों और उसकी आबादी की रक्षा करना है। नाटो के आर्टिकल 5 के मुताबिक, इसके किसी भी सदस्य देश पर हमले को नाटो के सभी देशों पर हमला माना जाएगा। 1952 में नाटो से जुड़ा तुर्किये इसका एकमात्र मुस्लिम सदस्य देश है।

नाटो की नींव कैसे पड़ी थी - दूसरे विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ को रोकने के लिए अमेरिकी और यूरोपीय देशों ने सैन्य गठबंधन बनाया था, जिसे नाटो के नाम से जाना जाता है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ और अमेरिका दो सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरे, जो दुनिया पर अपना दबदबा कायम करना चाहते थे। इससे अमेरिका और सोवियत संघ के संबंध बिगड़ने लगे और उनके बीच कोल्ड वॉर की शुरुआत हुई। सोवियत संघ की कम्युनिस्ट सरकार दूसरे विश्व युद्ध के बाद कमजोर पड़ चुके यूरोपीय देशों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहती थी। सोवियत संघ की योजना तुर्की और ग्रीस पर दबदबा बनाने की थी। तुर्की और ग्रीस पर पर कंट्रोल से सोवियत संघ ब्लैक सी के जरिए होने वाले दुनिया के व्यापार को कंट्रोल करना चाहता था। सोवियत संघ की इन नीतियों से पश्चिमी देशों और अमेरिका से उसके संबंध पूरी तरह खराब हो गए। आखिरकार यूरोप में सोवियत संघ के दबदबे को रोकने के लिए यूरोपीय देशों और अमेरिका ने मिलकर नाटो की नींव डाली।

रूस-यूक्रेन विवाद की वजह बना नाटो - 1991 में सोवियत संघ के 15 हिस्सों में टूटने के बाद नाटो ने खासतौर पर यूरोप और सोवियत संघ का हिस्सा रहे देशों के बीच तेजी से प्रसार किया। 2004 में नाटो से सोवियत संघ का हिस्सा रहे तीन देश- लातविया, एस्तोनिया और लिथुआनिया जुड़े, ये तीनों ही देश रूस के सीमावर्ती देश हैं। पोलैंड (1999), रोमानिया (2004) और बुल्गारिया (2004) जैसे यूरोपीय देश भी नाटो के सदस्य बन चुके हैं। ये सभी देश रूस के आसपास हैं।

चीन ने फिर नकारी गुब्बारे से अमेरिका की जासूसी की बात, लेकिन शक की वजह भी खुद दे दी

बीजिंग।

बीते दिनों चीन के जासूसी गुब्बारे के अमेरिका के हवाई क्षेत्र में दाखिल होने का मामला खूब सुर्खियों में रहा था। हालांकि चीन ने जासूसी की बात से इनकार किया था। अब एक बार फिर चीन ने जासूसी की बात से इनकार किया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया है। जिसमें कहा कि अमेरिका के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ अनमैन्ड एयरशिप पूरी तरह से अप्रत्याशित थी।

चीन के विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कथित जासूसी गुब्बारे को लेकर सवाल किया गया था। जिस पर उन्होंने कहा कि हमने कई बार साफ किया है और एक बार फिर कह रहे हैं कि अनमैन्ड नागरिक एयरशिप का अमेरिकी हवाई क्षेत्र में दाखिल होना पूरी तरह से अप्रत्याशित घटना थी। चीन इस घटना को बहुत ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने को खारिज करता है।

चीन ने शक की वजह भी खुद दी

बता दें कि चीन का कहना है कि जिस गुब्बारे को जासूसी गुब्बारा बताया जा रहा है, वह असल में मौसम की जानकारी और रिसर्च के उद्देश्य के लिए था। हालांकि चीन ने शक की वजह भी खुद दे दी है। दरअसल कई बार पूछे जाने के बाद भी चीन ने उस कंपनी का नाम नहीं बताया है, जिसका संबंध इस गुब्बारे से है। चीन के विदेश मंत्रालय के ताजा बयान में भी गुब्बारा किस कंपनी से संबंधित था, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

पेंटागन कर रहा जांच

चीन के विदेश मंत्रालय का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब अमेरिका के पेंटागन की प्रवक्ता सबरीना सिंह ने अपने एक बयान में कहा था कि चीन के जासूसी गुब्बारे की जांच और समीक्षा की जा रही है। पेंटागन की प्रवक्ता सबरीना सिंह ने जासूसी गुब्बारे को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि अभी की स्थिति ये है कि हम अभी भी समीक्षा कर रहे हैं कि असल में चीन ने जासूसी गुब्बारे में क्या सूचनाएं इकट्ठा की। अमेरिका के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चीन जासूसी गुब्बारे को हवा में संचालित करने में सक्षम था, ऐसे में हो सकता है कि उसने अमेरिका के सैन्य बेस की निगरानी की हो। गुब्बारे में इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल लगे थे और उन सिग्नल्स की मदद से रियल टाइम जानकारी बीजिंग भेजी जा सकती थी।

बता दें कि बीती 28 जनवरी को अमेरिका के राज्य अलास्का से एक जासूसी गुब्बारे ने अमेरिका के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया। इसके बाद 4 फरवरी तक यह विशाल गुब्बारा अमेरिका के कई राज्यों के ऊपर से होकर गुजरा। साथ ही कई सैन्य ठिकानों के ऊपर भी गुजरा।

भारत के साथ संबंध सबसे अहम, नए राजदूत की नियुक्ति पर व्हाइट हाउस ने दिया बड़ा बयान

वॉशिंगटन।

भारत में अमेरिका के नए राजदूत एरिक गार्सेटी की नियुक्ति पर व्हाइट हाउस ने कहा है कि नए राजदूत भारत और अमेरिका के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, आर्थिक आदि क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाएंगे। बता दें कि लॉस एंजेलेस के पूर्व मेयर एरिक गार्सेटी भारत में अमेरिका के नए राजदूत होंगे। बीती 24 मार्च को ही अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एरिक गार्सेटी को पद और गोपनीयत का शपथ दिलाई थी।

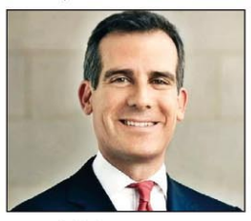

भारत के साथ रिश्ते बेहद अहम

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केरेन जीन पिएरे ने रिपोर्टर्स को बताया कि राष्ट्रपति कह चुके हैं कि हम भारत के साथ संबंधों को दुनिया में सबसे ज्यादा अहमियत देते हैं। राजदूत गार्सेटी हमारी महत्वकांक्षी कोशिश का नेतृत्व करेंगे और भारत के साथ क्रिटिकल और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ाएंगे। साथ ही रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे और लोगों से लोगों के बीच संबंधों और आर्थिक संबंधों को भी मजबूत करेंगे। जीन पिएरे ने कहा कि राष्ट्रपति, भारत के साथ रिश्तों को बहुत अहमियत देते हैं।

इस महीने भारत आ सकते हैं अमेरिकी राजदूत

गौरतलब है कि इस महीने गार्सेटी भारत आ सकते हैं। गार्सेटी का नामांकन को बीते माह ही अमेरिका की संसद ने मंजूर किया था। बीते दो साल से भारत में अमेरिकी राजदूत का पद खाली है। जुलाई 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडन ने एरिक गार्सेटी को भारत के राजदूत के रूप में नामांकित किया था लेकिन एरिक गार्सेटी पर लॉस एंजेलेस का मेयर रहते हुए अपने स्टाफ के यौन उत्पीड़न के आरोप लगे थे। जिसके चलते गार्सेटी का नाम अमेरिकी संसद से मंजूरी नहीं हो पा रहा था। दो साल के लंबे इंतजार के बाद गार्सेटी के नाम को मंजूरी मिली और अब वह जल्द ही अपना पदभार संभाल लेंगे।

अमेरिका ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीन के प्रयास का कड़ा विरोध किया

वाशिंगटन।

चीन अपने पैंतरेबाजी से बाज नहीं आ रहा है। अब उसने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की है। इस पर अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका भारतीय क्षेत्र अरुणाचल प्रदेश पर दावा करने के चीन के प्रयासों का दृढ़ता से विरोध करता है। यह हम पर और भारतीय क्षेत्र पर चीनी दावे का एक और प्रयास है। इसलिए, जैसा कि आप जानते हैं अमेरिका ने लंबे समय से उस क्षेत्र को मान्यता दी है और हम इन इलाकों का नाम बदलकर क्षेत्र के दावे को आगे बढ़ाने के किसी भी एकतरफा प्रयास का कड़ा विरोध करते हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव करीन जीन-पियरे ने कहा कि यह ऐसी चीज है जिस पर हम लंबे समय से कुछ चीजों को लेकर कायम हैं। अमेरिका का यह बयान चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय द्वारा अरुणाचल प्रदेश में 11 स्थानों के नामों के मानकीकरण के बाद आया है, जिसे वह तिब्बत के दक्षिणी भाग जंगनान के रूप में संदर्भित करता है। चीन की कैबिनेट के स्टेट काउंसिल द्वारा जारी

भौगोलिक नामों के नियमों के अनुसार अरुणाचल प्रदेश में 11 स्थानों के नाम चीनी अक्षरों, तिब्बती और पिनयिन भाषाओं में जारी किए हैं। मंत्रालय ने 11 स्थानों के नामों की घोषणा की और दो आवासीय क्षेत्रों, पांच पर्वत चोटियों, दो नदियों और दो अन्य क्षेत्रों सहित सटीक निर्देशांक भी दिए। समाचार रिपोर्ट के अनुसार, चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने भी स्थानों के नाम और उनके अधीनस्थ प्रशासनिक जिलों की श्रेणी सूचीबद्ध की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस हरकत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलने की चीन की कोशिश को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों का नाम बदलने के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक बयान में कहा, हमने ऐसी रिपोर्ट देखी हैं। यह पहली बार नहीं है जब चीन ने इस तरह का प्रयास किया है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। उन्होंने आगे कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविच्छेद्य अंग है और हमेशा रहेगा। मनगढ़ंत नामों को बताने का प्रयास इस वास्तविकता को नहीं बदलेगा। इस बीच प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत-अमेरिका संबंधों और राजदूत एरिक गार्सेटी के बारे में बात करते हुए पियरे ने कहा, यह कुछ ऐसा है जो मैंने यहां से कहा है समझा जाए कि राष्ट्रपति बाइडन ने कहा है। उन्होंने कहा कि जब हम भारत के साथ संबंधों को देखते हैं, तो यह दुनिया में अमेरिका के सबसे अधिक परिणामी संबंधों में से एक है जो अभी भी कायम है। राजदूत गार्सेटी महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत के साथ हमारे सहयोग को मजबूत करने, हमारे रक्षा सहयोग का विस्तार करने और हमारे आर्थिक और लोगों से लोगों के संबंधों को मजबूत करने के महत्वाकांक्षी प्रयास का नेतृत्व करेंगे।

क्रिमिनल केस के अलावा ट्रम्प पर 19 और मामले

पूर्व प्रेसिडेंट पर हिंसा, चुनाव में धांधली और रेप-मानहानि जैसे आरोप; सजा एक में भी नहीं

वॉशिंगटन।

30 मार्च 2023, न्यूयॉर्क के मैनहैटन कोर्ट ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर क्रिमिनल केस चलाने की घोषणा की। 4 अप्रैल को मैनहैटन की कोर्ट ने पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और आर्थिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के केस में 34 आरोप लगाए गए। ट्रम्प ने कोर्ट में कहा कि वो दोषी नहीं हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी।

अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब किसी राष्ट्रपति के खिलाफ आपराधिक मामला चलाया जा रहा है। ट्रम्प पर यह केस 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ अफेयर और उन्हें चुप रहने के लिए पैसे देने के आरोप में चलेगा।

बड़ी बात ये है कि ट्रम्प पर ये इकलौता केस नहीं है। उन पर कुल 19 केस चल रहे हैं। इनमें से आधे मामलों में उन पर राष्ट्रपति रहते हुए गलत आचरण के आरोप हैं। ट्रम्प पर चल रहे ज्यादातर केस 3 मामलों से जुड़े हुए हैं। पहला वित्तीय गड़बड़ी जिससे उन्होंने ज्यादा पैसे कमाए। दूसरा 6 जनवरी 2021 को संसद में हुई हिंसा में ट्रम्प की भूमिका। तीसरा केस है 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में दखलअंदाजी की कोशिश। हालांकि पूर्व राष्ट्रपति ने सभी मामलों को खारिज किया है। कुछ मामलों को बंद करने के लिए ट्रम्प ने याचिका भी लगा रखी है और कुछ में उन्होंने काउंटर केस दायर किया है।

वकील कोहेन ने मानी पॉर्न स्टार को पैसे देने की बात - डोनाल्ड ट्रम्प और पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स की मुलाकात पहली बार 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुई थी। तब ट्रम्प एक रियल एस्टेट कारोबारी थे। स्टॉर्मी ने अपनी किताब फुल डिस्क्लोजर में इस मुलाकात का जिक्र किया है।

अपनी किताब में स्टॉर्मी ने बताया कि ट्रम्प ने उन्हें पेंटहाउस में डिनर के लिए बुलाया था। किताब में उन्होंने ट्रम्प के साथ बने संबंधों और उनकी शारीरिक बनावट का भी जिक्र किया था। इसके बाद दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया था। आरोप है कि 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले ट्रम्प ने स्टॉर्मी को चुप रहने के लिए पैसे दिए

थे। ट्रम्प के वकील माइकल कोहेन ने भी इस बात को स्वीकार किया था कि उसने ट्रम्प की तरफ से पॉर्न स्टार को 1 लाख 30 हजार डॉलर (करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए) दिए थे। इस पेमेंट का खुलासा जनवरी 2018 में वॉलस्ट्रीट जर्नल ने किया था। इसी के आधार पर ट्रम्प के खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने का फैसला किया गया और कोर्ट में उन पर 34 आरोप लगाए गए।

ट्रम्प पर समर्थकों को भड़काने का आरोप - अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद में ट्रम्प के समर्थकों ने हिंसा की थी। 3 नवंबर 2020 को राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग में बाइडेन को 306 और ट्रम्प को 232 इलेक्टोरल वोट मिले। नतीजे सामने आते ही ट्रम्प और उनके समर्थकों ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाए। वोटिंग के 64 दिन बाद जब अमेरिकी संसद बाइडेन की जीत पर मुहर लगाने में जुटी तो ट्रम्प के समर्थक संसद में घुस गए। वहां तोड़फोड़ और हिंसा की। इसमें एक पुलिस अफसर समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा के बाद ट्रम्प पर अपने समर्थकों को भड़काने का आरोप लगा था। 18 महीने तक मामले की जांच चली। पिछले साल दिसंबर में जांच कमेटी ने एक 845 पेज की रिपोर्ट तैयार की। इसमें ट्रम्प को दोषी ठहराया गया। उनके खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने की सिफारिश की गई। इसके लिए 1000 चश्मदीदों के बयान दर्ज किए गए थे। जांच कमेटी ने ट्रम्प पर राष्ट्रपति चुनाव में हार के फैसले को पलटने, विद्रोह भड़काने, आधिकारिक कार्रवाई में बाधा डालने, साजिश रचने, झूठे बयान देने और देश को धोखा देने के आरोप लगाए। इसके बाद कमेटी ने मामले को जस्टिस डिपार्टमेंट को रेफर कर दिया। अब ग्रैंड ज्यूरी के सामने ट्रम्प के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति रहे माइक पेंस और व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ रहे मार्क मीडोज के बयान दर्ज किए जाएंगे। राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद जब ट्रम्प ने व्हाइट हाउस छोड़ा, तब उन पर आरोप लगे कि वो कई क्लासिफाइड डॉक्युमेंट अपने साथ ले गए। नेशनल आर्काइव्स ने कई बार डॉक्युमेंट मांगे लेकिन ट्रम्प ने इसे अनदेखा कर दिया। इसके बाद अगस्त में एफबीआई ने ट्रम्प के फ्लोरिडा स्थित रिजॉर्ट मार-ए-लागो और पाम हाउस पर छापा मारा। सर्चिंग के दौरान 13 हजार दस्तावेज जब्त किए गए जिनमें से 100 पर क्लासिफाइड लिखा हुआ था। इनमें नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी और एफबीआई से जुड़ी फाइल्स थीं।

जयपुर बम ब्लास्ट के आतंकवादियों का बरी कांग्रेस सरकार को पड़ेगा भारी : जोशी

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि 2008 जयपुर में हुए बम ब्लास्ट बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस सरकार खुद को बचाने के लिए राजस्थान के बडे-बडे वकीलों को मौटी रकम देकर हायर कर लेती है, लेकिन जयपुर ब्लास्ट में मारे गए 71 लोगों की कांग्रेस सरकार को कतई परवाह नहीं है। इसी के अन्तर्गत कांग्रेस सरकार द्वारा आतंकवादियों को बचाव में असंवेदनशीलता बरतते हुए एक बडा वकील क्यों नहीं कर सकी। जो इन आतंकवादियों को इनके किये कर्मों की सजा दिला सके। सीपी जोशी ने बुधवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कमजोर पैरवी के चलते जनता विरोधी ऐसे आतंकवादियों का छूटना कांग्रेस सरकार के लिए बहुत ही शर्मनाक विषय है। कांग्रेस पार्टी के आलाकमान को खुश करने के लिए तुष्टिकरण की राजनीति करते

हुए पैरवी को कमजोर करने की कोशिश की है। आश्चर्य का विषय है उदयपुर के कन्हैयालाल की हत्या से पहले स्वयं ने सुरक्षा की मांग की थी। लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा इसे हलके में लेते हुए सहयोग नहीं करते हुए सुरक्षा नहीं दी गई। हत्या के आरोपियों को जनता द्वारा पुलिस को सुपुर्द किया गया तो पुलिस प्रशासन द्वारा जनता को शाबासी देने की एवज में यह कहा गया कि आप लोगों को आरोपियों को पकड़कर लाने की कहां जरूरत पड़ रही है, ऐसे शब्द कांग्रेस सरकार के शासन में प्रशासन द्वारा बहुत ही शर्मनाक विषय है। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान में कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की सारी हदे पार कर चुकी है, हिंदू नववर्ष हो, रामनवमी का जुलूस हो या जय श्रीराम के नारे को रोकने वाली ऐसी जनविरोधी कांग्रेस सरकार कान खोलकर सुनले जब तक इस प्रकार की ओछी मानसिकता के साथ कांग्रेस की मानसिकता खत्म नहीं हो जाती तबतक भाजपा का कार्यकर्ता जनहित के लिए दृढ संकल्प के साथ खडा मिलेगा। साथ ही इस प्रकार की लापरवाही के चलते दुर्भाग्यपूर्ण फैसले का परिणाम कांग्रेस सरकार को निश्चित रूप से जनता द्वारा दिया जाएगा।

आयुस इलाज करवाने पर भी सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी मेडिक्लेम सुविधा

चंडीगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा में सरकारी कर्मचारी अगर आयुष पद्धति से अपना इलाज करवाएंगे तो इसका खर्च सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। इससे पहले प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों को केवल ऐलापैथी में यह सुविधा मिलती थी। मुख्यमंत्री लाल बुधवार को यहां मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आयुष प्रणाली धीरे-धीरे प्रचारित हो रही है। सरकारी कर्मचारी केवल इसी कारण से उपचार नहीं करवाते थे कि उन्हें आयुष पद्धति से करवाए गए इलाज का खर्च खुद वहन करना पड़ता था। अब सरकार ने आयुष पद्धति को सरकारी कर्मचारियों के लिए मंजूरी प्रदान कर दी है। कोई भी सरकारी कर्मचारी आयुष के माध्यम से इलाज करवाएगा तो उसे एलोपेथी की तर्ज पर रिंबर्समेंट मिलेगी।

महिला आयोग ने 2246 मामलों में से 1700 से ज्यादा निपटाएं : रेनू भाटिया

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने वर्ष 2022 – 23 की एक साल के कार्यकाल की रिपोर्ट बुक प्रस्तुत करते हुए बताया कि एक साल के दौरान उनके पास आये 2246 मामलों में से 1700 से ज्यादा मामले निपटाए गए, जबकि बाकी के बचे केस कोर्ट के अंदर पेंडिंग चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस एक साल के दौरान उन्होंने 17 जिलों में वन स्टॉप सेंटर और ह्यूमन ट्रैफिकिंग का काम किया और पूरे प्रदेश में जागरूकता को लेकर 75 कार्यक्रम आयोजित किए। बुधवार को एक नंबर स्थित अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा कि वह भगवान की शुक्रगुजार है कि उन्हें सरकार द्वारा उनका मनपसंद विभाग महिला आयोग दिया गया जिसके लिए मैं मुख्यमंत्री समेत तमाम दिग्गज नेताओं और संगठन का धन्यवाद करती हैं जिनकी वजह से उन्हें महिला आयोग की चेयरपर्सन के नाते सेवा करने का और काम करने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि पिछले 1 वर्ष उन्होंने सफलतापूर्वक पूरा किया है जिसमें सरकार संगठन और पुलिस महकमे का पूरा सहयोग मिला।

उन्होंने बताया कि पिछले 1 वर्ष में उन्होंने आयोग की टीम के साथ जागरूकता को लेकर 75 कार्यक्रम आयोजित किए जो पूरे देश में एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि इस दौरान उन्होंने 10 यूनिवर्सिटी में विजिट किया और 17 जिलों में वन स्टॉप सेंटर और हुमन ट्रैफिकिंग को लेकर जागरूकता अभियान चलाया और इसके अलावा 17 जिलों में जाकर विभिन्न केसों की सुनवाई की। अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए महिला आयोग की चेयरपर्सन ने दावा किया कि प्रदेश में अपराध का ग्राफ नीचे गिरा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में हमने 75 कार्यक्रम किए और वर्ष 2023 में 100 कार्यक्रम करने का हमने टारगेट रखा है जिसके तहत स्कूल कॉलेजों में जाकर जागरूकता बढ़ाई जाएगी।

मजदूरों व किसानों ने दिल्ली के लिए कूच किया

सोनीपत (हिंस)। सीटू के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा एवं किसान सभा के वरिष्ठ नेता श्रद्धानंद सोलंकी ने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी और कर्जदारी से तंग किसान, खेत मजदूर और संगठित तथा असंगठित क्षेत्र के मजदूर आत्महत्या करने को मजबूर हैं। जिन नीतियों ने जनता के जीवन को बर्बादी के कगार पर ला कर छोड़ा है। इसी के विरोध में दिल्ली के लिए कूच किया है। उन्होंने कहा कि कारपोरेट घरानों को पूंजीपतियों के हित को साधने के लिएस श्रम कानून हटाकर चार लेबर कोड बनाये गए हैं। इन श्रम कानूनों के माध्यम से मजदूरों के हड़ताल करने, यूनियन बनाने, पक्के रोजगार, 08 घंटे काम एवं न्यूनतम वेतन के अधिकार पर हमला किया गया है। अपनी मांगों के बारे में बताया कि सभी बेरोजगारों को रोजगार दो। न्यूनतम वेतन 26हजार रुपए हो। मनरेगा में 200 दिन काम व दिहाड़ी 600 रुपए लागू हो। एमएसपी कानून और फसल खरीदी की गारंटी। किसानों व मजदूरों का कर्ज माफ हो। खराब फसलों का मुआवजा मिले। शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, आवास की गारंटी मिले। स्कीम वर्कर्स आशा, आंगनबाड़ी, मिड-डे मील, क्रैच वर्करों व अस्थाई कर्मियों को स्थाई किया जाए। चार लेबर कोड्स और बिजली बिल 2022 वापिस हो। सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण और ठेका प्रथा पर रोक लगे।

परिवर्तन पदयात्रा से होगा व्यवस्था व सत्ता परिवर्तन : कांता चौटाला

सिरसा (हिंस)। इनेलो के प्रधान महासचिव एवं विधायक अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में शुरू की गई परिवर्तन पदयात्रा आपके द्वार से प्रदेश के अंदर निश्चित रूप से व्यवस्था व सत्ता का परिवर्तन होगा। इसलिए आप सब से अपील है कि आप इस पद यात्रा में अधिकाधिक संख्या में शामिल होकर सत्ता परिवर्तन में सहयोग दें। यह बात चौधरी अभय सिंह चौटाला की धर्मपत्नी कांता चौटाला ने बुधवार को जिले के डबवाली हलका के एक दर्जन से अधिक गांवों में लोगों को संबोधित करते हुए कही। कांता चौटाला ने आज कई गांवों में कार्यकर्ताओं के घर जलपान किया तथा सुख-दुख में शामिल हुई। उनका गांवों का दौरा आज डबवाली हलके के गांव रिसालियाखेड़ा से आरंभ हुआ। रिसालियाखेड़ा गांव में सबसे पहले वे एक स्कूल के कार्यक्रम में शामिल हुई। उसके बाद गांव में कई लोगों के घर जलपान किया। इसके बाद उन्होंने गांव

बनवाला, रत्ताखेड़ा, दारेवाला, गोविका, कालुआना में भी लोगों के घर जलपान किया और सुख-दुख में शामिल हुई। उन्होंने कुछ कार्यकर्ताओं के निधन पर उनके घर जाकर शोक व्यक्त किया। इस दौरान कांता चौटाला ने कहा कि वर्तमान सरकार से हर वर्ग परेशान हो चुका है। किसानों को उनकी फसलों का उचित रेट नहीं मिल रहा है। फसलें खराब हो गई मगर सरकार ने मुआवजा नहीं दिया है। कर्मचारी आंदोलन की राह पर हैं। युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। बेरोजगारी में हरियाणा नंबर वन बन गया है। ऐसे में लोग अब इस जनविरोधी सरकार से छुटकारा चाहते हैं। उन्होंने कहा कि परिवर्तन पद यात्रा प्रदेश में सत्ता परिवर्तन लाने का काम करेगी। उसके बाद इनेलो की सरकार होगी तथा हर तरफ खुशहाली होगी। पहले की तरह सरकार लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं का समाधान करेगी। इसलिए आप सब से अपील है कि आप पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सहयोग करे ताकि प्रदेश में इनेलो की सरकार बन सके। इस दौरे में उनके साथ हलका अध्यक्ष विनोद अरोड़ा, पूर्व विधायक डॉ. सीताराम, संदीप गंगा, चौधरी संदीप सिहाग, जोन इंचार्ज बबलू जाखड़, मोहन साहू, गिरधारी बिसू, मीनू बराड़, गुरचरण सिंह गंगा, अनीश कुमार, प्रवीण शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता थे।

मंत्रिमंडल का फैसला शहरी किराएदार बनेंगे मालिक

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के शहरी क्षेत्रों में भी अब स्वामित्व योजना लागू होगी। प्रदेश में किसी भी विभाग की मालकी वाली दुकान पर बैठे किराएदार सरकार की तय फीस अदा करने के बाद उसके मालिक बन सकते हैं। इसके लिए सभी जिलों में कलेक्टर रेट को आधार बनाया जाएगा। बुधवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लाल डोरे के भीतर स्वामित्व योजना शुरू करने के बाद स्थानीय निकाय विभाग के माध्यम से शहरी स्वामित्व योजना लागू की गई थी। जिसके माध्यम से स्थानीय निकाय विभाग की दुकानों में लंबे समय से किराए पर बैठे करीब एक हजार लोगों को मालिक बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि निकाय विभाग की योजना को लागू करते समय पता चला कि निकाय के अलावा लोक निर्माण विभाग, विकास एवं पंचायत विभाग, पब्लिक हेल्थ विभाग समेत कई विभागों की दुकानों में लंबे समय से किराएदार बैठे हुए हैं। अब सरकारी ने शहरी स्वामित्व योजना का विस्तार करते हुए स्थानीय निकाय विभाग से हटकर अन्य दूसरे विभागों में भी लागू करने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी प्रदान करने के बाद अब इस योजना का स्वरूप अन्य सभी विभागों को भेज दिया जाएगा। कलेक्टर रेट के आधार पर यह फीस तय की जाएगी। जिसकी अदायगी के बाद किराएदारों को मालिकाना हक दिया जाएगा।

घर में आग लगने से तीन जिंदा जले, चार झुलसे

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के अमृतसर के एक घर में बीती रात आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य झुलस गए। हादसे के समय घर में सात लोग थे। आग अचानक फैलने से वे खुद को बचा नहीं सके। झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अमृतसर के इस्लामाबाद स्थित रोज एन्क्लेव स्थित कोठी नंबर 18 में बीती रात अचानक आग लग गई। आसपास के लोगों ने लपटें देखकर तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। जिस समय आग लगी घर में 7 लोग सोए हुए थे। जब उनकी नींद खुली तो आग इतनी बढ़ चुकी थी कि वे बाहर नहीं निकल पाए और उनकी जिंदा जलने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान तजिंदर सिंह (40), मंदीप कौर (39) और बेटे दिलप्रीत के रूप में हुई है। वहीं सहज, दिलवांश, किरन और सुखमन दूसरे कमरे में सो रहे थे। वह भी झुलस गए, लेकिन वे समय रहते बाहर निकल गए। घायलों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि शॉट सर्किट की वजह से ही आग लगी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पंजाब के युवाओं को पसंदीदा बिजनेस खोलकर देगी सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रदेश के युवाओं को आह्वान किया है कि वह खुद अपना रोल मॉडल बनें और बिजनेस के लिए नए-नए आइडिया लेकर आएं। सरकार उनके सपनों को साकार करते हुए बिजनेस खड़ा करने में मदद करेगी। भगवंत मान ने बुधवार को पंजाब के युवाओं के नाम जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि पंजाबी नौजवानों ने विदेश में जाकर कड़ी मेहनत की, जिसकी बदौलत आज वह विदेशों में वहां के मूल निवासियों से आगे पहुंच गए है। यही मेहनत वह पंजाब में रहकर करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह महीने में दो बार नौजवान सभाओं के माध्यम से युवाओं से मुलाकात करेंगे। जमाना टेक्निकल एजुकेशन का है। हमें ऊंचे पदों पर बैठकर फैसले करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं का कोई भी आइडिया पैसे की कमी से नहीं रुकेगा। युवा बिजनेस शुरू करें, सरकार उसे

आगे बढ़ाएगी। पंजाब के नौजवान मांगने वाले नहीं, बल्कि जॉब देने वाले बनें। मान ने कहा कि हम बड़ी गाड़ी में बैठकर ऑफिस जाएं। उनके लिए बड़े ऑफिस का बड़ा गेट खुले, न कि जेल का गेट खुले। हर 15 दिन बाद हम नौजवान सभा करेंगे, जिसमें युवाओं के आइडियाज लेंगे और उन्हें डेवलप करने में सरकार मदद करेगी।

तेज रफ्तार कार पलटने से तीन चचेरे- ममेरे भाइयों की मौत

बाड़मेर (हिंस)। बाड़मेर जिले के सदर थाना क्षेत्र के मीठड़ा-बाड़मेर मार्ग पर मंगलवार देर तेज रफ्तार लग्जरी कार पलटने से तीन चचेरे-ममेरे भाईयों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया गया। हादसे के दौरान दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हुई है। पुलिस की प्रारम्भिक जांच मे सामने आया कि तीनों ही बाड़मेर शहर से काम निपटाकर गांव लौट रहे थे। इसी बीच रास्ते में अचानक गा ी टायर फटने से बेकाबू हो गई। जो तीन बार पलटी खा गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सदर थानाधिकारी किशन सिंह ने बताया कि थाना इलाके में स्थित मीठड़ा रोड पर मंगलवार देर रात लग्जरी कार पलट गई। तेज रफ्तार होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा। इस हादसे में मिठड़ा गांव के रहने वाले खंगार सिंह (24) पुत्र कानसिंह, श्याम सिंह (23) पुत्र वैरीसालसिंह, प्रेम सिंह (23) पुत्र उम्मेदसिंह की मौत हो गई। मृतक प्रेम सिंह और श्याम सिंह आपस में चचेरे भाई थे। वहीं दोनों मृतक खंगार सिंह के ममेरे भाई भी थे। तीनों अविवाहित थे। हालांकि खंगार सिंह की शादी 22 मई को होनी थी।

जैविक उर्वरकों को प्रोत्साहन के लिए गोबर, गोमूत्र प्रसंस्करण सम्मेलन 12 को

बीकानेर (हिंस)। गोबर, गोमूत्र प्रसंस्करण सम्मेलन 12 अप्रैल को रविंद्र रंगमंच पर आयोजित किया जाएगा। संभागीय आयुक्त डॉ नीरज के पवन ने यह जानकारी दी। संभागीय आयुक्त ने बुधवार को इस सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की और बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य गोबर से खाद तथा गोमूत्र से कीटनाशक बनाने के पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नई तकनीक का प्रयोग कर इन जैविक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के जरिए ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के नए विकल्प सृजित होंगे। डॉ पवन ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य में भी खेती में इस खाद व कीटनाशकों की उपादेयता पुनर्स्थापित हो रही है। जिले में पशुधन की उपलब्धता के मद्देनजर इस सम्मेलन से बड़ी संख्या में लोगों को इस कार्य से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न तकनीकी व विशिष्ट सत्रों में विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी, साथ ही किसानों के साथ खुला संवाद आयोजित कर

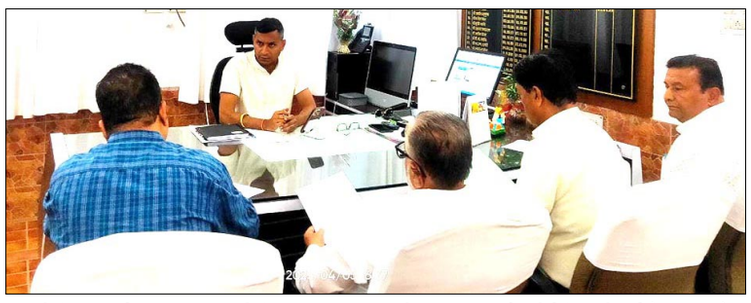

उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जाएगा। सम्मेलन में संभाग के चारों जिलों की गौशालाओं से भी प्रतिभागी उपस्थित रहेंगे। संभागीय आयुक्त ने बताया कि गोबर, गोमूत्र संवर्धन अभियान के तहत जिले में 1410 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है। राजस्थान गो सेवा परिषद व राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा कृषि, पशुपालन सहित अन्य विभागों के सहयोग से जिले के सभी गांवों से दो- दो व्यक्तियों को गोबर से खाद तथा गोमूत्र से कीटनाशक बनाने की ट्रेनिंग दी गई है। 12 अप्रैल को होने वाले सम्मेलन में ये प्रतिभागी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षित किसानों-गोपालकों की सूचना मोबाइल नंबर के साथ जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक व्यक्ति अपने क्षेत्र में प्रशिक्षित किसान-गोपालक से संपर्क कर इस संबंध में विस्तार से जानकारी जुटा सकता है। राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. आरके धूड़िया सम्मेलन के नोडल अधिकारी होंगे। वहीं कृषि, पशुपालन सहित अन्य विभागों का सहयोग रहेगा। सम्मेलन में सभी संबंधित विभागों द्वारा कृषि और पशुपालन से जुड़ी योजनाओं के संबंध में प्रदर्शनी आयोजित कर विस्तार से जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। संभागीय आयुक्त डॉ नीरज के पवन ने बताया कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत पंजीकरण से वंचित रहे प्रतिभागियों के लिए सम्मेलन के दौरान ही रजिस्ट्रेशन हेतु काउंटर लगाया जाएगा। योजना के लाभ से अब तक वंचित प्रतिभागी जन आधार कार्ड और प्रीमियम राशि जमा करवा कर योजना का लाभ ले सकते हैं। बैठक में राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. आरके धूड़िया, राजस्थान गोसेवा परिषद के हेम शर्मा, अरविंद मिड्ढा, रिद्धकरण सेठिया एंड अजय पुरोहित, संयुक्त गोचर समिति समन्वयक मनु बाबू सेवक, राजेश बिन्नाणी सहित, नाबार्ड के डीडीएम रमेश तांबिया, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. वीरेंद्र नेत्रा सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जालंधर के बैंक में बुजुर्ग से दिन-दहाड़े लाखों की लूट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के जालंधर में बुधवार को दिनदहाड़े एक बैंक में बुजुर्ग से चार लाख रुपए लूटकर बदमाश फरार हो गया। आरोपित खुद को बैंक कर्मचारी बताते हुए बुजुर्ग के पास आया और उसके भरे हुए वाउचर में गलती बताई। जमा करवाने की बात कहकर उसने कैश ले लिया और फरार हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से जांच शुरू कर दी है। जालंधर के फगवाड़ा गेट में राजन इलेक्ट्रिकल के मालिक 80 वर्षीय विजय चोपड़ा सिविल लाइन के इंडियन बैंक की ब्रांच में रोजाना की तरह कैश जमा करवाने गए थे। बैंक में पहले से उपस्थित एक व्यक्ति ने अपने आप को बैंक कर्मचारी बताते हुए विजय चोपड़ा से कहा कि आपने वाउचर ठीक नहीं भरा है। बुजुर्ग से कहा कि कैश दे दो वह काउंटर पर जमा करवा देगा। इसके बाद लुटेरा काउंटर पर जाने की बजाय सीधा बैंक का दरवाजा खोल कर फरार हो गया। जब तक बुजुर्ग विजय चोपड़ा ने शोर मचाया तब तक लुटेरा फरार हो चुका था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बैंक की सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मोटे अनाज के उत्पादन में राजस्थान देशभर में पहले स्थान पर

जयपुर (हिंस)। राजस्थान मोटे अनाज (मिलेट्स) के उत्पादन में देशभर में सबसे ऊपर है। देश के मोटे अनाज के उत्पादन में राज्य की हिस्सेदारी 28.6 प्रतिशत है और खेती के क्षेत्रफल में 36 प्रतिशत हिस्सेदारी है। भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है। हमारा देश पूरे विश्व में मोटे अनाज के उत्पादन में पहले स्थान पर है। सुपर फूड कहलाने वाले मोटे अनाज के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरुकता पैदा हुई है। दुनियाभर में इसकी स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है। मोटे अनाज में बाजरा, ज्वार, रागी एवं कोदो जैसे अनाज को शामिल किया गया है। इनमें पोषक तत्वों की मात्रा ज्यादा होने तथा प्रोटीन, विटामिन-बी एवं खनिज भरपूर मात्रा में होने के कारण वैज्ञानिकों ने मोटे अनाज को पौष्टिक धान्य का दर्जा दिया है। वैज्ञानिकों ने माना है कि संपूर्ण पोषण के

लिए भोजन में बाजरा, ज्वार, कंगनी, सांवा, कोदो, कुटकी एवं रागी धान्य को शामिल किया जाना चाहिए। कृषि आयुक्त कानाराम ने बताया कि राज्य में पैदा होने वाले मोटे अनाज में बाजरा और ज्वार प्रमुख हैं। बाजरे के उत्पादन में 41.7 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ राज्य देश में पहले पायदान पर है, वहीं ज्वार के उत्पादन में तीसरे पायदान पर है। राज्य के दक्षिणी जिलों-डूंगरपुर, बांसवाड़ा, जालोर एवं सिरोही के क्षेत्रों में मोटे अनाज में सांवा, कांगनी, कोदो तथा कुटकी का उत्पादन भी किया जाता है। कानाराम ने बताया कि राज्य सरकार ने मोटे अनाज के उत्पादन में वृद्धि एवं घरेलू खपत को बढ़ाने के लिए वर्ष 2022-23 में राजस्थान मिलेट प्रोत्साहन मिशन प्रारंभ किया है। साथ ही कृषकों, उद्यमियों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं को 100 प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए 40 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार ने पोष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की दृष्टि से मिड-डे-मील, इंदिरा रसोई एवं आईसीडीएस योजनाओं में मोटे अनाज को शामिल किया है।

No.DJ.XII-4/2017/1885/E

CORRIGENDUM

{In respect of recruitment for the post of 3 (three) nos. of Peon (Grade-IV) in the establishment of District and Sessions Judge, Dhubri}

In continuation of the Advertisement No.DJ.XII-7/2018/1112-17/E, dated Dhubri the 3th March,2023, for the recruitment of 3 (three) nos. of posts of Peon (Grade-IV) in the establishment of District and Sessions Judge, Dhubri, all the candidates are hereby informed that the mode of selection for the recruitment of the aforesaid posts has been modified. A written examination will also be held in addition to the oral interview (viva-voce) for the selection procedure of the candidates.

The date of written examination will be notified in due course in the official website.

For further updates, kindly visit the official website of District Judiciary Dhubri regularly, i.e. (https: //dhubrijudiciary.gov.in/recruitment-notice.htm).

Sd/-
District & Sessions Judge,
Dhubri

-- Janasanyog /D/165/ 23

अब वॉलमार्ट में छंटनी : 2,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज को नौकरी से निकालेगी वॉलमार्ट, एपल भी जल्द करेगा ले-ऑफ

नई दिल्ली।

अमेरिका की मल्टीनेशनल रिटेल कॉर्पोरेशन वॉलमार्ट ने अपने 2,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज की छंटनी करने का प्लान बनाया है। कंपनी ने इस बात की जानकारी अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग्स में दी है। ई-कॉमर्स फुलफिलमेंट सेंटर्स के एम्प्लॉइज इस छंटनी में प्रभावित होंगे। हालांकि, छंटनी से प्रभावित एम्प्लॉइज को कंपनी में अन्य रोल्स मिल सकते हैं।

छंटनी में वेयरहाउस के 1,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज प्रभावित- स्टेट वर्कफोर्स कमिशन ने कहा कि छंटनी में फोर्ट वर्थ और टेक्सास के वेयरहाउस के 1,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज प्रभावित हुए हैं। कंपनी को फुलफिलमेंट सेंटर पेनसिल्वेनिया में 600, फ्लोरिडा में 400 और न्यू जर्सी में लगभग 200 एम्प्लॉइज की छंटनी की उम्मीद है। इसके अलावा कंपनी का कैलिफोर्निया में एडिशनल छंटनी का प्लान है। कंपनी ने पिछले महीने वेयरहाउस में छंटनी की जानकारी रेगुलेटरी फाइलिंग्स में दी थी। कंपनी के स्पोक्सपर्सन ने एक ईमेल में कहा कि वॉलमार्ट कुछ एरियाज में भी बढ़ रहा है, क्योंकि यह ज्यादा ऑनलाइन ऑर्डर संभालने के लिए अपने स्टोर और फुलफिलमेंट सेंटर्स को एडजस्ट कर रहा है। इस वजह से कंपनी कुछ एम्प्लॉइज की छंटनी करने की बजाय उन्हें दूसरे रोल्स ऑफर कर सकती है।

एपल में भी होगी छंटनी - वहीं एपल में भी जल्द छंटनी होने वाली है। अपने सूत्रों के मुताबिक बताया कि आईफोन-मेकर एपल अपनी कॉर्पोरेट रिटेल टीमों में से जल्द ही छंटनी करने जा रहा है। इस छंटनी से कंपनी के डेवलपमेंट और प्रिजर्वेशन टीम के एम्प्लॉइज भी प्रभावित होंगे। हालांकि, अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि एपल कितने एम्प्लॉइज को नौकरी से निकालेगी।

एम्प्लॉइज को फिर से आवेदन करने को कहा गया - बिजनेस इनसाइडर की एक रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि एपल के एम्प्लॉइज को नौकरी के लिए फिर से आवेदन करने को कहा गया है, नहीं तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि छंटनी में दुनिया भर में एपल रिटेल स्टोर और अन्य फैसिलिटीज का रखरखाव और कंस्ट्रक्शन करने वाले एम्प्लॉइज सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

न्यूज ब्रीफ

शॉर्ट टर्म जरूरतों के लिए लॉन्ग टर्म निवेश को न करें रिडीम, मीरिया असेस्ट फाइनेंनशियल सर्विसेस के पास है समाधान

नई दिल्ली। हम सभी अपने सपनों को पूरा करने की प्लानिंग करते हैं। हमारे सपने जैसे कि प्रॉपर्टी खरीदना, सुरक्षित रिटायरमेंट, अपने बच्चों की उच्च शिक्षा आदि के लिए एक सही योजना और निवेश की जरूरत होती है। आज के समय में हम में से अधिकतर लोग अपने लक्ष्य के लिए सेविंग अकाउंट या फिक्स डिपॉजिट की जगह शेयर मार्केट और म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। इसी वजह से म्यूचुअल फंड और शेयर मार्केट में रीटेल इन्वेस्टर्स की संख्या में तेजी से इजाफा देखा जा सकता है। अपने बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति और लॉन्ग टर्म निवेश की प्लानिंग के चक्कर में हम छोटी अवधि के खर्चों की योजना बनाना भूल जाते हैं। जैसे कि ट्रैवलिंग, अपने घर को रिनोवेट करना आदि पर हम कम ध्यान देते हैं। इसके अतिरिक्त अचानक से होने वाले खर्चे जैसे मेडिकल एमरजेंसी या शहर बदलने की जरूरत आदि के लिए भी हमारे पास कोई योजना नहीं होती है। अधिकतर लोगों के पास अचानक से आने वाली जरुरतों के लिए पैसे या कोई योजना नहीं होती है। ऐसी परिस्थिति में अधिकतर निवेशक अपने लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट को बेचकर या रिडीम कर के पैसे का इंतजाम करते हैं। बावजूद इसके कि अपने लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट जैसे म्यूचुअल फंड और इक्विटी इन्वेस्टमेंट पर वो लोन ले सकते हैं। इसके पीछे का प्रमुख कारण लोगों को इसके बारे में सही जानकारी न होना या इस पूरी प्रक्रिया के काफी ज्यादा जटिल होने की आशंका है।

मर्सिडीज-बेंज को पीछे कर टेस्ला बना मोस्ट वैल्यूएबल ऑटो ब्रांडः 5.42 लाख करोड़ कंपनी की वैल्यूएशन, टॉप-100 में भारत की 8 कंपनियां

नई दिल्ली। एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी टेस्ला 66.2 बिलियन डॉलर

(लगभग 5.42 लाख करोड़) ब्रांड वैल्यूएशन के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटोमोबाइल कंपनी बन गई है। टेस्ला ने ये खिताफ जर्मन ऑटोमोबाइल कंपनी मर्सिडीज-बेंज को पीछे करके हासिल किया है। जो अब तक सबसे वैल्यूएबल कंपनी थी। ग्लोबल ब्रांड वैल्यूएशन और स्ट्रैटेजी कंसल्टेंसी ब्रांड फाइनेंस की न्यू रिपोर्ट के अनुसार, मर्सिडीज-बेंज का ब्रांड वैल्यूएशन 3प्रतिशत घटकर 58.8 बिलियन डॉलर (लगभग 4.83 लाख करोड़) रह गया है। वहीं, इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर 52.4 बिलियन डॉलर (लगभग 4.31 लाख करोड़) ब्रांड वैल्यूएशन के साथ जापान की टोयोटा है। ब्रांड फाइनेंस वैल्यूएशन के डायरेक्टर एलेक्स हाई ने कहा कि टेस्ला के ब्रांड वैल्यूएशन में आई ये बढ़ोतरी कंपनी के लिए पॉजिटिव संकेत है। यह बताता है कि कस्टमर्स टेस्ला को अधिक महत्व दे रहे हैं, जिससे भविष्य में सेल्स और रेवेन्यू में बढ़ोतरी हो सकती है।

शेयर बाजार में शानदार तेजीः सेंसेक्स 582 अंकों की बढ़त के साथ 59,689 पर बंद, अडाणी ग्रुप के 10 में से 7 शेयरों में गिरावट

मुंबई। शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 582 अंकों की बढ़त के साथ 59,689 पर

बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 159 अंकों की बढ़त रही। यह 17,557 के स्तर पर पहुंचा। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयरों में तेजी और 10 में गिरावट देखने को मिली। अडाणी ग्रुप के 10 में से 7 शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 0.93प्रतिशतप्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। वहीं अडाणी विल्मर, पोर्ट्स और अंबुजा सीमेंट में तेजी रही। 2023 में मार्च पहला महीना रहा, जब विदेशी संस्थागत निवेशक ने भारतीय शेयर बाजार में खरीदारी की। बीते माह इन्होंने भारतीय बाजार में 7,936 करोड़ रुपए लगाए। इससे पहले इन्होंने फरवरी में 5,294 करोड़ और जनवरी में 28,852 करोड़ निकाले थे। विश्लेषकों के मुताबिक, ये बाजार में स्थिरता लौटने का संकेत है। इससे पहले भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 114 अंक चढ़कर 59,106 पर पहुंच गया था। निफ्टी में भी 38 अंकों की तेजी रही थी। यह 17,398 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में तेजी और 8 में गिरावट देखने को मिली थी।

सोना 61,000 पहुंचा, फिजिकल गोल्ड में निवेश करना हो तो खरीदे सिक्के और बिस्किट

नई दिल्ली।

दस ग्राम सोने की कीमत 61,000 के करीब पहुंच गई। ये सोने का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। पिछले साल अक्टूबर में सोना लगभग 50,000 रुपए प्रति दस ग्राम था। यानी 6 महीने में सोने ने 20प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। सोने में आई इस तेजी का एक कारण ग्लोबल मंदी की आशंका से सोने की डिमांड में आई तेजी को बताया जा रहा है।

ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल है कि क्या अभी सोने में निवेश करने का सही समय है सोने में किन-किन तरीकों से निवेश किया जा सकता है

सबसे पहले बात सोने में निवेश के तरीके

- 1. फिजिकल गोल्ड में कर सकते हैं निवेश

फिजिकल गोल्ड में निवेश यानी ज्वेलरी या सोने के बिस्किट-सिक्के खरीदना। एक्सपर्ट्स ज्वेलरी खरीदने को सोने में निवेश करने का सही तरीका नहीं मानते हैं, क्योंकि इस पर मेकिंग चार्ज देना पड़ता है। इसीलिए इसमें ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते हैं। वहीं ज्वेलरी कभी भी 24 कैरेट सोने से नहीं बनती। इसलिए निवेश के लिहाज से बिस्किट या सिक्के खरीदना सबसे अच्छा हैं।

- 2. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भी अच्छा ऑप्शन

सोने में निवेश का दूसरा ऑप्शन है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड। ये एक सरकारी बॉन्ड होता है, जिसे सरकार समय-समय पर जारी करती है। यदि बॉन्ड 1 ग्राम सोने का है, तो 1 ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50प्रतिशत का निश्चित ब्याज भी मिलता है। इसमें निवेश के लिए डीमैट अकाउंट जरूरी होता है।

- 3. गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (गोल्ड इटीएफ)

सोने में निवेश का तीसरा ऑप्शन गोल्ड इटीएफ है। यानी शेयरों की तरह सोने को खरीदने की सुविधा। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड हैं, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जाता है। चूंकि गोल्ड इटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट गोल्ड की कीमतें हैं, आप इसे सोने की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं। गोल्ड इटीएफ खरीदने के लिए आपके पास एक ट्रेडिंग डीमैट अकाउंट होना चाहिए।

इसमें निवेश के लिए डीमैट अकाउंट जरूरी: गोल्ड इटीएफ खरीदने के लिए आपको डीमैट अकाउंट खोलना होता है। उपलब्ध गोल्ड इटीएफ के यूनिट आप खरीद सकते हैं और उसके बराबर की राशि आपके डीमैट अकाउंट से जुड़े बैंक अकाउंट से कट जाएगी।

- 4. पेमेंट ऐप से भी सोने में निवेश

आप अपने स्मार्टफोन से डिजिटल गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। आप अपनी सुविधानुसार जितनी कीमत का चाहें, सोना खरीद सकते हैं। यहां तक कि 1 रुपए का भी। यह सुविधा अमेजन-पे, गूगल पे, पेटीएम, फोनपे और मोबिक्विक जैसे प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। डिजिटल गोल्ड खरीदने के कई फायदे हैं। इसके जरिए आप शुद्ध सोने में निवेश करते हैं। ज्वेलरी मेकिंग का खर्च नहीं आता है। इसे फिजिकल गोल्ड की तरह सुरक्षित रखने के लिए परेशान नहीं होना पड़ता है। डिजिटल गोल्ड को आप फिजकल गोल्ड में भी बदलवा सकते हैं।

निवेशकों को क्या करना चाहिए - एक्सपर्ट्स का मानना है कि इन्वेस्टर्स को अपने एसेट एलोकेशन के अनुसार सोने में निवेश करते रहना चाहिए। कुल पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी 10-15प्रतिशत होनी चाहिए। यहां तक कि आरबीआई के पास 785.35 मीट्रिक टन सोना है, जो सितंबर 2022 तक उसके फॉरेक्स पोर्टफोलियो का 7.07प्रतिशत था। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है।

सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

भारत में सोने की डिमांड कैसी है- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सोने की 50प्रतिशत डिमांड मिडिल क्लास से आती है। विशाल आबादी वाले इस देश में सोने की ज्वेलरी, सबसे ज्यादा खरीदी जाती है। दशकों तक, भारत सोने का सबसे बड़ा कंज्यूमर रहा था। 2009 में चीन इस मामले में भारत से आगे निकला था। 2021 में, भारत ने 611 टन सोने की ज्वेलरी खरीदी गई। चीन 673 टन सोने की ज्वेलरी के साथ पहले नंबर पर रहा।

5 साल में दोगुने से ज्यादा हुई सोने की कीमत - बीते 5 सालों में सोने ने 100प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। अप्रैल 2018 में सोना 30,000 रुपए के करीब था, जो अब करीब 61 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी सोने में हर साल 20प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला है।

शेयर बाजार की तुलना में ज्यादा रिटर्न - सोने का रिटर्न शेयर बाजार की तुलना में भी ज्यादा है। 5 साल पहले यानी अप्रैल 2018 में सेंसेक्स 34,000 के करीब था और अभी 60,000 के करीब है। यानी सेंसेक्स ने करीब 77प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हर साल 15.4प्रतिशत का रिटर्न जो सोने से कम है।

जॉनसन एंड जॉनसन का 890 करोड़ डॉलर का ऑफर

खुद के खिलाफ हुए केस को खत्म करवाना चाहती है कंपनी, लगा है बड़ा आरोप

नई दिल्ली।

अमेरिका की बड़ी दवा कंपनियों में से एक जॉनसन एंड जॉनसन ने सालों पुराने उन मुकदमों को खत्म करने के लिए 890 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 73,086 करोड़ रुपये) का ऑफर दिया है, जिसमें ये दावा किया गया था कि इस कंपनी के टैल्कम पाउडर से कैंसर हो जाता है।

यह प्रस्तावित समझौता है, जिसपर अदालत से अनुमोदन लेना होगा। कंपनी का कहना है कि कॉस्मेटिक टैल्क मुकदमेबाजी के चलते पैदा हुए सभी दावों का समान रूप से प्रभावी तरीके से निपटारा कर देगा।

यदि इस समझौते को अदालत और ज्यादातर वादियों (केस करने वाले) द्वारा अनुमोदित कर दिया जाता है, तो 890 करोड़ अमेरिकी डॉलर का यह भुगतान समूचे अमेरिका में अब तक के सबसे बड़े निपटारों में से एक बन जाएगा। इस स्तर के समझौते अब तक सिर्फ तंबाकू कंपनियां और हाल ही में उत्पादक ही करते आए हैं।

क्या लगे हैं आरोप, अब तक क्या-क्या हुआ - दरअसल, जॉनसन एंड जॉनसन के खिलाफ हजारों मुकदमे चल रहे हैं। आरोप है कि उसके टैल्कम पाउडर में ओवेरियन कैंसर पैदा करने वाले एस्बेस्टस के अंश होते हैं। कंपनी ने कभी कोई गलत काम करना कबूल नहीं किया, लेकिन मई, 2020 में उसने अमेरिका और कनाडा में अपना टैल्क-आधारित बेबी पाउडर बेचना बंद कर दिया था। जॉनसन एंड जॉनसन में मुकदमेबाजी से जुड़े विभाग के उपाध्यक्ष एरिक हास ने एक बयान में कहा, कंपनी का मानना है कि ये दावे फर्जी हैं और इनमें वैज्ञानिक तथ्यों का अभाव है। जॉनसन एंड जॉनसन के मुताबिक, वह अपनी सहायक कंपनी एलटीएल मैनेजमेंट एलएलसी के जरिए अगले 25 सालों में हजारों दावेदारों को 890 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने को तैयार है। एलटीएल मैनेजमेंट एलएलसी को इन दावों का निपटारा करने के लिए ही स्थापित किया गया था और उसने दिवालियापन से संरक्षण के लिए अर्जी भी दी थी। एलटीएल मैनेजमेंट एलएलसी से जुड़े पिछले समझौते के प्रस्ताव को अपीलीय अदालत ने खारिज कर दिया था। तब जॉनसन एंड जॉनसन ने 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर के समझौते का प्रस्ताव दिया था।

इस साल सेडान की बिक्री 35प्रतिशत बढ़ने का अनुमानः ऑटो कंपनियों का फोकस अब इसी सेगमेंट पर, 2022 में बिकीं 4.33 लाख सेडान कार

नई दिल्ली।

एसयूवी की सफलता के बाद ज्यादातर ऑटोमोबाइल कंपनियों का फोकस सेडान पर शिफ्ट हो रहा है। ह्युंडई, होंडा, टाटा मोटर्स, टोयोटा और स्कोडा जैसी कंपनियां इनमें शामिल हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह ये है कि बीते साल के मुकाबले इस वर्ष सेडान की बिक्री करीब 35प्रतिशत बढ़कर 4.74 लाख तक पहुंच सकती है। किसी भी अन्य सेगमेंट की कार में इतनी ग्रोथ का अनुमान नहीं है। होंडा कार्स इंडिया नए सिरे से लॉन्च सिटी पर दांव लगा रही है। ह्युंडई को उम्मीद है कि नई वरना की जोरदार बिक्री हो सकती है। इस बीच टोयोटा किर्लोस्कर ने नई सेडान बेल्टा लॉन्च की है। उधर चीन की इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी बीवाईडी भारत में इसी साल सील सेडान उतारने वाली है। श्कोडा पिछले साल स्लाविया के साथ भारत के प्रीमियम सेडान मार्केट में नए दमखम के साथ उतरी और फॉक्सवैगन ने वर्चुस पर दांव लगाया।

हाल के सालों में कम बिकीं सेडान - 2014-15 के दौरान भारतीय कार बाजार में सेडान की हिस्सेदारी 24प्रतिशत से ज्यादा थी, जो बाद के वर्षों में घटी। 2022-23 में कार

बिक्री में सेडान की हिस्सेदारी घटकर 10.5प्रतिशत रह गई। 2015-16 में सेडान की बिक्री 6.35 लाख के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

ट्रेंड पलटने का संकेत - एसएंडपी ऑटोमोटिव्स के गौरव वंगाल ने कहा, 'हाल के वर्षों में सेडान सेगमेंट में कम ही नई कारें लॉन्च हुई हैं, जबकि भारतीयों के बीच नए मॉडल की कारों को लेकर खास आकर्षण होता है। अब चूंकि नई सेडान बाजार में आ रही हैं, लिहाजा ट्रेंड इनकी तरफ शिफ्ट होता नजर आ रहा है।'

सेडान की बिक्री दोगुनी तक होने का अनुमान - टाटा मोटर्स के मुताबिक, इस साल अब तक उसकी सेडान कारों की बिक्री 86प्रतिशत बढ़ी है। होंडा की एंट्री-लेवल सेडान अमेज की बिक्री करीब 38प्रतिशत, जबकि सिटी की 32प्रतिशत बढ़ी है।

स्टार्टअप्स ने 7 साल में करीब 9 लाख जॉब दिए: फिर भी बेरोजगारी दर सिर्फ 1प्रतिशत घटी, जनवरी 2016 में यह 8.7प्रतिशत थी

मुंबई।

करीब सात साल पहले जब स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत हुई थी, तब से कुल 86,713 स्टार्टअप को मान्यता मिल चुकी है, जिनसे करीब 9 लाख लोगों को रोजगार मिला। इसके बावजूद देश की बेरोजगारी दर में बमुश्किल 1प्रतिशत की कमी आई है। जनवरी 2016 में यह 8.7प्रतिशत थी, जो मार्च 2023 में 7.8प्रतिशत रही। इससे साफ है कि बेरोजगारी पर काबू पाने में स्टार्टअप मददगार तो हैं, लेकिन सरकारों को कई और कदम भी उठाने पड़ेंगे। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 15,571 स्टार्टअप शुरू किए गए, जिनमें पिछले 3 साल में ही 1.18 लाख को रोजगार मिला। इसके बावजूद 7 साल में महाराष्ट्र में बेरोजगारी दर बढ़ी है। जनवरी 2016 में यह 4.6प्रतिशत थी, जो मार्च 2023 तक 5.5प्रतिशत हो गई। हालांकि,

इसी दौरान यूपी में बेरोजगारी दर 15प्रतिशत से 5.5प्रतिशत, गुजरात में 3.4प्रतिशत से 1.8प्रतिशत व कर्नाटक में 6.4प्रतिशत से 2.3प्रतिशत पर लुढ़क गई। ये चारों सर्वाधिक स्टार्टअप वाले टॉप-5 राज्यों में हैं।

सबसे ज्यादा स्टार्टअप हैं - 30 दिसंबर 2022 तक कुल 56 क्षेत्रों में 86,713 स्टार्टअप्स को मंजूरी दे चुका है। साल 2016 में आंकड़ा 445 ही था। सबसे ज्यादा 10,419 स्टार्टअप में हैं। हेल्थकेयर (8,088) दूसरे, शिक्षा (5,650) तीसरे, कृषि (4,266) चौथे और खाद्य पेय पदार्थ (4,181) 5वें पर है। सबसे ज्यादा 26,558 स्टार्टअप 2022 के दौरान ही शुरू हुए। इससे पहले 2021 और 2020 के कोरोनाकाल के दो सालों में 34,601 स्टार्टअप को मान्यता मिली थी। इसमें भी 2021 में 20,080 शुरू हुए थे। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) में भी अब तक 1,540 स्टार्टअप उतर चुके हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स में 1,385 स्टार्टअप। रोबोटिक्स में 472 स्टार्टअप आ चुके हैं। यात्री अनुभव और हवाई अड्डे के संचालन से जुड़े क्षेत्र में पिछले 8 साल के दौरान सबसे कम महज 9-9 स्टार्टअप को ही मान्यता मिली।

छंटनी के बीच फंडिंग 40प्रतिशत तक घटी - 42 की रिपोर्ट कहती है, 19 एडुटेक स्टार्टअप्स छंटनी कर चुके हैं। सिर्फ 4 यूनिकॉर्न ही 8500 लोगों को नौकरी से निकाल चुके हैं। देश के अब तक 82 स्टार्टअप 23,195 कर्मचारियों को निकाल चुके हैं। 2021 से अब तक भारतीय स्टार्टअप्स की फंडिंग में भी करीब 40प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। बायजू 2500, ओला 2300, ब्लिंकिट 1600, अनएकेडमी 1500 और वेदांतु 1109 कर्मी हटा चुकीं। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अब तक 16 स्टार्टअप्स अपने 100 फीसदी कर्मचारियों को रोजगार छीन चुके हैं।

मुकेश अंबानी दुनिया के 9वें सबसे अमीर बिजनेसमैन

एशिया में नंबर वन, फोर्ब्स ने दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट जारी की

वॉशिंगटन।

फोर्ब्स ने दुनिया के अरबपतियों की 37वीं सालाना लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने लगातार दूसरे साल टॉप-10 में अपनी जगह बनाई है। वे 2023 में 83.4 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ 9वें स्थान पर रहे, जबकि 2022 में 90.7 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ 10वें पायदान पर थे। एशिया में मुकेश सबसे अमीर व्यक्ति हैं। लिस्ट में इस साल मुकेश अंबानी माइक्रोसॉफ्ट के स्टीव बाल्मर, गूगल के लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन, फेसबुक के मार्क जुकरबर्ग और डेल टेक्नोलॉजीज के माइकल डेल से ऊपर हैं। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की लिस्ट में पहले नंबर पर बर्नार्ड अरनॉल्ट, दूसरे पर एलन मस्क और तीसरे स्थान पर जेफ बेजोस हैं। वहीं इस लिस्ट में अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी 24वें नंबर पर है। अडाणी 24 जनवरी को दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति थे। तब उनकी नेटवर्थ लगभग 126 बिलियन डॉलर थी। अमेरिका के शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से जारी एक रिपोर्ट के बाद उनकी कंपनियों के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। अभी उनकी कुल नेटवर्थ 47.2 बिलियन डॉलर है और वह अंबानी के बाद दूसरे सबसे अमीर भारतीय हैं।

टॉप 25 अमीरों की नेटवर्थ 2.1 ट्रिलियन डॉलर - फोर्ब्स की लिस्ट के अनुसार, दुनिया के 25 सबसे अमीर लोगों की कुल नेटवर्थ 2.1 ट्रिलियन डॉलर है, जो 2022 में 2.3 ट्रिलियन डॉलर थी। यानी इस साल दुनिया के 25 सबसे अमीर लोगों की कुल नेटवर्थ में 200 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है।

जेफ बेजोस को सबसे ज्यादा नुकसान - अमेजन के शेयरों में 38प्रतिशत की गिरावट के कारण जेफ बेजोस को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। इस गिरावट से बेजोस की नेटवर्थ 57

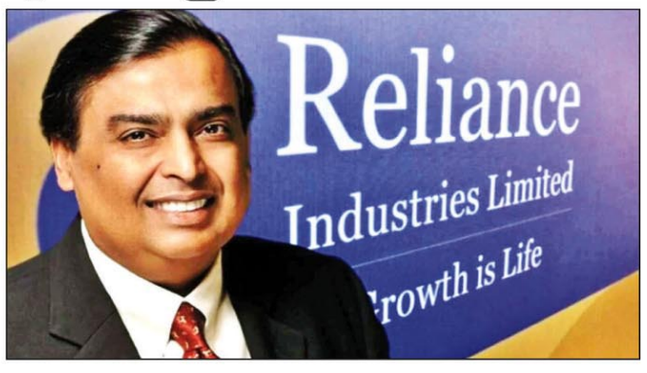

बिलियन डालर कम हो गई। 2022 में वे अमीरों की लिस्ट में दुनिया में दूसरे नंबर पर थे और इस साल नंबर 3 पर पहुंच गए हैं।

एलन मस्क दूसरे बड़े लूजर - इस साल के दूसरे बड़े लूजर एलन मस्क रहे। उन्होंने ट्विटर को खरीदने के बाद दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति का अपना खिताब खो दिया। टेस्ला के शेयरों में गिरावट और ट्विटर को खरीदने के लिए शेयरों को बेचने के कारण एक साल पहले की तुलना में मस्क की नेटवर्थ में 39 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है। इस कारण वो 180 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर से दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं।

भारतीय अरबपतियों की संख्या बढ़कर 169 पर पहुंची - फोर्ब्स की अरबपतियों की इस लिस्ट में कुल 169 भारतीयों का नाम है। पिछले साल इनकी संख्या 166 थी। संख्या भले ही बड़ी हो लेकिन इनकी कुल नेटवर्थ में 10प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इनकी नेटवर्थ पिछले साल की तुलना में 750 बिलियन डॉलर से गिरकर 675 बिलियन डॉलर पर आ गई है। इस गिरावट का अधिकांश हिस्सा गौतम अडाणी का है।

अंबानी-अडाणी के बाद नाडार का नंबर - मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी के बाद इस लिस्ट में तीसरे नंबर के भारतीय 25.6 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ शिव नाडार है। 22.6 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे नंबर पर सायरस पूनावाला और 5वें नंबर पर लक्ष्मी मित्तल हैं। 6वें नंबर पर सावित्री जिंदल, 7वें पर दिलीप संघवी, 8वें पर राधाकिशन दमानी, 9वें पर कुमार मंगलम बिड़ला और 10वें नंबर पर उदय कोटक हैं।

16 नए भारतीय लिस्ट में शामिल - इस साल 16 नए भारतीय बिलेनियर लिस्ट में शामिल हुए है। 5.1 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ रेखा झुनझुनवाला ने अपने पति राकेश झुनझुनवाला की जगह ली है। 7 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ रोहिका साइरस मिस्त्री ने भी लिस्ट में जगह बनाई है। साइरस मिस्त्री की एक कार एक्सिडेंट में मौत हो गई थी। 36 साल के निखिल कामथ और उनके भाई नितिन कामथ का भी पहली बार लिस्ट में नाम शामिल हुए हैं। वो डिस्काउंट ब्रोकरेज जेरोधा के कोफाउंडर है।

कुल अरबपतियों की संख्या घटकर 2,640 पर आई - फोर्ब्स की अरबपतियों की लिस्ट में पिछले साल कुल 2,668 लोग शामिल थे। 2023 में ये संख्या घटकर 2,640 पर आ गई है। फोर्ब्स के अनुसार, संयुक्त अमेरिका में अभी भी सबसे ज्यादा 735 बिलेनियर है।

बॉक्स ऑफिस पर भोला के कारोबार में आई बड़ी गिरावट

-दूसरे दिन 35 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज

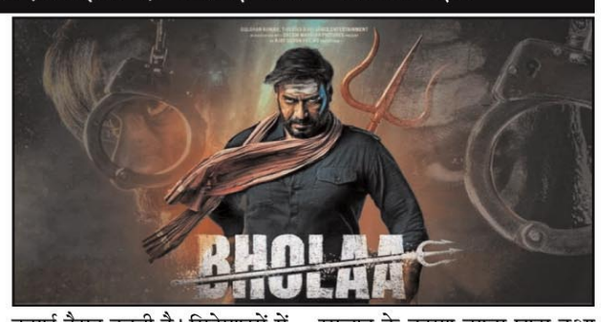

मुंबई (ईएमएस)। तमिल फिल्म कैथी की आधिकारिक रीमेक भोला बॉक्स ऑफिस पर असफल हो गई है। बालीवुड एक्टर अजय देवगन और तब्बू अभिनीत इस पफिल्म के कारोबार में बडी गिरावट दर्ज की गई है। पहले दिन लगभग 11.50 करोड़ का कारोबार करने वाली इस फिल्म के कारोबार में दूसरे दिन शुक्रवार को 35 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। फिल्म के बारे में मिलीजुली प्रतिक्रिया मिलने के बाद से यह महसूस हो गया था कि भोला का बॉक्स ऑफिस पर सफल होना संदिग्ध है। शुरूआती दिन ही फिल्म ने बमुश्किल 10 करोड़ का नेट कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। शुक्रवार को भोला ने महज 6.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। फिल्म को अपने पहले सप्ताहांत तक 50 करोड़ के आंकडे को छूने के लिए जरूरी है कि यह शनिवार और रविवार को बॉक्स ऑफिस पर 35 करोड़ की कमाई करने में कामयाब हो। हालांकि पिछले दो दिनों के कारोबार को देखते हुए यह मुश्कल नजर आता है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि अजय देवगन निर्देशित भोला इस वर्ष की एक और असफल फिल्म साबित हो गई है। यकीनन अजय देवगन के स्टारडम और फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन जॉनर को देखते हुए दो दिनों की कमाई हैरान करती है। सिनेमाघरों में पठान के बाद से कोई भी फिल्म बहुत अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाई है। इस वक्त भी सिनेमाघरों में तू झूठी मैं मक्कार, मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे, भीड़ और हॉलीवुड फिल्म जॉन विक 4 सिनेमाघरों में मौजूद तो है, लेकिन इनमें से किसी भी फिल्म को बंपर सक्सेस नहीं मिली है। ऐसे में यह भी नहीं कहा जा सकता कि भोला को इनसे कोई घाटा हो रहा है। अजय देवगन की पिछली प्रदर्शित दृश्यम 2 भी इसी नाम से बनी मलयालम फिल्म की रीमेक होने के बावजूद 200 करोड़ क्लब में शामिल हो गई थी। बॉक्स ऑफिस इंडिया के मुताबिक, भोला ने दो दिनों में महज 16.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। राम नवमी के मौके पर 30 मार्च को रिलीज होने के बावजूद जिस तरह दर्शकों ने भोला को खारिज किया है, वह चिंता की बात है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि फिल्म को रमजान के कारण तगड़ा घाटा हुआ है। रोजा रखने वाले दर्शक रमजान के महीने में फिल्में नहीं देखते हैं, जबकि राम नवमी की छुट्टी होने के बावजूद ओपनिंग डे पर भी फिल्म को बहुत फायदा नहीं हुआ। भोला का बजट 100 करोड़ रुपये है। यह फिल्म करीब 3500 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है। भोला की सबसे बड़ी समस्या यह रही है कि तमिल फिल्म कैथी ओटीटी पर करीब एक साल से हिंदी वर्जन में मौजूद है। ऐसे में बहुत से दर्शक पहले ही मूल फिल्म देख चुके हैं। जबकि फिल्म को हाई-ऑक्टेन एक्शन जॉनर के तौर पर प्रमोट किया गया है, जो सिंगल स्क्रीन थिएटर्स में ज्यादा बेहतर परफॉर्म करती है। लेकिन हैरानी की बात है कि सिंगल स्क्रीन थिएटर्स में भी फिल्म को बहुत अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिला है। फिल्म के 3डी वर्जन को मल्टीप्लेक्स ऑडियन्स ने जरूर थोड़ा बेहतर रेस्पॉन्स दिया है।

ब्रह्मास्त्र-2 और ब्रह्मास्त्र-3 की शूटिंग होगी एक साथ

- अयान बोले- फिल्म के लेखन पर विशेष रूप से ध्यान देंगे

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में फिल्म निमार्ता अयान मुखर्जी ने अपनी फिल्म के अगले भागों को लेकर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताया कि ब्रह्मास्त्र-2 और ब्रह्मास्त्र-3 की शूटिंग एक साथ की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार फिल्म को ब्लॉकबस्टर बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे और फिल्म के लेखन पर विशेष रूप से ध्यान देंगे। बातचीत के दौरान अयान ने कहा- इस बार हम ब्रह्मास्त्र 2 और ब्रह्मास्त्र 3 की शूटिंग एक-साथ करेंगे। इस बार हमें लगता है कि फिल्म को लिखने में हमें ज्यादा टाइम लग सकता है। मैं जानता हूं कि इस बार फिल्म को लेकर दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। लोग चाहते हैं कि फिल्म का 2रा भाग जल्द से जल्द प्रदर्शित हो लेकिन मैंने सोचा है कि इस बार पहले अच्छी तरह से लिखेंगे। मुझे लगता है कि करीब तीन साल बाद हम ब्रह्मास्त्र 2 को बड़े परदे पर देख सकेंगे। अयान ने कहा- मुझे लगता है कि ब्रह्मास्त्र में गलतियाँ हुई थीं। हमें फिल्म को लेकर मिली जुली प्रतिक्रिया मिली। लेकिन हम पूरी तरह से दर्शकों को संतुष्ट नहीं कर सके। समीक्षकों से काफी अच्छे नंबर्स मिले। इसके अलावा स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म पर भी फिल्म ने अच्छा परफॉर्म किया है। ब्रहमास्त्र 2022 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म थी। लेकिन, कई लोगों को फिल्म की राइटिंग और स्टोरीलाइन ज्यादा पसंद नहीं आई। मैं इस पार्ट को अच्छी तरह से समझना चाहता हूं और फिल्म को बेहतर बनाना चाहता हूं। पिछले साल रिलीज हुई फिल्म ब्रह्मास्त्र में नेक्स्ट लेवल के वीएफएक्स का इस्तेमाल किया गया था। इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट के साथ अमिताभ बच्चन और मौनी रॉय भी थे। बता दें कि गत वर्ष बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहराने वाली अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र अपने वीएफएक्स के चलते दर्शकों को आकर्षित करने में सफल रही थी। प्रदर्शन के बाद दर्शकों और समीक्षकों से ब्रह्मास्त्र को मिली जुली प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म में कुछ गलतियाँ भी रह गई थी, जिसके चलते अयान मुखर्जी की काफी आलोचना हुई थी।

पहले ही बना था गीगी के स्टेज पर आने का प्लान : वरुण धवन

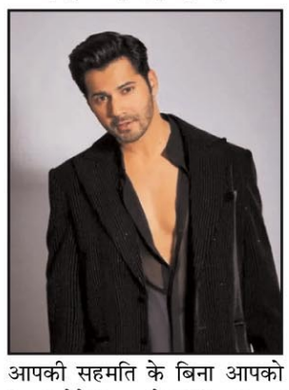

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन ने कहा कि पहले ही उनके स्टेज पर आने का प्लान बनाया गया था। नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) में वरुण के डांस परफॉर्मेंस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वरुण को ऑनलाइन कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। वीडियो में दिखाया गया है कि वह गीगी को उठा रहे है, उन्हें घुमा रहे है और जब वह स्टेज से जा रही थी तो उनके गाल पर किस करते है। एक महिला के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें लिखा थाः यदि आप एक महिला हैं, तो आप किसी के साथ कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। यहां तक कि अगर आप गीगी हदीद हैं, जिन्हें एक पार्टी में आमंत्रित किया गया है, तो वरुण धवन जैसे लोग आपको मस्ती के नाम पर बेतरतीब ढंग से उठाएंगे और आपकी सहमति के बिना आपको किस करेंगे। एक्टर ने प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहाः मुझे लगता है कि आज आप जाग गए है, ऐसे में मुझे आपको बताना चाहिए कि यह उनके स्टेज पर आने की पहले से की गई प्लानिंग थी, इसलिए बाहर जाने और चीजों के बारे में कुछ करने के बजाय एक नया ट्विटर कारण खोजें।

अजय से प्रभावित नहीं थीं काजोल

-खुद अभिनेत्री ने किया यह खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। एक बार एक साक्षात्कार के दौरान, काजोल और अजय ने अपनी पहली मुलाकात के बारे में बात की और अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह उनसे प्रभावित नहीं थीं और उन्होंने निर्देशक से पूछा कि क्या वह हीरो हैं। काजोल ने कहा, मैं उनसे हलचल के सेट पर मिली थी, शूट पर हमारा पहला दिन था। मेरे प्रोड्यूसर मेरे पास आए और मुझसे कहा वह फिल्म का हीरो है। वह एक कोने में कुर्सी पर बैठे थे और मैं सचमुच? क्या वह हीरो है? मैं 19 साल की थी और मेरे मन में एक हीरो की छवि थी, जिसे जीवन से बड़ा प्राणी माना जाता है, जो सेट पर जाता है और आसपास के सभी लोग उसके पास जाते हैं। ऐसा नहीं हुआ, और मैं शायद इसकी उम्मीद कर रही थी। अभिनेत्री ने तब खुलासा किया कि बाद में वे दोस्त बन गए और एक-दूसरे से बात करने लगे। काजोल ने कहा, फिर बेशक, हमने शूटिंग शुरू की और मुझे एहसास हुआ कि वह उन लोगों में से एक है जो तभी बात करता है जब उसके पास कहने के लिए कुछ होता है। हम दोस्त बन गए, और मैं बात कर रही थी, और वह अधिकतर समय सुन रहा था। काजोल और अजय ने कई ब्लॉकबस्टर में एक साथ काम किया और कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 1999 में शादी कर ली। बता दें कि अजय देवगन और काजोल बॉलीवुड की एक ड्रीम जोड़ी बनाते हैं। दोनों ने साल 1999 में शादी की थी और उनकी रोमांस की कहानी वाकई प्रेरणादायक है। वे दो प्यारे बच्चों के माता-पिता हैं, हालांकि, उनके बहुत से प्रशंसक अक्सर आश्चर्य करते हैं कि वे एक साथ कैसे हुए क्योंकि दोनों एक दूसरे से पूरी तरह अलग हैं। यह कोई रहस्य नहीं है कि भोला स्टार अजय एक मूक व्यक्ति है और हमेशा शांत रहने की कोशिश करते हैं। दूसरी ओर, काजोल अपने मन की बात बेबाकी से कहने के लिए जानी जाती हैं और कभी भी बॉस की तरह अपनी राय रखने से नहीं कतराती हैं। लेकिन जैसा कि वे कहते हैं, विपरीत आकर्षण यहाँ भी परिदृश्य है।

फिल्म दसरा का क्रेज बोल रहा लोगों के सिर चढ़कर

-वैश्विक स्तर पर कमाई 67 करोड़ के पार

मुंबई (ईएमएस)। तेलुगु फिल्म दसरा का क्रेज लोगों के सिर चढकर बोल रहा है। कांतारा के बाद यह फिल्म भारतीय बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ दुनियाभर में शानदार कमाई कर रही है। साउथ सुपरस्टार नानी की हालिया रिलीज फिल्म दसरा का क्रेज लोगों के सिर चढकर बोल रहा है। यह फिल्म पूरी दुनियाभर में भी छप्पर फाड़ कमाई कर रही है। भोला के साथ बॉक्स ऑफिस पर टकराने वाली दसरा अजय देवगन की फिल्म से कारोबारी आंकड़ों में बहुत आगे है। भोला ने अब तक मात्र 44 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है। हालांकि हिन्दी भाषी क्षेत्रों में दसरा ने चार दिन में लगभग 2.75 करोड़ का कारोबार किया है। इसका एक सबसे बड़ा कारण दसरा को हिन्दी टैरेटरी में बहुत कम सिनेमाघरों में कम शोज में प्रदर्शित किया गया है। दसरा 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। ओपनिंग के साथ ही इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी धाक जमा दी थी। इस तेलुगु फिल्म ने पहले दिन में इसकी रीजनल भाषा में 22.45 करोड़ की कमाई की थी। दूसरे दिन भी फिल्म का कलेक्शन अच्छा रहा और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर वर्किंग डेज में भी फिल्म 9 करोड़ कमाने में सफल रही। रविवार को दसरा ने तेलुगु में 11.74 करोड़ के आसपास कलेक्शन किया। इस फिल्म ने अब तक भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 57.79 करोड़ की कमाई कर ली है। तेलुगु में इस फिल्म का क्रेज साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। हालांकि, हिंदी डब में रविवार को फिल्म ने महज 81 लाख का कारोबार किया और वीकेंड पर टोटल 2.42 करोड़ की कमाई की। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर तो दसरा अच्छी कमाई कर ही रही है, लेकिन इसके साथ ही दुनियाभर में भी नानी की फिल्म का कलेक्शन काफी शानदार है। इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड अब तक 67.2 करोड़ का बिजनेस कर लिया है। पिछले चार दिनों के कारोबार को देखते हुए यह निश्चित नजर आ रहा है कि दसरा अपने प्रथम सप्ताह में दुनिया भर में 100 करोड़ के कारोबार को करने में सफल हो जाएगी। दसरा से पहले बॉक्स ऑफिस पर केजीएफ, बाहुबली, कांतारा, पोन्नियन सेल्वन सरीखी फिल्मों ने खूब धूम मचाई है। दसरा में नानी के अतिरिक्त कीर्ति सुरेश, धीक्षित शेट्टी, समुथिरकानी और शाइन टॉम चाको एक्टर्स अहम भूमिका में नजर आए। बता दें कि पिछले कुछ समय में हिंदी से ज्यादा साउथ फिल्मों का क्रेज लोगों के सिर चढकर बोल रहा है। बाहुबली, आरआरआर, केजीएफ हो या फिर कांतारा इन सभी फिल्मों को दुनियाभर में सराहना मिली। अब इस लिस्ट में एक और नाम जुड़ गया है।

करिश्मा कपूर ने टॉम हॉलैंड, जेंडया के साथ फोटोज की शेयर

नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) के उद्घाटन समारोह में पहुंची अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने हॉलीवुड सितारों टॉम हॉलैंड और जेंडया के साथ कई फोटोज ली और सोशल मीडिया पर शेयर कीं। करिश्मा ने फोटोज शेयर की, जिसमें वह अमेरिकी अभिनेता जेंडया, टॉम हॉलैंड और नीता अंबानी के साथ नजर आ रही हैं। करिश्मा ने लिखा, नीता जी, मुकेश जी, ईशा और अंबानी परिवार का एनएमएसी कला और संस्कृति का संगम है, जो सदियों की परंपरा को कायम रखता है। भारतीय संस्कृति और विरासत को एक वैश्विक मंच पर लाना गर्व की बात है। पिछले 2 दिन कल्चर, फैशन, ब्यूटी के साथ शानदार रहे। वास्तव में मुंबई शहर के लिए यह एकग्रैंड एडिशन था। इवेंट में शामिल होने वाली अन्य हस्तियों में गिगी हदीद, टॉम हॉलैंड, जेंडया, पेनेलोप क्रूज, कार्ली क्लॉस, सलमान खान, वरुण धवन, आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनस, करीना कपूर और सैफ अली खान शामिल थे।

'किसी का भाई किसी की जान' का मोस्ट अवेटेड गाना 'येंतम्मा' हुआ रिलीज

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म किसी का भाई किसी की जान के चार्टबस्टर गानों ने दर्शकों को जी भर कर एंटरटेन किया है। ऐसे में अब जब फिल्म अपनी रिलीज के करीब बढ़ रही है, तो सुपरस्टार लगातार अलग-अलग फ्लेवर के साथ पेश किए गए गानों के जरिए दर्शकों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। इसकी शुरूआत सुपरस्टार ने अपने रोमांटिक सॉन्ग 'नैयो लगदा' के साथ की और उसके बाद एक पंजाबी डांस नंबर बिल्ली बिल्ली जारी किया। इसके बाद फिर फॉलिंग इन लव आया और हाल में फिल्म का बठुकम्मा पेश किया गया, जिसमें एक कल्चरल सॉंग की झलक दिखाई दी। अब बारी फिल्म के एक और धमाकेदार गाने 'येंतम्मा' की है, जो दर्शकों के लिए किसी सरप्राइज पैकेज से कम नहीं होने वाला है। इस गाने को लेकर पहले से ही फैंस के उत्साह को अगले स्तर तक बढ़ाने वाले सलमान खान और उनकी टीम ने हाल ही में गाने का टीजर जारी किया था, जिसमें उस धमाके की झलक दी गई है जो सुपरस्टार गानों में अक्सर देखा जाता है। अब फिल्म का पूरा गाना सामने आ चुका है। हम देख सकते हैं कि यह निश्चित रूप से हिंदी और तेलुगू दर्शकों के लिए एक ट्रीट है, जो आखिर में लुंगी के साथ दिल खोलकर डांस करेंगे।

सलमान खान के तड़के के साथ भारत के दक्षिणी हिस्से की समृद्ध संस्कृति का जश्न मनाते हुए इस गाने में साउथ सुपरस्टार राम चरण भी हैं। अपने गाने नाटू नाटू के लिए ऑस्कर जीतने के बाद साउथ सेंसेशन सलमान खान के साथ थिरकती नजर आ रही है, जो प्रशंसकों को क्रेजी करने लायक है। सलमान खान फिल्म्स प्रोडक्शन 'किसी का भाई किसी की जान' का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया है। फिल्म में सलमान खान, वेंकटेश दग्गुबाती, पूजा हेगड़े, जगपति बाबू, भूमिका चावला, विजेंदर सिंह, अभिमन्यु सिंह, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल, शहनाज गिल, पलक तिवारी और विनाली भटनागर हैं। साथ ही सलमान खान की फिल्म के भी सारे एलिमेंट मौजूद है जैसे एक्शन, कॉमेडी, ड्रामा और रोमांस। ये फिल्म 21 अप्रैल को ईद पर दुनिया भर में रिलीज होगी।

पठान के संग्रह में आई बहुत बड़ी गिरावट

बालीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान की मेगा ब्लॉकबस्टर रन के दौरान पठान ने संग्रह में बड़ी गिरावट देखी है। नौवें सप्ताह में, केवल 47 लाख की कमाई के साथ संख्या में भारी गिरावट आई है। जबकि अपने आठवें सप्ताह में फिल्म ने 1.77 करोड़ का संग्रह किया था। इसका एक प्रमुख कारण इस सप्ताह पठान की ओटीटी रिलीज है जो आठवें सप्ताह के करीब हुई और इसलिए यह अब ओटीटी माध्यम पर रिकॉर्ड स्थापित कर रही है और इस प्रक्रिया में अपने नाटकीय दौर में झुक रही है। किसी भी मामले में जो कुछ भी आ रहा है वह दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान स्टारर के लिए बोनस नंबर था। ओटीटी पर प्रदर्शित होने से पूर्व तक यह माना जा रहा था कि पठान बॉक्स ऑफिस पर 550 करोड़ के लाइफ टाइम तक पहुँचने में सफल हो जाएगी। ओटीटी पर आने के बाद उम्मीद 545 करोड़ पर आकर रुकी थी लेकिन यह इस आंकड़े तक भी पहुँच नहीं पाएंगी क्योंकि अभी तक इसका कारोबार 543.22 करोड़ है।

फिल्म वॉर-2 में लीड रूप में वापसी करेंगे ऋतिक रोशन, अयान मुखर्जी करेंगे निर्देशन

फिल्म निमार्ता अयान मुखर्जी को वॉर-2 निर्देशित करने के लिए अनुबंधित करने की चर्चा जोरों पर है। इस फिल्म में अभिनेता ऋतिक रोशन मुख्य भूमिका निभाएंगे। इससे पहले मंगलवार को अयान ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और कहा कि उन्हें 'बेहद खास मौका' मिला है। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें 'एक बहुत ही खास फिल्म' निर्देशित करने के लिए कहा गया था। अब, मंगलवार को ट्विटर पर फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने लिखा, 'बड़ा डेवलपमेंट हुआ है। अयान मुखर्जी यशराज फिल्म्स के लिए वॉर-2 निर्देशित करेंगे। ऋतिक रोशन ने कन्फर्म किया है। आदित्य चोपड़ा ने वॉर-2 निर्देशित करने के लिए अयान मुखर्जी को साइन किया है।' उन्होंने यह भी ट्वीट किया, 'वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स...एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान। आने वाली फिल्में...टाइगर-3, वॉर-2, टाइगर बनाम पठान। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स।'

सूडोकु नवताल- 6392

सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6391 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्दजाल - 7139

त	स	ही	त्म	ली	अ	ल	बे	ला	प	दे	
क	अ	अ	रो	त	अ	ला	र	न	र	जू	
आ	स	शौ	क	ही	न	भि	द	गू	जू	वत	
गे	अ	की	आ	र	रा	गु	अं	प	दे	ल	
की	अ	न	त	अ	ला	ला	न	श	मा	क	
सो	चा	ल	बा	ज	न	द	ल	ल	व	त	
च	अ	सौ	र	जा	ला	गु	गो	प	दे	आ	
ह	पु	मो	व	दो	वा	द	ह	झू	ठी	ग	
क	ष्प	ह	व	प	जा	द	व	प	र	र	
र	क	ब्ब	फा	प	स	सू	ह	वि	बा	क	
स	बा	तें	व	न	ज	द	स	गा	ह	र	

शब्द जाल में 10 प्रसिद्ध हास्य फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

दो जासूस, अलबेला, गोलमाल, शौकीन, चालबाज, हीरो हीरालाल, आगे की सोच, झूठी, अंगूर, पुष्पक.

शब्दजाल - 7138 का हल

या	ज	गा	रा	ग	ब	ज	क	प	ल	क	
दें	वा	ज	ज	या	उ	ड़ि	या	स	ज	ड़	
बं	ह	या	स्था	र्म	छ	स	या	न	य	म	
क	गा	ल	नी	दे	हिं	दी	ता	ल	ल	क	
ती	इ	ली	म	सं	व	ल	श	या	ला	ल	
आ	ता	म	ई	र	ब	क	ल	लो	श	ज	
सा	बा	चे	रा	ई	क	म	री	ग	प	न	
मी	र	मी	प	ठी	ज	ना	र्द	न	प	त	
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ज	प	मि	
क	प	ल	प	द	या	स	मा	ब	प	ल	
का	श्तो	चे	ब्न	ई	गु	ज	रा	ती	प	ग	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6092

2		3		4		5
1	22	7	34	6	43	
	4		5		6	
	30	5	26	1	30	2
6	5	2		7		1
	36		36	3	29	4
	1		6		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6091 का हल

3	6	1	4	7	2	5
6	35	5	31	2	27	1
5	2	7	4	1	6	3
1	33	6	32	4	31	2
2	6	4	1	5	3	7
4	33	3	30	6	35	6
7	5	2	6	3	1	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

श्रेयस अय्यर आईपीएल और डब्लूटीसी फाइनल से बाहर : पीठ की सर्जरी कराएंगे; गुजरात ने विलियमसन की जगह दसुन शनाका को शामिल किया

मुम्बई ।

कोलकाता नाइट राइडर्स के रेगुलर कप्तान श्रेयस अय्यर पूरे आईपीएल सीजन से बाहर हो चुके हैं। वह भारत के लिए जून में होने वाले वर्ल्ट टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी मिस कर देंगे। अय्यर पीठ में इंजरी की सर्जरी कराएंगे और वनडे वर्ल्ड कप से पहले खुद को फिट रखने की कोशिश करेंगे। दूसरी ओर गुजरात टाइटंस ने चोटिल बैटर केन विलियमसन की जगह श्रीलंकाई ऑलराउंडर दसुन शनाका को टीम में शामिल किया है। वह सीजन के बाकी मैचों में टीम का हिस्सा होंगे।

अय्यर खेलने वाले थे आधा आईपीएल - श्रेयस अय्यर पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान इंजर्ड हो गए। इंजरी के चलते वह सीरीज के आखिरी टेस्ट में बैटिंग करने नहीं उतरे थे और वनडे सीरीज का हिस्सा भी नहीं बन सके थे। पहले जानकारी मिल रही थी कि अय्यर आईपीएल के शुरुआती दौर से बाहर हुए हैं और आखिरी में कुछ मैच खेलेंगे। इसी कारण केकेआर ने नितीश राणा को कप्तान बनाया था। लेकिन अब वह आईपीएल के साथ 7 जून को इंग्लैंड में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए भी उपलब्ध नहीं रहेंगे।

बुमराह, पंत पहले से बाहर - टीम इंडिया डब्लूटीसी के फाइनल में अब श्रेयस अय्यर के अलावा जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत के भी बैगर उतरेगी। बुमराह भी सर्जरी के कारण ही डब्लूटीसी फाइनल से बाहर हुए हैं, वहीं पंत पिछले साल कार एक्सीडेंट में घायल होने के बाद लंबे समय के लिए क्रिकेट से दूर हो गए हैं। बता दें, टीम इंडिया 7 से 11 जून के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड में फाइनल मुकाबला खेलेगी।

दसुन शनाका 8 अप्रैल के बाद टीम से जुड़ेंगे - गुजरात टाइटंस टीम के बैटर केन विलियमसन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ ओपनिंग मैच में फील्डिंग के दौरान इंजर्ड हो जाने के बाद पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उनकी जगह टीम ने श्रीलंका के टी-20 कप्तान दसुन शनाका को टीम में शामिल किया है। शनाका 8 अप्रैल के बाद गुजरात से जुड़ेंगे। 8 अप्रैल को श्रीलंका-न्यूजीलैंड के बीच टी-20 सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला जाएगा। गुजरात 9 अप्रैल को कोलकाता के खिलाफ अहमदाबाद में लीग स्टेज में अपना तीसरा मैच खेलेगी।

रजत और शाकिब भी नहीं खेलेंगे टूर्नामेंट - आईपीएल में अय्यर और विलियमसन से पहले भी कई प्लेयर्स इंजरी या दूसरे कारणों से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बेंगलुरु के रजत पाटीदार इंजरी का इलाज कराने के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वहीं शाकिब अल हसन ने नेशनल टीम के बिजी शेड्यूल के चलते टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।

लखनऊ से जुड़े डी कॉक - साउथ अफ्रीकी प्लेयर्स आईपीएल से जुड़ गए हैं। एनरिक नॉर्त्या और लुंगी एनगिडी दिल्ली कैपिटल्स से और डेविड मिलर गुजरात टाइटंस टीम से जुड़े। इनके अलावा लखनऊ सुपरजायंट्स के ओपनर क्विंटन डी कॉक भी टीम के साथ जुड़ गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

ऋषभ के बाहर होने से युवाओं के पास अवसर : गांगुली

मुम्बई । दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने कहा कि आईपीएल के इस सत्र में टीम को कप्तान ऋषभ पंत की कमी खल रही है पर इसमें युवा खिलाड़ियों के पास अपने को साबित करने का अवसर मिला है। गांगुली के अनुसार ऋषभ के अलावा जसप्रीत बुमराह और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं। साथ ही कहा कि इन खिलाड़ियों को आसानी से नहीं बदला जा सकता। मुंबई इंडियंस (एमआई), दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ऐसी टीमें हैं जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में मैच विजेताओं के बिना ही खेल रही हैं। गांगुली ने माना कि ऋषभ की अनुपस्थिति ने कैपिटल को परेशानी हो रही है पर इससे युवा खिलाड़ियों के लिए एक अवसर भी आया है। गांगुली ने कहा, जाहिर है, टीम को ऋषभ की कमी खलेगी पर यह दूसरों के लिए कदम बढ़ाने का एक अवसर है। हम सत्र में ऋषभ की कमी का अनुभव करेंगे। इसका कारण है कि बुमराह, ऋषभ और श्रेयस जैसे खिलाड़ी आसानी से नहीं बदले जा सकते हैं। गांगुली ने खेल में काफी सुधार दिखाने के लिए रुतुराज और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों की भी सराहना भी की। उन्होंने कहा, मैं इसे किसी के बेहतर बनने के अवसर के रूप में देखता हूं क्योंकि महेन्द्र सिंह धोनी के खेलना बंद करने के बाद से ऋषभ बेहतर हो गए हैं। इस तरह से खिलाड़ी तैयार किए जाते हैं। आप देखिए शुभमन गिल बेहतर हो रहे हैं, रुतुराज गायकवाड़ अच्छा खेल रहा हैं, इसलिए यह एक मौका है। ऋषभ की कमी खलेगी पर सबसे महत्वपूर्ण उनकी रिकवरी है।

चेल्सी, लिवरपूल के बीच गेम ड्रा, ब्राइटन, एस्टन विला और लीड्स जीते

लंदन। ग्राहम पॉटर की बर्खास्तगी के बाद से चेल्सी का पहला गेम क्लब की समस्याओं से जूझता रहा। टीम ने लिवरपूल के साथ गेम को 0-0 से ड्रॉ किया। अंतरिम कोच ब्रूनो साल्टर ने देखा कि उनकी टीम ने कई अच्छे मौके गंवाए, जबकि रीस जेम्स और काई हैवर्त्ज दोनों के गोल बेकार गए, जिसके परिणामस्वरूप लिवरपूल तालिका में आठवें और चेल्सी 11वें स्थान पर है, दोनों अगले सत्र में यूरोप के लिए क्वालीफाई करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एस्टन विला ने मैनेजरलेस लीसेस्टर सिटी से 2-1 की जीत की बदौलत लिवरपूल से अंक तालिका में आगे जाने के लिए तीन गेम में तीन जीत दर्ज की।

अर्जेंटीना के मिडफील्डर बैटलग्लिया एटलेटिको मिनेरो में शामिल

मुम्बई । अर्जेन्टीना के पूर्व अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर रोड्रिगो बटाग्लिया मालोर्का से अलग होने के बाद

एटलेटिको मिनेरो से जुड़ गए हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बटाग्लिया, जो दिसंबर 2024 तक एटलेटिको से जुड़े रहेंगे, इस साल बेलो होरिजोंटे पक्ष के नौवें नए साइनिंग खिलाड़ी हैं। बटागलिया ने संवाददाताओं से कहा, मैं अच्छे शारीरिक आकार में हूं और अब मैं क्लब के साथ हूं। 31 वर्षीय कोपा लिबर्टाडोरेस-दक्षिण अमेरिका की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता, जो इस सप्ताह शुरू हो रही है, में भाग लेने के लिए विशेष रूप से उत्सुक है। एटलेटिको इस साल के टूर्नामेंट में पैराग्वे के लिबर्टाड के खिलाफ घरेलू संघर्ष के साथ अपनी शुरूआत करेगा। नंबर 6 ने कहा, यहां आने के मेरे फैसले में कोपा लिबर्टाडोरेस एक महत्वपूर्ण कारक था। मुझे आशा है कि हम एक अच्छा अभियान चला सकते हैं और अपने प्रशंसकों को खुश कर सकते हैं। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के करियर में बटाग्लिया को दो बार कैप किया गया है, जिसमें पुर्तगाली क्लब स्पोर्टिंग लिस्बन और स्पेन के अलावेस में खेलना भी शामिल हैं।

क्या मेसी-रोनाल्डो में फिर होगी भिड़ंत सऊदी क्लब ने अर्जेंटीना के कप्तान को दिया 3600 करोड़ का ऑफर

मुम्बई ।

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी इस सीजन के बाद फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को छोड़ने का मन बना रहे हैं। क्लब के साथ उनका करार इस साल जून में समाप्त हो जाएगा। पीएसजी ने मेसी के सामने नए कॉन्ट्रैक्ट रखे हैं, लेकिन अर्जेंटीना के कप्तान ने उस पर साइन नहीं किया है। इसी बीच मेसी के पुराने क्लब बार्सिलोना ने उन्हें फिर से वापस बुलाने में दिलचस्पी दिखाई है। वहीं, सऊदी अरब के क्लब अल हिलाल ने रिकॉर्ड 3600 करोड़ रुपये की सैलरी ऑफर की है।

पीएसजी की टीम में दुनिया के कई बड़े खिलाड़ी हैं। मेसी के अलावा फ्रांस के कप्तान और युवा स्टार किलियन एम्बाप्पे, ब्राजील के दिग्गज नेमार जूनियर और स्पेन के पूर्व कप्तान सर्जियो रेमोस हैं। इसके बावजूद टीम लगातार दूसरे साल यूईएफए चैंपियंस लीग से बाहर हो गई।

मेसी क्यों छोड़ना चाहते हैं पीएसजी - पीएसजी की टीम के खिलाड़ियों में तालमेल की कमी है। इससे मेसी निराश हैं। वहीं, मौजूदा कोच क्रिस्टॉफ गाल्टियर के टीम चयन और उनकी योजनाओं से वह खुश नहीं हैं। मेसी इन चीजों को दरकिनार कर भी पीएसजी के साथ आगे जुड़े रहना चाहते थे, लेकिन पिछले कुछ मैचों में होमग्राउंड पार्क डेस प्रिंसेस में घरेलू फैंस ने उनकी हूटिंग की है। इससे वह काफी खफा है।

दुनिया के कई दिग्गजों ने इस पर निराशा जाहिर की है। बार्सिलोना और फ्रांस के पूर्व दिग्गज थिएरी हेनरी ने कहा कि यह दुखद है। दुनिया के महान फुटबॉलर को हूटिंग करना फुटबॉल का अपमान है।

क्या बार्सिलोना वापस आएंगे मेसी - मेसी अगर पीएसजी को छोड़ने का फैसला करते हैं तो इस बात की सबसे ज्यादा संभावना है कि वह अपने पूर्व क्लब बार्सिलोना में वापस आएंगे। बार्सिलोना के कोच जावी हर्नांडेज ने मेसी से कई बार बात की है। जावी की कप्तानी में मेसी खेल चुके हैं। दोनों काफी अच्छे दोस्त हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जावी ने ड्रेसिंग रूम में भी सभी खिलाड़ियों से इस बारे में बात की है। बार्सिलोना के खिलाड़ी भी मेसी की वापसी को लेकर उत्सुक है।

बार्सिलोना क्लब के उपाध्यक्ष राफा यूस्ते ने कहा है

कि क्लब मेसी के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा, हम उन्हें वापस यहां लाना चाहते हैं। लियोनल मेसी जानते हैं कि हम उन्हें कितना सम्मान देते हैं। उनकी वापसी पर हमें खुशी है। हम इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि मेसी बार्सिलोना क्लब और शहर को प्यार करते हैं। इसलिए हम सही परिस्थितियां बनाना चाहते हैं ताकि वह वापस आ सके।

मेसी और बार्सिलोना का भावनात्मक रिश्ता - साल 2000 में लियोनल मेसी ने 13 साल की उम्र में बार्सिलोना के साथ करार किया था। तब उन्होंने एक टिश्यू पेपर पर कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। 16 साल की उम्र में उन्हें बार्सिलोना की सीनियर टीम में खेलने का मौका मिला। उसके बाद 17 साल तक वह बार्सिलोना के लिए खेलते रहे। 2020 में उनका करार खत्म हुआ तो उन्हें टीम को अलविदा कहना पड़ा। बार्सिलोना ने इसके पीछे कई तर्क दिए। उसने कहा कि क्लब स्पेन की लीग ला लिगा के नियमों के कारण मेसी के साथ करार नहीं कर सका। हालांकि, इससे क्लब और मेसी के बीच रिश्ता खराब नहीं हुआ। मेसी ने पिछले दो साल में बार्सिलोना के कई खिलाड़ियों से मुलाकात की है।

क्या सऊदी अरब में खेलेंगे मेसी - मशहूर फुटबॉल पत्रकार फैब्रिजियो रोमानो ने इस बात का खुलासा किया कि सऊदी अरब के क्लब अल हिलाल ने लियोनल मेसी को आधिकारिक रूप से क्लब के साथ जुड़ने का ऑफर दिया है। अल-हिलाल हर साल मेसी को 400 मिलियन यूरो (करीब 3600 करोड़ रुपये) देने की बात की है। मेसी ने अभी तक इस ऑफर के बारे में कुछ नहीं सोचा है। अगर मेसी अल हिलाल जाते हैं तो उनका यूरोपियन फुटबॉल में करियर लगभग समाप्त हो जाएगा। फैब्रिजियो रोमानो ने कहा कि मेसी अभी यूरोप में ही खेलना चाहते हैं। वह 2024 में कोपा अमेरिका की तैयारी के लिए शीर्ष स्तर पर फुटबॉल खेलना चाहते हैं। ऐसे में उनका यूरोप के बाहर किसी क्लब के साथ करार करना मुश्किल है।

विश्वकप कप में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज स्टार्क और जंपा की भूमिका होगी अहम

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अनुसार भारत में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और लेग स्पिनर एडम जाम्पा अहम भूमिका निभा सकते हैं। पोंटिंग के अनुसार आगामी 2023 एकदिवसीय विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की सफलता के लिए ये दोनो ही खिलाड़ी अहम होंगे और ऐसे में इन दोनो को टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। स्टार्क ने हाल ही में भारत में हुई एकदिवसीय सीरीज में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। स्टार्क ने इस दौरान आठ विकेट लिए थे। उनकी गेंदबाजी को खेलने में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम भी विफल रहा था। पोंटिंग ने कहा, यह मिचेल स्टार्क एक पूरा पैकेज है। वह 6.5 फुट लंबा है और 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करता है, वह बाएं हाथ का है और वह नई गेंद को वापस स्विंग कराता है, जिससे खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं रहता। सफेद गेंद वाले क्रिकेट में वह विशेष रुप से प्रभावी रहा है। वहीं स्पिनर एडम जम्पा तीन एकदिवसीय मैचों में गेंद के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बेहतर रहे हैं। उन्होंने चार विकेट लिए और केवल 4.88 रन प्रति ओवर दिए उनकी गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाज बेबस नजर आये थे। लेग स्पिनर अब क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग में विकेट लेने वालों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गया है जिसने 18 मैचों में 19.73 की औसत से 41 विकेट लिए हैं। पोंटिंग ने कहा, मिचेल स्टार्क के साथ वह लंबे समय तक सभी सफेद गेंद क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख गेंदबाज रहे हैं। स्टार्क महान रहे हैं पर चार या पांच साल के अंदर ज़म्पा भी तेजी से आगे बढ़े हैं।

न्यूजीलैंड दूसरा टी-20 जीता: श्रीलंका को 9 विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

डुनेडिन।

श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच तीन टी-20 मैच की सीरीज खेली जा रही है। डुनेडिन में खेले जा रहे सीरीज के दूसरे टी-20 में न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 9 विकेट से हराया। सीरीज में दोनों ने 1-1 से बराबरी कर ली है। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 141 रन बनाए। श्रीलंका 19 ओवर में ही ऑलआउट हो गया। जवाब में न्यूजीलैंड ने 1 विकेट खो कर 14.4 ओवर में ही लक्ष्य का पीछा कर लिया। न्यूजीलैंड के टिम सेफर्ट ने अर्धशतक लगाया।

श्रीलंका के 19 रन के अंदर 5 विकेट गिरे

न्यूजीलैंड ने टॉस जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी की। पथुम निसंका और कुसल मेंडिस ओपनिंग करने उतरे। निसंका 9 और मेंडिस 10 रन बना कर आउट हो गए। कुसल परेरा और धनंजय डी सिल्वा ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 62 रन की पार्टनरशिप हुई। इसके बाद टीम बिखर गई। परेरा 35, सिल्वा 37, असलंका 24 और शनाका 7 रन बना कर आउट हुए। 5 विकेट के नुक्सान 142 था। लेकिन, फिर विकेट गिरते ही चले गए और अगले 5 विकेट 19 रन के अंदर ही गिर गए। एडम मिल्ने ने शानदार बॉलिंग की। उन्होंने 5 विकेट लिए। बेन लिस्टर को 2 और हेनरी शिप्ली, रचीं रविंद्र और जिमी नीशम को 1-1 विकेट मिला।

न्यूजीलैंड ने आसानी से चेज किया टारगेट

न्यूजीलैंड ने आसानी से 142 रन का टारगेट हासिल कर लिया। चेड बोवेस और टिम सेफर्ट बल्लेबाजी करने उतरे। बोवेस 31 रन बना कर आउट हुए। कप्तान टॉम लाथम (20*) और टिम सेफर्ट (79*) ने मैच फिनिश किया। गेंदबाजी में इकलौती सफलता कसुन रजिथा को मिली।

तीसरा मैच 8 अप्रैल को

सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 8 अप्रैल को क्रीसटाउन में खेला जाएगा। यह सीरीज का डीसाइडर होगा। श्रीलंका और न्यूजीलैंड 1-1 मैच जीत चुके है। अब देखना होगा की ट्रॉफी पर कब्जा कौन सी टीम जमाती है।

आईपीएल 2023 : दिल्ली को एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में सुधार की जरूरत : अजित आगरकर

मुम्बई ।

यह फिलहाल आईपीएल 2023 के लिए शुरूआती दिन हैं लेकिन दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी को लेकर चिंता समाप्त नहीं हो रही है। अपने घरेलू स्थल अरुण जेटली स्टेडियम में चार साल बाद लौटने के बाद दिल्ली एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में प्रदर्शन नहीं कर पायी और गुजरात टाइटंस के खिलाफ 162/8 का स्कोर ही बना पायी। गुजरात ने 11 गेंद शेष रहते चार विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली की टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी हार है, दिल्ली के सहायक कोच अजित अगरकर ने स्वीकार किया कि बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए टीम को एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने युवा बल्लेबाजों पृथ्वी शॉ और सरफराज खान का भी बचाव किया जिन्हें स्तरीय तेज गेंदबाजी के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था।

आगरकर ने कहा, पृथ्वी और सरफराज ने पहले भी तेज गेंदबाजी के खिलाफ रन बनाये हैं और आम तौर पर मुझे नहीं लगता कि हमने अच्छी बल्लेबाजी की। इसलिए एक या दो खिलाड़ियों को क्यों निशाना बनाया जाए। हमारे टॉप आर्डर में से कोई भी दोनों मैचों में

चल नहीं पाया। हमने शीर्ष क्रम में ज्यादा रन नहीं बनाये जो अन्य टीमों ने किया है और आप अंतर देख सकते हैं। उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, व्यक्तिगत खिलाड़ियों को निशाना बनाने का कोई फायदा नहीं। दोनों मैचों में हम एक इकाई के रूप में प्रदर्शन नहीं कर पाए और हमें सुधार करने की जरूरत है क्योंकि आप अच्छी टीमों के खिलाफ खेल रहे हैं। आगरकर ने कहा, गुजरात को जीत का श्रेय दिया जाना चाहिए जिन्होंने एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। कप्तान डेविड वार्नर के संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर आगरकर ने कहा, वार्नर ने पिछले मैच में अर्धशतक बनाया था। वह आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। लेकिन एक इकाई के तौर पर हम दोनों मैचों में बड़ा स्कोर नहीं बना पाए हैं। हमें ध्यान रखना होगा कि अभी दो मैच हुए हैं। हमें ज्यादा रन बनाने होंगे, आप इस तथ्य से इंकार नहीं कर सकते। पृथ्वी और सरफराज के लिए आगरकर ने कहा, उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों के अम्बार लगाए हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अंतर होता है। वे कोई पहली बार आईपीएल में नहीं खेल रहे हैं। हमें विश्वास है कि हम सही कर लेंगे। लेकिन यह अभी तक हमने नहीं किया है इस बात में कोई शक नहीं। उन्होंने पदार्पण करने वाले विकेटकीपर अभिषेक पोरेल की सराहना की और कहा कि ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी की जगह लेना हमेशा मुश्किल होता है लेकिन आपको उनकी जगह खिलाड़ियों को लाना होगा और पोरेल बल्ले और विकेट के पीछे अपने प्रदर्शन से प्रभावशाली थे।

95 साल की एथलीट दादी ने पौलेंड में तीन गोल्ड मेडल जीत रचा इतिहास

मुम्बई ।

जब जज्बा मजबूत हो तो मंजिल जरूर मिलती है। यही कुछ कर दिखाया है 95 साल की एथलीट दादी भगवानी देवी डागर ने। उम्र को दरकिनार कर वह कई प्रतियोगिताओं में एक साल में 95 पदक जीत चुकी हैं। दिल्ली के नजफगढ़ की एथलीट दादी भगवानी देवी डागर ने पौलेंड में आयोजित नौंवी वर्ल्ड मास्टर्स एथलीट इंडोर चैंपियनशिप 2023 में तीन गोल्ड जीत कर भारत की झोली में डाले हैं। भगवानी देवी दादी ने 60 मीटर दौड़, डिस्कस थ्रो और शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीते हैं। इससे पहले पिछले साल 2022 में उन्होंने फिनलैंड में आयोजित वर्ल्ड मास्टर एथलीट इंडोर चैंपियनशिप में तीन मेडल जीते थे। पूरे देश में उनकी बहुत सराहना हुई थी, तो देखते ही देखते सेलिब्रिटी बन गई। लाखों करोड़ों महिलाओं के दिल में उन्होंने उम्मीद की किरण जगाई। तीन स्वर्ण पदक जीत कर भारत लौटीं भगवानी देवी डागर का दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हज़ारों लोगों ने जोरदार स्वागत किया। उत्साह और जोश से भरपूर दादी को स्वर्ण रजत या कांस्य पदक की कोई जानकारी नहीं है। बस उन्होंने अपने मन में

ठाना था कि वे खेलों में पीला मेडल (स्वर्ण पदक) लेकर आएंगी। हवाई अड्डे पर संवाददाताओं को उन्होंने बताया, मुझे पूरी उम्मीद थी कि मैं पीला मेडल जीतूंगी। मेरी जीत का राज है मैं देसी घी में बना खाना खाती हूं। शाम को पार्क में घूमती हूं। मैं देश के सभी नौजवानों से कहना चाहती हूं कि खेलो कूदो, दौड़ लगाओ, दूसरे देशों में जाकर मेडल जीत कर अपने देश का नाम रोशन करो। मैं आगे भी जब कहीं जाऊंगी तो हमेशा अपने देश के लिए गोल्ड ही जीत कर लाऊंगी।

संस्था अपराजिता ने दादी के सपनों को दी उड़ान - 90 के पार अद्भुत जोश और अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियों के लिए सन्मार्ग अपराजिता की खेल जूरी ने दादी को पिछले वर्ष यू इंस्पायर श्रेणी के लिए चुना था। महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित करना और जीवन में कुछ नया कर गुज़रने की चाह रखने वाली महिलाओं को अपराजिता संस्था पिछले दस वर्ष से न केवल सम्मानित कर रही है, बल्कि उनके सपनों की उड़ान पूरी करने के लिए आर्थिक मदद भी कर रही है। अपराजिता की संस्थापिका रूचिका गुप्ता ने पिछले वर्ष एथलीट दादी को कोलकाता में एक भव्य समारोह में सम्मानित किया था। इस वर्ष पौलेंड प्रतियोगिता को स्पांसर किया और जाने से पहले उनके लिए अपराजिता जर्सी भी लांच की थी। फिर से भारत का मान बढाने वाली दादी की जीत पर रूचिका गुप्ता ने कहा कि पौलेंड के सात डिग्री तापमान में विपरीत हालात में 95 वर्ष की आयु में भी तीन गोल्ड मेडल लाना गर्व की बात है।

एशेज में अंपायरिंग करेंगे भारत के नितिन मेनन

मुम्बई । भारतीय अंपायर नितिन मेनन इस बार एशेज सीरीज में भी अंपायरिंग करेंगे। जून में होने वाली इस एशेज सीरीज में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत के लिए पूरी ताकत लगा देती हैं। इस ऐतिहासिक सीरीज की मेजबानी इस बार इंग्लैंड करेगा। इस दौरान पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में दर्शकों को रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार , नितिन एशेज सीरीज में अंपायरिंग करेंगे। वह लीड्स में 6 से 10 जुलाई और मैनचेस्टर में 19 से 23 जुलाई तक खेले जाने वाले सीरीज के तीसरे और चौथे टेस्ट मैच में मैदानी अंपायर की भूमिका में नजर आयेंगे। इसके बाद नितिन 27 से 31 जुलाई तक लंदन के द ओवल मैदान पर खेले जाने वाले सीरीज के 5वें

टेस्ट मैच में टीवी अंपायर की भूमिका में रहेंगे। मेनन ने कहा कि एशेज में अंपायरिंग करना हमेशा से ही उनका सपना था। उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से सपना था कि मैं एशेज में एक दिन अंपायर की भूमिका को निभाऊं। इस सीरीज के दौरान काफी शानदार माहौल देखने को मिलता है फिर चाहे यह इंग्लैंड में खेली जाये या ऑस्ट्रेलिया में। नितिन अभी आईपीएल में अंपायरिंग कर रहे हैं। इससे पहले वह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी अंपायरिंग करते हुए नजर आए थे।

टैनिंग के धब्बों से निजात

सूर्य की रोशनी में अधिक वक्त बिताने से आपकी त्वचा को नुकसान हो सकता है। गर्मियों के मौसम में सूर्य अपनी पूरी तपिश पर होता है और ऐसे में अधिक समय बिना किसी सन प्रोटेक्शन के बाहर रहना आपकी त्वचा के लिए घातक हो सकता है। और ऐसा नहीं है कि सर्दियों में सूरज की रोशनी में रहना आपको कम नुकसान पहुंचाता है। सूरज की अल्ट्रा वायलेट किरणें दोनों ही मौसम में त्वचा की रंगत के लिए नुकसानदेह हो सकती है।

टैनिंग दूर करने के उपाय: सूर्य की किरणों के अधिक संपर्क में आने से टेनिंग होना सामान्य सी बात है। लेकिन, कुछ आसान से उपाय हैं, जिन्हें अपनाकर आप टैनिंग की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। हालांकि, इस दौरान आपको इस बात का पूरी तरह से ध्यान रखने की जरूरत है कि टैनिंग एक रात में दूर होने वाली समस्या नहीं है। टैनिंग को दूर करने के लिए कम से भी कम सात से दस दिन का समय लगता है। टैनिंग को दूर करने के लिए कई लोग ब्लीचिंग का सहारा लेते हैं। इससे टैनिंग तो दूर हो जाती है, लेकिन आप अपनी त्वचा को बेवजह रूखा बना लेते हैं। इससे त्वचा में जलन की समस्या भी पैदा हो सकती है। और परिणामस्वरूप कई बार आपकी त्वचा पहले से भी अधिक काली हो जाती है। ब्लीचिंग से आपकी त्वचा की कोमलता भी खत्म हो जाती है। इससे आपकी खूबसूरती पर भी असर पड़ता है।

टैन दूर करने के उपाय

केसर मलाई से आए निखार: दूध की मलाई में थोड़ा सा केसर डालकर उसे रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह इसे अपने हाथों से मिलाकर त्वचा के प्रभावित हिस्से पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा की टैनिंग कम हो जाएगी। इसके साथ ही इससे आपकी त्वचा पर एक नया निखार भी आ जाएगा। अगर आप अपनी त्वचा को स्वच्छ करना चाहते हैं, तो इस मिश्रण में कुछ बूंदें नींबू का रस मिला लें।

चंदन सा महके रूप: चंदन को खूबसूरती के लिए बेहद उपयोगी माना जाता है। चंदन त्वचा को जरूरी पोषण और खूबसूरती प्रदान करता है। इसके लिए आप एक कप कच्चे दूध लें में 1 चम्मच चंदन पाउडर मिला कर टैनिंग वाली जगह पर लगाइए। सूख जाने के बाद इसे पानी से धो लीजिए। इससे आपकी त्वचा से टैनिंग तो हटेगी ही साथ ही त्वचा को कुदरती निखार भी मिलेगा।

बादाम और मिल्क पाउडर: समान मात्रा में मिल्क पाउडर, नींबू का रस, शहद और बादाम का तेल मिलाइए। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाइए। 15 मिनट बाद अपना चेहरा धो लीजिए। बेहतर परिणाम पाने के लिए इस स्क्रब को सप्ताह में तीन बार लगाइए। बादाम का तेल त्वचा को जरूरी पोषण देगा और नींबू का रस उसे साफ करेगा। वहीं मिल्क पाउडर त्वचा की रंगत निखारने में काफी मददगार होता है।

नींबू और चीनी का असरदारी मेल: नींबू के रस में चीनी मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लीजिए। इस पेस्ट को टैनिंग से प्रभावित हिस्से पर लगाइए। 20 मिनट तक इसे सूखने दें। इसके बाद इसे ठंडे पानी से धो लीजिए। ऐसा करने से आपकी त्वचा को काफी फायदा होगा। चीनी एक बहुत अच्छा स्क्रब है और नींबू त्वचा के रोम छिद्रों में छिपी गंदगी को साफ करने में मदद करता है।

नींबू और शहद का मेल: इसके अलावा आप शहद और नींबू का मिश्रण भी प्रभावित हिस्सों पर लगा सकते हैं। यह भी टैनिंग से मुक्ति पाने का एक और कुदरती उपाय है।

सेहत ही नहीं सूरत भी संवारे ओट्स: ओट्स केवल खाने में ही नहीं बल्कि सूरत संवारने में भी काफी मददगार होते हैं। टैनिंग से मुक्ति पाने के लिए ओट्स और छाछ का मिश्रण बेहद प्रभावशाली है। इन दोनों को एक साथ मिलाइए और त्वचा पर लगाइए। फिर जब यह सूख जाए तब स्क्रब कर लीजिए। इससे त्वचा की मृत कोशिकायें हट जाएंगी और आपका रूप निखरकर सामने आएगा।

आलू का जवाब नहीं: टैनिंग से मुक्ति पाने के लिए आलू का इस्तेमाल काफी समय से किया जा रहा है। थोड़े से आलू का पेस्ट बना लें। आपकी त्वचा का जो हिस्सा टैनिंग से प्रभावित है, उस पर इस मिश्रण को लगा दें। थोड़ी देर बाद अपनी त्वचा साफ कर लें। इससे त्वचा का रूप बिल्कुल निखर जाता है।

मेकअप: महिलाएं अपनी टैनिंग को छिपाने के लिए हल्के मेकअप का इस्तेमाल कर सकती हैं। लेकिन, याद रखें कि यह केवल अस्थायी समाधान है। इसे केवल तभी इस्तेमाल किया जाना चाहिए, जब आप बहुत जल्दी में हों और आपके पास कोई दूसरा विकल्प न बचा हो।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल: धूप में निकलने से कम से कम 15-20 मिनट पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। सनस्क्रीन आपकी त्वचा को किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाने का काम करती है। सही सनस्क्रीन आपकी त्वचा को बाहरी और भीतरी दोनों प्रकार के नुकसान से बचाती है।

पानी पिएं: अपनी त्वचा को जरूरी पोषण और नमी मुहैया कराने के लिए आपको चाहिए कि रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। आपको कम से भी कम तीन से चार लीटर पानी रोज पीना चाहिए। विटामिन सी युक्त फलों का सेवन भी आपकी त्वचा के लिए लाभप्रद होगा। टैनिंग त्वचा की एक सामान्य समस्या है। इसे दूर करने के लिए आपको महंगे उत्पादों पर पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं, ऊपर दिए गए कुछ उपाय ही आपकी त्वचा को एक बार फिर वही पहले वाला निखार दे सकते हैं।

मेकअप से होने वाली परेशानियां और उनके निजात

आकर्षक दिखना हर महिला की चाहत होती है। इसके लिए वह बहुत मेहनत भी करती है। और अपने रूप सौंदर्य को निखारने के लिए महिलाएं सबसे ज्यादा भरोसा मेकअप पर करती हैं। लेकिन, अकसर मेकअप के दौरान कुछ गलतियां या चूक हो जाती हैं। इनसे रूप निखरने के बजाय बिगड़ भी सकता है। कभी फाउंडेशन ज्यादा हो जाता है, तो कभी मस्कारा आईब्रो पर लग जाता है। लिपस्टिक होंठों की लाली बढ़ाते-बढ़ाते कभी दांतों को रंग देती है, पता ही नहीं चलता। और साचिए कि ऐसे लुक के साथ अगर आप किसी पार्टी में जाएं तो बेशक आप दूसरों से अलग तो नजर आएंगी, लेकिन? अंदाज जरा दूसरा होगा।

हम आपको मेकअप से जुड़ी गलतियों और उनके समाधान के बारे में बताते हैं। ये टिप्स अपनाकर और थोड़ी सी सावधानी बरतकर आप अगली बार मेकअप करते समय इन गलतियों से बच सकती हैं।

लिपस्टिक का फैलना

लगाते समय लिपस्टिक फैलना और देर तक नहीं टिकना। यह सबसे बड़ी गलती जो अक्सर महिलाओं से हो जाती है। लिपस्टिक लगाते समय या तो होठों के बाहर फैल जाती है या फिर दांतों पर लग जाती है। लिपस्टिक के फैलने पर लिप ब्रश या कॉटन पर थोड़ा सा मॉश्स्चराइजर लगा कर इसे पोछें। और दांतों पर लगने पर टूथ-पिक पर थोड़ी सी कॉटन लगाकर इसे पोछ दें। लिपस्टिक दांतों पर न लगे, इसके लिपस्टिक लगाने के बाद, अतिरिक्त लिपस्टिक साफ करने के लिए टिश्यू पेपर पर लूज पाउडर लगा कर होंठो के बीच में कुछ देर रखें। और साथ ही होंठो पर आउट लाइन बना लें। इससे लिपस्टिक फैलती भी नहीं और देर तक टिकती है।

ज्यादा ब्लश का प्रयोग

ब्लशर के ज्यादा होने से सौंदर्य का बढ़ने की बजाय कम होना। अगर ब्लशर करने के बाद आपको महसूस हो कि यह ज्यादा दिख रहा है तो एक साफ ब्लश-ब्रश से एक्स्ट्रा ब्लश साफ कर दें। टिश्यू पेपर से स्क्रब न करें, इससे त्वचा को नुकसान हो सकता है। ब्लश इस्तेमाल करना हो तो फाउंडेशन जरूर लगाना चाहिए। ब्लशर लगाते हुए यह पता होना चाहिए कि इसकी सही मात्रा क्या है और फिर इसे मेकअप बेस के साथ ब्लेंड करने के लिए क्लॉकवाइज और एंटीक्लॉकवाइज लगाये। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि कॉम्पेक्ट के साथ मिलने वाले ब्रश छोटे होते हैं। हमेशा फुल साइज ब्लश ब्रश का इस्तेमाल करें।

मस्कारे का ब्रो बोन पर लगना

मस्कारा लगाते समय ब्रो बोन पर लग जाना। आंखों को पूरा मेकअप करने के बाद ठीक उसी समय आपको ब्रो बोन पर ब्रश के धब्बे नजर आने लगते हैं। इस समस्या से बचने यदि मस्कारा वाटरप्रुफ है तो कॉटन बड को मेकअप रिमूवर में डिप करके इसे धीरे-धीरे साफ करें और सूखने के बाद थोड़ा सा कॉम्पेक्ट लगा लें। अगर मस्कारा वाटर रेजिस्टेंट है तो इसे पानी से साफ करने की कोशिश करें।

जरूरत पड़ने पर मेकअप को ठीक किया जा सके, इसके लिए अपनी मेकअप किट में टिश्यू पेपर्स, इयर बड्स, कॉम्पेक्ट और पर्स मिरर जरूर रखें। साथ ही ऊपर दीं टिप्स को अपनाकर आप इन मुश्किलों से बच सकती हैं।

अंडर आई डार्क सर्कल के लिए कंसीलर

काले घेरों को छिपाने के लिए कंसीलर लगाना स्वाभाविक नहीं लगता। आई क्रीम या आंखों का सीरम आवश्यक है लेकिन कंसीलर लगाने से पहले इसका त्वचा में अब्जॉर्ब होने देना चाहिए। अगर आंखों की क्रीम अब भी नहीं है तो कंसीलर जल्दी क्रीज होकर अन-नैचुरल लगने लगता है। हमेशा आंखों के नीचे कंसीलर को रगड़ना नहीं थपथपाना चाहिए। रंगड़ने से चारों और फैल जाता है।

आइलाइनर का टेढ़ा-मेढ़ा लगना

आंखों की सुंदरता को कम कर देता है टेढा-मेढा आइलाइनर। लगना। कभी-कभी लाइनर लगाते हुए लैशेज के बीच के स्पेस का ध्यान नहीं रहने से आइलाइनर फैल जाता है। इस गलती को सुधारना बहुत आसान है। लाइनर को लगाने के लिए कोहनी को टेबल पर टिका कर लाइनर लगाएं जिससे हाथ हिलने की संभावना कम रहेगी। फिर भी आइलाइनर के फैल जाने पर स्मॉल ब्रश या कॉटन बड पर थोडी सा मॉयस्चराइजर लगा कर इससे पोछें।

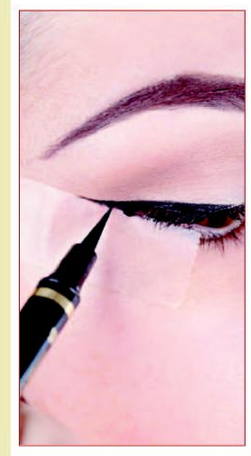

प्याज के रस से कैसे बढ़ाएं बालों की लंबाई

प्याज घर में उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ बालों के उत्पादों में से एक है। हालांकि अक्सर लोग इसकी तीखी गंध और इसे काटने पर आंखों में आने वाले आंसू के कारण इसे पसंद नहीं करते। लेकिन क्या आप जानती हैं कि प्याज बालों की विभिन्न प्रकार की समस्याएं जैसे बालों का झड़ना और दोमुंहें बालों को दूर करने में बहुत मददगार होती है। प्याज में मौजूद सल्फर बालों की जड़ों को पोषण देता है जिससे बालों के विकास में मदद मिलती है।

इसलिए बहुत से लोग बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए प्याज का रस लगाते हैं। प्याज में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण के कारण इसका रस बालों में लगाने से गिरते बालों को रोकने, रूसी और सिर के संक्रमण आदि को दूर करने में मदद मिलती है। यह घरेलू उपाय बालों को चमकदार और मजबूत बनाने के लिए अदभुत रूप से काम करता है। अगर आप भी अपने बालों को स्वस्थ, चमकदार और लंबे बालों की चाह रखते हैं तो प्याज के रस से बने हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्याज का रस

प्याज का रस निकालकर इसे अपने सिर की त्वचा यानी स्कैल्प पर लगाकर 25-30 मिनट के लिए छोड़ दें। साथ ही अपने सिर पर तौलिए को लपेट लें ताकी बालों के रोम इसे अवशोषित कर लें। फिर शैंपू से बालों को धो लें।

प्याज के साथ बीयर

बीयर आपके बालों को प्राकृतिक रुप से चमकदार बनाती है। प्याज के रस को बीयर में मिक्स करके लगाने से बालों की ग्रोथ होने के साथ बाल कंडीशन भी होते हैं। बाल को बढ़ाने के लिए इस उपाय को एक सप्ताह में दो बार करें।

प्याज और नारियल का तेल

तेल के साथ प्याज के रस को मिक्स करने पर यह बालों के विकास को बढ़ाता है और बालों को पोषण भी देता है। प्याज के रस को तेल के साथ मिलाकर बालों में मसाज करें। फिर एक तौलिया लपेटें और भाप लें। यह उपाय स्कैल्प से मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है, जिससे बालों की ग्रोथ बढ़ जाती है।

प्याज के साथ शहद

बालों के विकास के लिए यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपाय है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज का पेस्ट बनाकर उसमें कुछ बूंदें शहद की मिला लें। इस पेस्ट को बालों के उस हिस्से में लगाए जहां पर बाल कम हैं।

प्याज के साथ नींबू

नींबू और प्याज के रस का प्रयोग बालों की ग्रोथ के साथ रूसी के इलाज में भी मदद करती है। नींबू का रस स्कैल्प को साफ करने के साथ बालों का झड़ना भी कम करता है।

प्याज का रस और रम

बालों के विकास के लिए प्याज के रस का प्रयोग सबसे आसान तरीका है। इसके लिए रातभर आपको रम के एक गिलास में घिसी हुई प्याज को डाल कर रखना होगा। सुबह इस मिश्रण को छान कर अपने सिर की मसाज करें। इससे आपके बालों को मजबूती मिलेगी और जल्द से जल्द बाल बढ़ने शुरु हो जाएगें।

प्याज और अंडे की सफेदी

यह बात तो शायद सभी जानते हैं कि अंडा बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। लंबे बालों की चाह रखने वाले लोगों के लिए प्याज और अंडे से बना हेयर पैक बहुत ही लाभकारी होता है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज के रस में अंडे के सफेद हिस्से को मिक्स कर लें। फिर इस पैक को 25-30 मिनट अपने गीले बालों में लगाकर शैंपू कर दें। प्याज के रस से बने हेयर पैक के इस्तेमाल से आप आसानी से बालों को लंबा, घना और चमकदार बना सकते हैं।

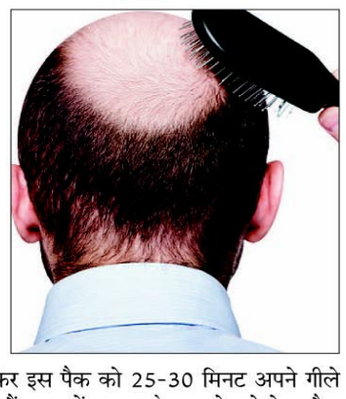

रेसिपी

भाटीया कड़ी

सामग्री

1 कप तुवर दाल, 1/4 कप दही, 1 टेबल-स्पून बेसन, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून मेथी दानें, 1 कप भिंडी, 50 मिमी के टुकड़ो में कटी हुई, 1/4 कप स्लाईस्ड मूली, 1 1/2 कप सहजन फल्ली, 50 मिमी के टुकड़ो में कटी हुई, 3 से 4 कोकम, 10 मिनट के लिए भिगोकर छाने हुए, 4 टेबल-स्पून कटा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप मोटे स्लाईस्ड केले, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

तुवर दाल और 5 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में मिलाकर, 2 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। हल्का ठंडा कर, दाल छान लें और पानी को एक तरफ रख दें। इस व्यंजन के लिए आपको केवल पानी की आवश्यक्ता है। दही और बेसन को एक बाउल में अच्छी तरह फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा, सरसों, हींग और मेथी दानें डालें। जब सरसों के बीज चटकने लगे, भिंडी, मूली, सहजन फल्ली और छाना हुआ दाल का पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढ़क्कन से ढ़ककर, धिमी आंच पर 8-10 मिनट के लिए या सब्जीयों के नरम होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। कोकम, गुड़, तैयार दही-बेसन का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, धिमी आंच पर 4 से 5 मिनट के लिए पका लें। केले डालकर अच्छी तरह मिला लें और धिमी आंच पर और 2 मिनट के लिए पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

माठा ची भाजी

सामग्री

6 कप कटी हुई चौलाई भाजी, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 2 टी-स्पून सरसों, 1/2 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टेबल-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 कप अंकुरित मूंग, एक चुटकी शक्कर, नमक सवादअनुसार, सजाने के लिए 3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भुनें। प्याज डालकर मध्यम आंच पर और मिनट या प्याज के नरम होने तक भुनें। चौलाई भाजी, अंकुरित मूंग डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भुनें। 2 कप पानी, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलायें। ढ़ककर धिमी आंच पर 15 से 20 मिनट या अंकुरित मूंग के पकने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें, जिससे सब्जी को बर्तन के नीचे चिपकने से बचाया जा सके। धनिया से सजाकर तुंरत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम** ● **फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**